RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2015
Despatch Date - 02 September, 2015

अंक - 04 (मासिक) वर्ष - 11 सितम्बर, 2015 मूल्य 30/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

भक्ति के स्वर साधकों को समर्पित

FREE REGISTRATION AT
www.srimaheshwarimelapak.com

पंजीयन प्रारम्भ
श्री माहेश्वरी मेलापक-2015
(द्वितीय संस्करण)

श्री माहेश्वरी टाईम्स

का आगामी आकर्षण

'वरिष्ठजन विशेषांक'

के द्वारा नमन करेगी समाज के उन नींव के पत्थरों को,
जिन्होंने समाजसेवा, उद्योग, व्यवसाय, शिक्षा या
अन्य किसी भी क्षेत्र में दिया है अपना
विशिष्ट योगदान और उनकी सेवा यात्रा आज भी जारी है
अनवरत एक चिरयुवा की तरह.

निवेदन- 'वरिष्ठजन विशेषांक' के लिए समाज के 65 वर्ष से अधिक आयु के विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त सक्रिय वरिष्ठों का परिचय आमंत्रित है। प्रकाशन का अंतिम निर्णय 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' सम्पादक मण्डल का ही होगा।

सम्पर्क - 90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे), साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
दूरभाष : 0734-2526561, 2526761, मोबाइल : 094250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com

पृथक् से प्रति बुक करवाने के लिए
शुल्क 500/- (डाक खर्च अतिरिक्त)

अब रिश्ते आयेंगे – आपके द्वार

विवाह योग्य युवक-युवतियों की विश्वस्तरीय डायरेक्ट्री

श्री माहेश्वरी मेलापक

फिर लिखेगी सफलता का नया इतिहास
अपने मार्च 2015 अंक से 300 से अधिक
रिश्ते जोड़ने के पश्चात् अब
अक्टूबर 2015 प्रकाशन की ओर.

विवाह योग्य युवक-युवतियों के बॉयोडाटा प्रेषित कर
निश्चिंत हो जाऐं कि ''अब घर आएंगे रिश्ते''
शीघ्रता करें.

▶▶ 25 सितम्बर तक पंजीयन शुल्क मात्र 500 रुपए
▶▶ इसके पश्चात् होगा 750 रुपये ▶▶ मौका हाथ से जाने न दें

90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे), साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
दूरभाष : 0734-2526561, 2526761, मोबाइल : 094250-91161
E-mail : srimaheshwarimelapak@gmail.com

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-4 ▸▸ सितम्बर, 2015 ▸▸ वर्ष-11

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

♦

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

♦

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

♦

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)

♦

अतिथि सम्पादक
डॉ. सुरेशचन्द्र भदादा (भीलवाड़ा)

♦

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा)
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

♦

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

♦

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

♦

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
■ ICICI A/c. No. : 030005001198

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

मेरे प्रिय...

सुबह तुम जैसे ही सो कर उठे, मैं तुम्हारे बिस्तर के पास ही खड़ा था। मुझे लगा कि तुम मुझसे कुछ बात करोगे। तुम कल या पिछले हफ्ते हुई किसी बात या घटना के लिये मुझे धन्यवाद कहोगे। लेकिन तुम फटाफट चाय पीकर तैयार होने चले गए और मेरी तरफ देखा भी नहीं!!!

फिर मैंने सोचा कि तुम नहा के मुझे याद करोगे, पर तुम इस उधेड़बुन में लग गये कि तुम्हें आज कौन-से कपड़े पहनने हैं ? फिर जब तुम जल्दी से नाश्ता कर रहे थे और अपने ऑफिस के कागज़ इकट्ठे करने के लिये घर में इधर से उधर दौड़ रहे थे...तो भी मुझे लगा कि शायद अब तुम्हें मेरा ध्यान आयेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

फिर जब तुमने आफिस जाने के लिए ट्रेन पकड़ी, तो मैं समझा कि इस खाली समय का उपयोग तुम मुझसे बातचीत करने में करोगे पर तुमने थोड़ी देर पेपर पढ़ा और फिर खेलने लग गए अपने मोबाइल में और मैं खड़ा-का-खड़ा ही रह गया।

मैं तुम्हें बताना चाहता था कि दिन का कुछ हिस्सा मेरे साथ बिताकर तो देखो, तुम्हारे काम और भी अच्छी तरह से होने लगेंगे, लेकिन तुमने मुझसे बात ही नहीं की... एक मौका ऐसा भी आया जब तुम बिलकुल खाली थे और कुर्सी पर पूरे 15 मिनट यूं ही बैठे रहे, लेकिन तब भी तुम्हें मेरा ध्यान नहीं आया। दोपहर के खाने के वक्त जब तुम इधर-उधर देख रहे थे,तो भी मुझे लगा कि खाना खाने से पहले तुम एक पल के लिये मेरे बारे में सोचोगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

दिन का अब भी काफी समय बचा था। मुझे लगा कि शायद इस बचे समय में हमारी बात हो जायेगी, लेकिन घर पहुँचने के बाद तुम रोज़मर्रा के कामों में व्यस्त हो गये। जब वे काम निबट गये तो तुमने टीवी खोल लिया और घंटों टीवी देखते रहे। देर रात थककर तुम बिस्तर पर आ लेटे। तुमने अपनी पत्नी, बच्चों को शुभरात्रि कहा और चुपचाप चादर ओढ़कर सो गये।

मेरा बड़ा मन था कि मैं भी तुम्हारी दिनचर्या का हिस्सा बनूँ... तुम्हारे साथ कुछ वक्त बिताऊँ... तुम्हारी कुछ सुनूँ... तुम्हें कुछ सुनाऊँ। कुछ मार्गदर्शन करूँ तुम्हारा, ताकि तुम्हें समझ आए कि तुम किसलिए इस धरती पर आए हो और किन कामों में उलझ गए हो, लेकिन तुम्हें समय ही नहीं मिला और मैं मन मार कर ही रह गया। मैं तुमसे बहुत प्रेम करता हूँ।

हर रोज़ मैं इस बात का इंतज़ार करता हूँ कि तुम मेरा ध्यान करोगे और अपनी छोटी-छोटी खुशियों के लिए मेरा धन्यवाद करोगे। पर तुम मेरे पास तब ही आते हो, जब तुम्हें कुछ चाहिए होता है। तुम जल्दी में आते हो और अपनी माँगें मेरे आगे रख के चले जाते हो। और मजे की बात तो ये है कि इस प्रक्रिया में तुम मेरी तरफ देखते भी नहीं। ध्यान तुम्हारा उस समय भी लोगों की तरफ ही लगा रहता है और मैं इंतज़ार करता ही रह जाता हूँ। खैर, कोई बात नहीं... हो सकता है कल तुम्हें मेरी याद आ जाये!!! ऐसा मुझे विश्वास है और मुझे तुममें आस्था है। आखिरकार, मेरा दूसरा नाम... आस्था और विश्वास ही तो है।

निष्कर्ष - *जरा सोचें, जिस ईश्वर ने हमें सबकुछ दिया, हम उन्हें क्या दे रहे हैं ? क्या अपने जीवन के खाली समय में से भी कुछ पल उन्हें याद करने में नहीं बिता सकते ?*

म्हारी भक्ति में रस बरसाओ.....

'म्हारी भक्ति में रस बरसाओ...' जब कहीं कथा-भागवत या धार्मिक आयोजन के दौरान यह भजन गूंजता है, तो मन कुछ पल के लिये झूम उठता है। इस रस धारा में हमारा मन कब कहां डूबा, यह हमें याद नहीं, लेकिन इसकी गूंज हमेशा मन में रच बस गई है। यह जादू स्वर और संगीत के साथ हमारे अंतर्मन में बसी धर्म-संस्कृति और अध्यात्म की जड़ों से भी जुड़ा है। एक आदरणीय परिवार में सुबह-शाम दादा-दादी के साथ जब बच्चे घर के मंदिर के सामने छोटी सी घंटी बजा-बजा कर ''ओम जय जगदीश हरे.... '' की लय में लय मिलाने की कोशिश करते हैं, तभी यह संस्कार मन में पैठने लगता है। यही कारण है कि हजारों साल की गुलामी और सैकड़ों प्रहारों के बाद भी कवि को कहना पड़ा ''कुछ बात है ऐसी कि हस्ती मिटती नहीं हमारी, चाहे सदियों दुश्मन रहा है दौरे जहां हमारा।''

वस्तुतः धर्म हमारे लिए कोई प्रतिबंध या दायरा कभी नहीं रहा। हमने विदेशों से आए अन्य धर्मावलम्बियों को समाहित कर उनके सद्‌गुण भी अपने में समाहित करने में गुरैज नहीं किया। इसलिए हमारी धर्म धारा और संस्कृति किसी भी अन्य से ज्यादा समृद्ध और मजबूत है। इस मजबूती का आधार यही नम्रता और स्वीकार्यता है। मौजूदा दौर में धर्म और संस्कृति को अगली पीढ़ी तक ले जाने का काम जितना संत और कथा परंपरा से जुड़े लोग कर रहे हैं, उतना ही भजन गायक भी कर रहे हैं। खास कर युवा पीढ़ी को इन्होंने मोहित किया और उन्हें अपनी धर्म, संस्कृति के करीब लाने की सफल कोशिश की। भजन ईश भक्ति की एक सुमधुर साधना हैं। स्वर और संगीत के माध्यम से जब भजन गायक भक्ति में लीन होते हैं, तो उनके साथ श्रोतावृंद भी आनंद में हिलोरे लेने लगता है। इस अनुमिति में मन थिरक उठता है। संगीत के इसी जादू ने भजन गायकी को कथाभागवत के आयोजन में भी पिरो दिया। बड़े-बड़े प्रवचनकारों को कथा बीच में रोककर भजन की रसधारा बहानी पड़ती है। भजनों का जादू ऐसा है कि अब हर बड़े आयोजन और राजनीति के लिए भी जनमानस को लुभाने के लिए भजन संध्याएं होने लगी हैं।

यह अंक ऐसे ही भजन गायकों को समर्पित करते हुए हमें प्रसन्नता हो रही है, जिनके भजनों की धुन श्रोता हर कहीं गुनगुनाते मिल जाते हैं। इन भजन गायकों का भी कहना यही है कि उनकी कला भक्ति का एक स्वरूप भर है। भजनों में आने वाला रस ईश्वर की कृपा मात्र है। इन भजन गायकों पर यह अंक तैयार करते वक्त मन में यही बात आ रही है कि हमारी भक्ति में तभी रस आ सकता है। जब हम इनके जैसी तल्लिनता और समर्पण अपने भीतर ला सकें। हम ऐसे व्यक्तित्वों से भी परिचित करा रहे हैं, जो स्वांतः सुखाय के लिए भजन गाते हैं।

'श्री माहेश्वरी टाईम्स' के 10 वर्ष पूर्ण होने पर इस अंक को एक 'नया स्वरूप' देने का प्रयास किया है। अन्य पठनीय और ज्ञानवर्द्धक आलेखों के साथ सभी स्थायी स्तंभ, कविता, कहानी तथा रोचक सामग्री भी प्रस्तुत है। यह अंक आपको कैसा लगा? और इसमें और क्या अच्छा किया जा सकता है, इसके लिए अपने सुझाव एवं अपनी प्रतिक्रिया से हमें अवगत कराना न भूलें। जय महेश।

पुष्कर बाहेती

सबसे निचले स्तर तक स्वास्थ्य सेवा पहुँचाना बने प्राथमिकता

***भीलवाड़ा** निवासी डॉ. सुरेशचंद्र भदादा क्षेत्र के प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ हैं। आप 15 वर्षों तक शासकीय सेवा में रहे एवं वर्ष 2015 से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के पश्चात प्रतिष्ठित रामस्नेही चिकित्सालय भीलवाड़ा में अपनी सेवा दे रहे हैं। चिकित्सा क्षेत्र में आपकी ख्याति एक ऐसे समाज सेवी के रूप में है, जिन्होंने चिकित्सा को व्यवसाय की जगह समाजसेवा के रूप में ही अपना लिया। आप नेत्र प्रत्यारोपण व लेंसिक लेजर पद्धति से चश्मे से छुटकारा दिलवाने के विशेषज्ञ हैं। अपनी सेवा गतिविधियों के अंतर्गत आप 22 वर्षों में सैकड़ों निःशुल्क नेत्र शिविरों के माध्यम से हजारों लोगों को नेत्र ज्योति प्रदान कर चुके हैं। नेत्र की सुरक्षा को लेकर आपका जनजागरण अभियान सतत जारी है।*

मैं जब भी सोचता हूँ, मुझे गर्व होता है कि मैंने माहेश्वरी समाज में जन्म लिया। हमारा समाज एक ऐसा समाज है, जो देश का सबसे सम्पन्न व विश्व का दूसरा सबसे सम्पन्न समाज है, लेकिन यदि सेवा गतिविधियों की बात की जाऐ तो माहेश्वरी समाज अपनी समाजसेवा में न सिर्फ देश बल्कि सम्पूर्ण विश्व में शिखर पर ही है। मानवसेवा में जितना अधिक योगदान माहेश्वरी समाज का है, शायद ही सम्पूर्ण विश्व में किसी ओर समाज का होगा। देश-विदेश में कोने-कोने में स्थापित सेवा संस्थाऐं व माहेश्वरी समाज से वित्त पोषित हो रही सेवा संस्थाऐं इसकी गवाह है। विश्व स्तरीय संस्थाओं लायंस व रोटरी आदि से भी बड़ी संख्या में माहेश्वरी समाजजन जुड़े हुए हैं।

इन सबके बावजूद मैं यह महसूस करता हूँ कि नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में अन्य क्षेत्रों की तुलना में माहेश्वरी समाज का योगदान कम है। जबकि हकीकत देखें तो आंखे जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता है, जिनके बिना सम्पूर्ण जीवन ही अंधकारमय हो जाता है। वैसे मेरा तात्पर्य यह कतई नहीं है कि इस क्षेत्र में समाज का कोई योगदान नहीं है। वास्तव में देखें तो नेत्र दान व चिकित्सा आदि के क्षेत्र में कार्यरत कई संस्थाऐं माहेश्वरी समाजजनों के सहयोग से संचालित है। फिर भी यह भागीदारी पर्याप्त नहीं है। समाज संगठन तो इस अत्यावश्यक सेवा क्षेत्र की लगभग उपेक्षा ही करते हैं। अतः मैं माहेश्वरी समाज के तमाम संगठनों, दानदाताओं व स्वयं सेवी संगठनों से निवेदन करता हूँ कि निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के निर्धन लोगों को राहत पहुंचाने में अपनी अहम् भूमिका निभाये। इतना ही नहीं स्वयं भी नेत्र दान का संकल्प लें तथा अधिक से अधिक लोगों को इसके लिये प्रेरित कर अंधापन दूर करने में सहयोगी बनें।

आंख की किसी भी तरह की तकलीफ को अनदेखा न करें। समय-समय पर आंख की जांच करवाते रहें। लापरवाही कभी-कभी आंखों की रोशनी को हमेशा के लिये गंवा देती है। उचित देख-रेख व समय पर उपचार से आंखों की रोशनी को काफी लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है। संचार क्रांति के इस युग में उपकरणों का अंधाधुंध उपयोग हो रहा है, जैसे मोबाइल, कम्प्यूटर, टीवी आदि। इनका उपयोग केवल आंख को ही नहीं मस्तिष्क व शरीर के अन्य तंत्रों को भी नुकसान पहुंचाता है। इनके उपयोग को नकार तो नहीं सकते, लेकिन विकास व ज्ञानार्जन के लिये ही इनका उपयोग करें, तो अच्छा है। दुःखद बात यह है कि लगभग 90 प्रतिशत समय इनका उपयोग मनोरंजन के लिये ही किया जाता है। अतः सभी से निवेदन है कि इनका समूचित उपयोग करें व अन्यों को भी प्रेरित करें। ताकि हम स्वस्थ रहते हुए समाज व देश को उन्नति के पथ पर ले जा सके। यह अपील मैं सभी समाज संगठनों से भी करता हूँ।

डॉ. सुरेशचन्द्र भदादा
अतिथि सम्पादक

श्री सुरल्या माताजी (मानुधणी)

श्री सुरल्या माताजी जिन्हें मानुधणी या मूणधणी माताजी भी कहा गया है, मुख्य रूप से मानधन्या व भुराड़िया खाँप की कुलदेवी हैं, भंसाली परिवार भी कहीं-कहीं इन्हें अपनी कुलदेवी के रूप में पूजते हैं।

राजस्थान के नागौर जिले के डीडवाना (बांगड़नगर) शहर के मध्य में कोट मोहल्ला स्थित सुखदेव व्यास (मानधना के कुल गुरु) के निवास पर चलमूर्ती (उत्सव मूर्ती) के रूप में सुरल्या माताजी की प्रतिमा विराजित है।

कोट मोहल्ला डीडवाना बसस्टेण्ड से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर नागौर गेट के पश्चात् कोट द्वार के अन्दर मानधना की पोल में स्थित श्री व्यास का निवास है। अजय (राजेन्द्र) व्यास ने बताया कि पूर्व दिशा में स्थित मंदिर में प्रतिमा का मुखारविंद पश्चिम दिशा में हैं वर्षों पूर्व (अज्ञात) आश्विन शुक्ला सप्तमी को विराजित यह मूर्ति कलश आकृति में है। प्रतिवर्ष नवरात्रि में सप्तमी को नगर में धूमधाम से सवारी निकलती है। दशमी को पूर्णाहूति होती है। लापसी व चांवल का भोग लगाया जाता है। ठहरने के लिये कुछ दूरी पर ही माहेश्वरी धर्मशाला है। जिसमें 15 कमरे व हॉल आदि की व्यवस्था के अतिरिक्त होटल व अन्य धर्मशाला भी हैं। मंदिर में प्रातः 7 बजे व संध्या 7 बजे आरती पारम्परिक रूप से होती है।

कैसे पहुँचें

डीडवाना पहुँचने के लिये निकटतम रेलवे स्टेशन यहाँ से 45 कि.मी. दूर स्थित नारायणपुरा है। यहाँ से बस द्वारा डीडवाना पहुँचा जा सकता है। बस स्टेण्ड से माताजी का स्थान (पं. व्यास का आवास) लगभग 1 कि.मी. दूर है। अधिक जानकारी के लिये पं. अजय व्यास 092145-05129 से सम्पर्क किया जा सकता है।

समय पर विवाह का अनूठा प्रयास

पश्चिमी म.प्र. प्रादेशिक माहेश्वरी सभा द्वारा प्रथम बार आयोजित हुआ 27 युवक व 25 प्लस युवतियों का परिचय सम्मेलन

इंदौर। कॅरियर बनाने की हौड़ में अक्सर शादी की उम्र पीछे छुट जाती है। इसी को मद्देनजर रखते हुए पश्चिमी म.प्र. प्रादेशिक माहेश्वरी सभा द्वारा प्रथम बार 27 वर्ष से अधिक आयु के युवक व 25 से अधिक की युवतियों का अ.भा. माहेश्वरी परिचय सम्मेलन गत दिनों इंदौर के दस्तूर गार्डन में आयोजित किया गया।

सम्मेलन में 955 प्रविष्टियां आई थी। जिनमें बड़ी संख्या में युवतियों की प्रविष्टियां भी शामिल थी। प्रविष्टि देने वालों में कई सीए, सीएस, डॉक्टर्स, इंजीनियर्स, एमबीए और उद्योगपति शामिल थे। इसके साथ ही बड़े पैकेज में नौकरी करने वाले युवक-युवतियों की नेपाल सहित पूरे देश से प्रविष्टियां आई थी। इस आयोजन की एक और सबसे बड़ी विशेषता अत्यंत न्यून पंजीयन शुल्क भी थी।

काउंसलर की भूमिका

इस सम्मेलन की विशेषता यह थी कि इसमें समाज के वरिष्ठों ने काउंसलर की भूमिका

निभाते हुए युवक-युवतियों के परिजनों को मिलवाया। दिनभर चले इस सम्मेलन में 2 रिश्ते आयोजन स्थल पर ही तय हो गये। इसके साथ बड़ी संख्या में रिश्ते तय करने के लिये जानकारी भी प्राप्त हुई, जिनसे कई रिश्तों के जुड़ने के मार्ग खुल गये। आयोजन स्थल पर ही पंड़ितों की भी व्यवस्था थी, जिन्होंने ऑन स्पॉट पत्रिका मिलान कर ज्योतिषीय मार्गदर्शन दिया।

ये बने कार्यक्रम के कर्णधार

राजकुमार काल्या- भीलवाड़ा और रामगोपाल मूंदड़ा-सूरत, सुनीता-मुकेश माहेश्वरी व सत्यनारायण मंत्री के आतिथ्य में सम्मेलन शुरू हुआ। सभा अध्यक्ष महेश तोतला ने बताया कि सम्मेलन में अशोक ईनानी, महेश मुंगड़, राजेंद्र ईनानी, अजय झंवर, पुष्कर बाहेती, मुरलीधर मोदी, पुष्प माहेश्वरी, अनिल मंत्री आदि का सराहनीय योगदान रहा। संचालन सुनीता जाखेटिया और मुकेश सारड़ा ने किया।

ऐसे आयोजन जरूरी

स्वागत अध्यक्ष महेश मूंगड़ और प्रदेश अध्यक्ष महेश तोतला ने बताया कि उच्च शिक्षा हासिल करने के बाद कॅरियर बनाने के चक्कर में समाज के युवा अपनी शादी की उम्र को पीछे छोड़ देते हैं और फिर उन्हें ऊंचे पैकेज वाली नौकरियां तो हासिल हो जाती हैं, लेकिन जीवन साथी मिलना थोड़ा कठिन हो जाता है। ऐसे सारे उच्च शिक्षित और हाई पैकेज पर काम करने वाले युवाओं को जीवन साथी मिल सके, इसके लिए इन्हें एक प्लेटफार्म पर लाने का यह पहला आयोजन था। ऐसे आयोजन समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता है, जिससे विवाह की उम्र न निकले और समय पर विवाह हो सकें।

दान से धन घटता नहीं, बढ़ता है - संत श्री पारिक

श्रीमद्भागवत का हुआ भव्य आयोजन

हैदराबाद। जीवन में व्यक्ति को धन और सम्पत्ति भाग्य से प्राप्त होती है। दान करने से धन घटता नहीं, बल्कि बढ़ता है।' उक्त उद्‌गार मलकपेट स्थित स्वाति फंक्शन हॉल में मलकपेट सत्संग समिति द्वारा आयोजित श्रीमद्‌भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के सप्तम दिवस कथा का महत्व बताते हुए अशोकजी पारिक ने व्यक्त किये। महाराज ने कहा कि जीवन में कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। जीव को हर कार्य प्रसन्नता से करना चाहिए। श्रीकृष्ण भगवान होकर भी संतों की चरणपादुका और झूठे पत्तल उठाते थे। जीव के कर्म ही उसे प्रगति के पथ पर ले जाते हैं। यदि लोग आपकी प्रशंसा करे, तो ये जरूर सोचना चाहिए कि क्या वास्तव में हम उस लायक हैं। सुदामा चरित्र तथा परीक्षित मोक्ष की कथा के पश्चात कथा को विराम दिया गया। इस अवसर पर हवन एवं प्रसादी का आयोजन किया गया। कथा आयोजन के मुख्य यजमान श्रीनिवास रामनारायण धूत, दैनिक यजमान मुरारी अरुण कुमार गौड़, भंडारा प्रसादी के यजमान बालचंद दामोदर तापड़िया, श्रीवल्लभ सुरेशचंद्र भट्टड़, गंगाधर विजय कुमार झंवर, सत्यनारायण जगदीश प्रसाद भट्टड़, रुक्मिणी विवाह के यजमान घनश्यामदास नारायणदास भट्टड़ थे।

परिचय सम्मेलन व सामूहिक विवाह की तैयारी

राजसमंद। अर्जुनलाल चेचाणी की अध्यक्षत में जिला सभा की बैठक सेवासदन नाथद्वारा में सम्पन्न हुई। बैठक में परिचय सम्मेलन आगामी 25 अक्टूबर को नाथद्वारा सेवासदन में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इंदरलाल छापरवाल को सम्मेलन का प्रभारी तथा विष्णुगोपाल सोमानी को संयोजक एवं कृष्णगोपाल माहेश्वरी को सहसंयोजक बनाया गया। सामूहिक विवाह अप्रैल 2016 में चारभुजाजी सेवा सदन में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक मदनलाल मालपानी तथा प्रभारी हेमंत लड्ढा को बनाया गया। बैठक का संचालन सचिव नवनीतलाल मंत्री ने किया।

सावन मेला समृद्धि-2015 का हुआ आयोजन

अहमदाबाद। संगठन माहेश्वरी संगिनी द्वारा 22-23 अगस्त को "सावन मेला-समृद्धि 2015" का आयोजन स्थानीय शाहीबाग में किया गया। शुभारंभ महापौर मीनाक्षी पटेल ने किया। माहेश्वरी सेवा समिति अध्यक्ष सुरेश मुंदड़ा, मूलचंद काथोड़, युवा संगठन अध्यक्ष मुकेश लड्ढा, गोविंद काबरा, संगिनी संगठन अध्यक्ष मीना चेचानी, सुधा काबरा, उर्मिला बाहेती सहित समस्त सदस्य उपस्थित थे। इसमें विभिन्न प्रकार की सामग्री की 75 से अधिक स्टॉल लगाई गई थी।

गुजरात प्रदेश से शाईनिंग स्टार्ज चयनित

अहमदाबाद। गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा आयोजित होने वाले शाइनिंग स्टार्ज़ (पुणे 2015) का प्रांतीय ऑडिशन स्थानीय होटल प्लेटिनम रेसीडेन्सी प्रहलाद नगर में किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष अरविन्द जाजू ने बताया कि जजों द्वारा घोषित परिणाम अनुसार वाईस ऑफ माहेश्वरी के लिए अनिकेत भदादा एवं आलिया लोहिया का चयन हुआ। माहेश्वरी गोट टैलेंट के लिए आशीष माहेश्वरी एवं सुमन मूंधड़ा, मि. माहेश्वरी के लिए सन्देश मुन्धडा तथा मिसेज़ माहेश्वरी के लिए प्रीति खटोड़ का चयन हुआ। आ जा नचले की कड़ी प्रतियोगिता में वृंदा मुन्धडा एवं कुणाल केला 25 से 40 वर्ष उम्र खंड में शीतल समदानी का चयन हुआ। सामूहिक नृत्य में एक मात्र प्रविष्टी विनेश तापड़िया की रही।

अबोहर की कार्यकारिणी गठित

अबोहर। माहेश्वरी संगठन अबोहर के नवनियुक्त प्रधान सुनील पेड़ीवाल ने अपनी कार्यकारिणी घोषित कर दी है। इसमें राधेश्याम कोठारी, डॉ. बी.एल. सोमानी, मदनलाल लखोटिया, डोगरमल पेड़ीवाल व घनश्यामदास चाण्डक सरंक्षक होंगे। सुनील कलानी वरिष्ठ उपप्रधान, जितेन्द्र राठी महासचिव, दिनेश सोमनी कोषाध्यक्ष, जयइन्द्र माहेश्वरी, विजय पेड़ीवाल, रितेश मूंदड़ा व राजेन्द्र सोमानी उपप्रधान तथा दिनेश राठी व राघव शारदा सह सचिव बनाए गए है। गिरीराज राठी, विवेक पेड़ीवाल व पुरुषोत्तम गिलड़ा सांस्कृतिक सचिव होंगे। इसके साथ कार्यकारिणी सदस्यों व सलाहकार मंडल सदस्यों का चयन भी किया गया।

"परिस्थितियाँ विपरीत हों तो
इंसान का 'प्रभाव और पैसा' काम नहीं आता
बल्कि 'स्वभाव और सम्बन्ध' काम आते हैं।"

नगर निकायों के चुनावों में जमकर फहरा माहेश्वरी परचम

4 माहेश्वरी सभापति, 6 उपसभापति व 25 पार्षद चुने गये

जालोर। गत दिनों राजस्थान के विभिन्न शहरों में नगर निकायों के चुनाव सम्पन्न हुए। इस चुनावी जंग में बड़ी संख्या में समाजजन मैदान में उतरे और सफलता भी हासिल की। सबसे बड़ी उपलब्धि चार नगर निकायों में समाजजनों का सभापति, अध्यक्ष तथा 6 में उपसभापति उपाध्यक्ष चुना जाना है।

उक्त जानकारी देते हुए अ.भा.माहेश्वरी महासभा के महामंत्री रामकुमार भूतड़ा ने सभी विजयी समाजजनों को महासभा की ओर से शुभकामनाएं प्रेषित की। इस पर हर्ष व्यक्त करते हुए श्री भूतड़ा ने राजनीति में समाजजनों की बढ़ती सहभागिता को एक अच्छा संकेत बताते हुए कहा कि यह वर्तमान दौर में समाज की अस्मिता के लिये आवश्यक है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि विजयी समाजजन अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए समाज हित में भी कार्य करेंगे।

ये बने सभापति/अध्यक्ष

- ललिता समदानी- भीलवाड़ा नगर परिषद
- किरण तोषनीवाल- शाहपुरा नगरपालिका (भीलवाड़ा)
- नारायण झंवर - नोखा मंडी नगरपालिका (बीकानेर)
- विजय लड्ढा - सरवाड़ नगरपालिका (अजमेर)

ये बने उपसभापति/उपाध्यक्ष

- राधेश्याम गट्टानी - कुचामन सिटी नगरपालिका (नागौर)
- राजकुमार बाहेती - मदनगंज- किशनगढ़नगरपालिका (अजमेर)
- हरीभाई बाहेती - डूंगरगढ़नगरपालिका (बीकानेर)
- दिलीप राठी - सांचौर नगरपालिका (जालौर)
- लखन कांकाणी - गंगापुर नगरपालिका (भीलवाड़ा)
- रेखा सोनी (देवगढ) -उपाध्यक्ष नपा देवगढ

महिला पार्षद

प्रेमलता लोया- नागौर, अर्चना चांडक- मेड़ता सिटी, शोभा मूंदड़ा- परबतसर, अनीता राठी - परबतसर, प्रियंका बिहानी- नांवा सिटी, शीतल बंग- मुंडवा, निशा झंवर- नोखा मंडी, अनीता बाहेती- चाकसू, मंजू चेचाणी- भीलवाड़ा, मधु मालू - शाहपुरा (भीलवाड़ा)

पार्षद समाजजन

श्रीनिवास झंवर - नोखा मंडी, आसकरण भट्टड़ - नोखा मंडी, राधेश्याम सोमानी - भीलवाड़ा,पियूष डाड - भीलवाड़ा, विजय लढ़ा - भीलवाड़ा, मधुसूदन गट्टानी - मेड़तासिटी, श्यामनारायण राठी - सुजानगढ़, पवन चितलांग्या - सुजानगढ़, राधेश्याम मूंदड़ा - छापर, ज्ञानप्रकाश राठी - केकड़ी, अशोक तोतला - बूंदी, कमल बांगड़ - जहाजपुर, कैलास समदानी - गंगापुर, जीवण असावा - माण्डलगढ़ (भीलवाड़ा), विनोद चांडक - सरदार शहर (चुरू)

सांस्कृतिक संध्या के साथ प्रतिभा सम्मान

नोएडा। माहेश्वरी समाज की ओर से, गत दिनों सेक्टर 6 स्थित इंदिरा गांधी कला केन्द्र में वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम में 'परम्परा वही - सोच नई' की थीम पर नई एवं पुरानी शैलीके विभिन्न नृत्यों की बहुत ही सुन्दर एवं मनमोहक प्रस्तुति भी दी गई। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के अध्यक्ष जोधराज लड्ढा थे। गणमान्य अथितियों में प्रमुख नोएडा के सांसद एवं केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश आर. सी. लाहोटी, मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि अग्रवाल, प्रिया गोल्ड के चैयरमेन बी पी अग्रवालएवं कई गणमान्य नागरिक एवं नोएडा की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। संस्था अध्यक्ष प्रकाश इनाणी ने अथितियों का स्वागत किया। महासचिव अरविन्द सांवलने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम की संयोजिका सरिता सोनी, संगीता चांडक, कविता मूंदड़ा, रंजना लखोटिया, शकुंतला इनाणी सहित कपिललखोटिया, विजय सोनी, गोविन्द चांडक, दिनेश चांडक,जी.सी. माहेश्वरी, राकेश माहेश्वरी आदि समस्त सदस्यों का सहयोग प्राप्त हुआ।

मुंदड़ा का हुआ अभिनंदन

वरंगल। माहेश्वरी समाज वरंगल द्वारा समाज सदस्य वेणुगोपाल मुंदड़ा का वरंगल अर्बन को-आपरेटिव बैंक के दूसरी बार निर्विरोध निर्देशक पद पर चुने जाने पर अभिनन्दन किया गया। माहेश्वरी समाज वरंगल के मंत्री संपत कुमार लाहोटी ने बताया कि श्री मुंदड़ा वरंगल स्थित मुंदड़ा भवन के व्यवस्थापक भी है। आपके परिवार द्वारा सत्यनारायण मुंदड़ा चैरिटेबल ट्रस्ट भी संचालित हैं, जिसके द्वारा जरूरतमंद असहायजनों की शिक्षा, विवाह एवं स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में मदद की जाती है। इस अभिनन्दन कार्यक्रम में आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष रमेश चंद बंग, वरंगल जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष ओमप्रकाश मुंदड़ा, मंत्री ब्रिजगोपाल लाहोटी, माहेश्वरी समाज वरंगल के अध्यक्ष प्रहलाद सोनी, सत्यनारायण कालानी, रामकिशोर मनियार, बंकटलाल सोनी, कमल मालानी सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

महेश बैंक ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

हैदराबाद। सहकारिता क्षेत्र में दक्षिण भारत की अग्रणीय बहुराज्यीय अनुसूचित बैंक महेश बैंक के निजाम शाही रोड स्थित प्रधान कार्यालय में 69वाँ स्वतंत्रता दिवस बहुत धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में इचलकरंजी महाराष्ट्र के ख्यात उद्योगपति ओमप्रकाश छापरवाल ने ध्वजारोहण किया। बैंक के चेयरमैन पुरुषोत्तमदास मानधणा ने अतिथियों का स्वागत किया। बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक ए. रामाराव ने बैंककर्मियों के लिये स्वतंत्रता संग्राम की पृष्ठभूमि पर एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया था। विजेताओं को बैंक के सीनियर वाइस चेयरमेन रमेशकुमार बंग ने प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार प्रदान किये। वाइस चेयरमेन रामपाल अट्टल, निदेशक पुष्पा बाबू, चैनसुख काबरा एवं बैंककर्मी उपस्थित रहे।

राठी बने निर्विरोध अध्यक्ष

नागदा। स्थानीय किराना व्यापारी संघ में घनश्याम राठी को पुनः निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। श्री राठी माहेश्वरी समाज नागदा के सचिव एवं लायंस क्लब उपाध्यक्ष भी हैं। श्री राठी ने अपने प्रथम वर्ष के कार्यकाल के अंतर्गत व्यापारिक हित में कई कार्यक्रमों की घोषणा की है।

ए.बी. माहेश्वरी एज्यूकेशन ट्रस्ट की बैठक सम्पन्न

इंदौर। श्री ए.बी. माहेश्वरी एज्युकेशन ट्रस्ट के ट्रस्टियों, दानदाताओं एवं विशेष आमंत्रित समाजबंधुओं की बैठक गत 15 अगस्त को प्रातः 11 बजे आयोजित की गई। मुख्य अतिथि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के निवृत्तमान सभापति एवं संगम ग्रुप के चेयरमेन रामपाल सोनी थे। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि श्री सोनी, ट्रस्ट के चेयरमेन रामअवतार जाजू, सचिव भरत सारड़ा, कोषाध्यक्ष गोपाल न्याती, संयोजक रामेश्वरलाल असावा, निर्माण संयोजक कृष्णकुमार बिड़ला एवं किशन मुंदड़ा सहित ट्रस्ट के ट्रस्टीगण व समाज के अनेक गणमान्य पदाधिकारी व दानदाताओं की उपस्थिति में 69 वें स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण किया। मुख्य अतिथि रामपाल सोनी का स्वागत रामअवतार जाजू ने किया। ट्रस्ट के सचिव सीए भरत सारड़ा ने छात्रावास की प्रगति की जानकारी दी। इस अवसर पर भवन निर्माण की अनुमानित लागत व उसकी वित्तीय व्यवस्था पर ट्रस्टियों ने विस्तृत चर्चा की गई। श्री सोनी के सुझाव व सभी के आग्रह पर मुख्य दानदाता जाजू परिवार ने अपनी घोषित सहयोग राशि 71 लाख से बढ़ाकर दो गुनी अर्थात् 1 करोड़ 41 लाख रुपए करने की स्वीकृति दी।

जिला सभा के चुनाव सम्पन्न

अजमेर। जिला माहेश्वरी सभा (संस्था) के चुनाव श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर में निर्विरोध सम्पन हुए। इसमें 31 कार्यकारिणी के सदस्यों का चयन किया गया। अध्यक्ष रमाकान्त बाल्दी, महामंत्री एस.डी. बाहेती अजमेर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गुमानमल झंवर ब्यावर, उपाध्यक्ष नटवरलाल मालपानी किशनगढ़, प्रेमचन्द हेड़ा केकड़ी, कोषाध्यक्ष ज्वालाप्रसाद कांकाणी-नसीराबाद, संगठन-मंत्री कृष्णगोपाल नवाल विजयनगर, संयुक्तमंत्री सूरजनारायण ईनाणी सराधना, शिवरतन डागा किशनगढ़एवं लक्ष्मीनिवास डोडिया सरवाड़ सहित 21 प्रबन्धकारिणी सदस्यों का चयन किया गया। मध्य राजस्थान प्रदेश के लिए कार्यकारी मण्डल के 45 सदस्यों व श्री अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के लिए 12 सदस्यों का निर्विरोध चयन भी हुआ।

ऊँटों के लिये मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

भीलवाड़ा। झालावाड़ लोकसभा क्षेत्र के छीपा बड़ौद के पास मोखमपुरा और पीपलिया घाटा में एक दर्जन राज्यपशु ऊँटों की मृत्यु के गम्भीर मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग संस्था पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने राज्य की मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर की है। ऊँटों के ताबड़तोड़ मरने के सिलसिले में झालावाड़ के सारोला थाने क्षेत्र की ढाणी के निवासी अमरलाल रेबारी ने रिपोर्ट भी दर्ज कराई है। जाजू ने बताया कि राज्य पशु होने के बावजूद पुष्कर, जैसलमेर के पोकरण, सादुलपुर, बाड़मेर ईटावा, शाहपुरा, भरतपुर, अलवर, झुंझूनू, तारानगर, धौलपुर, चुरू सहित अनेक स्थानों से 1500 से अधिक ऊँटों की चोरी-छिपे तस्करी कर उत्तर प्रदेश में महंगे मांस बेचने के लालच से ले जाया जा रहा है। श्री जाजू ने सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि ऊँटो की तस्करी पर तुरन्त रोक नहीं लगाई गई तो पी.एफ.ए. को धरना-आन्दोलन करने को मजबूर होना पड़ेगा।

> "पूरी ज़िन्दगी हम इसी बात पर गुजार देते हैं कि 'चार लोग क्या कहेंगे'
> और अन्त में चार लोग बस यही कहते हैं कि 'राम नाम सत्य है'।"

धूमधाम से मनाई गई हरियाली अमावस्या

▸▸नाम को लेकर हुआ विवाद ▸▸दो जगहों पर हुए आयोजन

भीलवाड़ा। बहुत वर्षों बाद हरियाली अमावस्या महोत्सव पर सामूहिक स्नेहभोज का आयोजन हुआ। इस बार एक साथ न होकर दो अलग नाम से एवं अलग-अलग स्थान पर कार्यक्रम आयोजित किये गये।

प्रथम आयोजन- श्री माहेश्वरी समाज भीलवाड़ा का आयोजन अग्रवाल उत्सव भवन में हुआ। कार्यक्रम के संयोजक एस.एन. डाड ने बताया कि दिन को 2 बजे से 5 बजे तक भजन गायिका सुमन सोनी के भजनों का आनन्द उठाया गया। बाद में गरबा एवं डांडिया का आयोजन हुआ, जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सायं को 10 हजार से अधिक लोगों का स्नेहभोज हुआ। इस कार्यक्रम की सफलता में उद्योगपति लादूलाल बांगड, श्रीगोपाल राठी, के.जी. तोषनीवाल, ओमप्रकाश काल्या, गोपाल काबरा, सुभाष बाहेती, एस.एन. मोदानी, मदनलाल आगाल, सुशील मरोठिया, कंवरलाल पोरवाल, चांदमल सोमानी, एस.एन. मंत्री, मुकेश काबरा, दिनेश काबरा आदि का सहयोग रहा।

दूसरा आयोजन- दूसरी ओर श्री माहेश्वरी पंचायतन के नाम से महेश छात्रावास में सामूहिक स्नेहभोज का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संयोजक राकेश पटवारी ने बताया कि बहुत वर्षों बाद सभी पंच धड़ों का एक साथ स्नेहभोज हुआ। इसमें दिन को जनकल्याण सेवा संस्थान की ओर से भजन संध्या की प्रस्तुति दी गई एवं सायं स्नेहभोज का कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम की सफलता में सभी पंच धड़ों के प्रमुखों, महेश सेवा समिति के अध्यक्ष राधेश्याम चेचाणी, प्रहलाद लड्ढा, महावीर समदानी, राजेश तोषनीवाल, सत्यनारायण सोमानी, रामेश्वर तोषनीवाल, दिलीप लाहोटी, शिव तोषनीवाल, रामस्वरूप सामरिया सहित समाज के समस्त पदाधिकारियों का सहयोग रहा।

दो आयोजनों ने लगाया प्रश्न चिह्न?

समाज के सामुहिक भोज में अभी तक स्थानीय समाज ने एक ही स्नेहभोज का आयोजन किया, परन्तु बावजूद इसके इस बार दो अलग-अलग आयोजन हुए, इसे लेकर आम व्यक्ति में तरह-तरह की चर्चा रही। अधिकांश लोग इसे संगठन के कर्त्ताधर्ताओं के अहंकार का टकराव बता रहे हैं, जो भविष्य के लिए गलत संकेत है। इसके बावजूद हर किसी ने एक स्थान पर कुर्सी पर बैठकर एवं दूसरे में पंगत में बैठकर भोजन करने को सामाजिक एकता एवं संस्कृति के लिए एक सराहनीय कदम बताते हुए इनकी प्रशंसा ही की।

जाजू बनी महिला मंडल की अध्यक्ष

ब्यावरा। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल के चुनाव पर्यवेक्षक रमेशचंद भराड़िया व राजेश झंवर की देखरेख में सर्वसम्मति से हुए। इसमें मनीषा जाजू को अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। निवर्तमान अध्यक्ष सुमित्रा जैथलिया ने बताया कि नई कार्यकारिणी में मंजू काबरा उपाध्यक्ष, रेखा बाहेती मंत्री, रेणु मालू कोषाध्यक्ष तथा संध्या सारड़ा उपमंत्री मनोनीत की गईं।

मनीषा जाजू

रेखा बाहेती

युवा संगठन अध्यक्ष ने राज्यपाल को किया आमंत्रित

सूरत। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भूतड़ा ने 20 सितम्बर को महाराष्ट्र के राज्यपाल विद्यासागर राव से मुंबई स्थित राज भवन में मुलाकात की। श्री भूतड़ा ने राज्यपाल को माहेश्वरी समाज व उसके गौरवमयी इतिहास के बारे में बाया। इसके पश्चात युवा संगठन द्वारा 11-12-13 सितम्बर को पुना में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय युवा महोत्सव शाइनिंग स्टार्ज के बारे में जानकारी देते हुए उन्हें कार्यक्रम में पधारने हेतु निमंत्रण दिया। इस पर श्री राव ने उन्हें आश्वासन दिया कि वो पुना में आने की पूरी कोशिश करेंगे। राज्यपाल के साथ इस मुलाकात में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री भूतड़ा के साथ मुंबई के नारायण मालपानी, मनीष सारड़ा व पुना के सचिन चांडक भी मौजूद थे।

महासभा में हुआ प्रतिनिधियों का चयन

ब्यावर। ब्यावर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा की बैठक नंदकिशोर जैथल्या की अध्यक्षता में सम्पन्न हुईं। इसमें महासभा के राजस्थान मध्य प्रांत और अजमेर जिले के लिए ब्यावरा क्षेत्र से प्रतिनिधियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। मंत्री डॉ. एल.एन. बल्दुआ ने बताया कि महासभा में भागीरथ हेड़ा, रमेशचंद भराड़िया और राजस्थान मध्यप्रांत के लिए ज्ञानप्रकाश जैथल्या, हरिकृष्ण बल्दुआ, जुगलकिशोर कणिहार और श्याम जागेटिया, अजमेर जिले के लिए गुमानमल झंवर, हरिश मूंदड़ा, मुकेश बंग, सीए के.सी. मणिहार व ओमप्रकाश खटोड़ का चयन किया गया। अध्यक्ष नंदकिशोर जैथल्या ने बताया कि पुष्कर सेवा सदन में अजमेर जिले से ब्यावरा के गुमानमल झंवर का वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर चयन किया गया।

पश्चिमी क्षेत्र का स्नेह मिलन सम्पन्न

जोधपुर। श्री माहेश्वरी समाज पश्चिमी क्षेत्र का वार्षिकोत्सव, साधारण सभा एवं स्नेह मिलन आदर्श वाटिका, कमला नेहरू नगर में आयोजित किया गया। समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश लाहोटी ने बताया कि मुख्य अतिथि रमेश कुमार बंग-अर्थ मंत्री अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा थे। अतिविशिष्ट अतिथि कमलकिशोर चांडक द्वारा समाज में व्याप्त कुरीतियों एवं भ्रूण हत्या बंद करने पर जोर दिया गया। विशेष अतिथि विष्णु पुंगलिया ने अपनी ओर से पश्चिमी क्षेत्र माहेश्वरी भवन में 82.50 किलोवाट का जेनरेटर भेंट किया। सचिव योगेन्द्र माहेश्वरी ने बताया कि इस अवसर पर समाज के प्रति निष्ठापूर्वक कार्य करने वाले समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। कोषाध्यक्ष भगवान बिड़ला द्वारा इस साल का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया एवं उपाध्यक्ष सुरेशचन्द्र भूतड़ा, सहसचिव अरुण बंग व कंचन जाजू द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। 350 मेघावी छात्रों को पुरस्कार प्रदान किये गये। रतनलाल डागा-अध्यक्ष जोधपुर जिला माहेश्वरी महासभा व दामोदरलाल बंग-मंत्री माहेश्वरी समाज जोधपुर को उनकी समाज सेवा के लिये समाज गौरव से नवाजा गया। इसी प्रकार विभिन्न क्षेत्रों की कई प्रतिभाओं का सम्मान किया गया।

आर्णि में सफाई अभियान

आर्णि। स्वच्छ भारत सुंदर भारत अभियान को अपनाते हुए आर्णि के माहेश्वरी महिला संगठन ने हाथ में झाड़ू लेकर तहसील कार्यालय व पंचायत समिति के बाहर प्रांगण में सफाई अभियान चलाया। जिला अध्यक्ष मंगल करवा, पुसद की नीना भंडारी, यवतमाल से संध्या अटल, आर्णि तालूका अध्यक्ष राजश्री राठी, सचिव किरण तापड़िया, जिला कोषाध्यक्ष कविता पनपालिया, सुनीता चांडक, ज्योति राठी, शीतल राठी, रेखा माहेश्वरी, सारिका लोहिया, ज्योति लोहिया, वीणा लड्ढा, मोना गगन आदि ने हिस्सा लिया।

जैसलमेरिया को बीकाजी रेसीपी पुरस्कार

जोधपुर। बीकाजी फूड इन्टरनेशनल लिमिटेड द्वारा आयोजित बीकाजी भूजिया यूमिनेस रेसीपी कॉन्टेस्ट में जोधपुर की मन्जू जैसलमेरिया को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। उल्लेखनीय है कि दैनिक भास्कर के मधुरिमा एवं राजस्थान पत्रिका के परिवार परिशिष्ट के खान-पान में श्रीमती जैसलमेरिया की रेसीपी प्रकाशित होती रहती हैं। श्रीमती जैसलमेरिया जोधाणा सहेली संस्थान, जोधुपर द्वारा हर शुक्रवार को आयोजित निःशुल्क कुकिंग क्लास में भी समय-समय पर रेसीपी लाइव बनाकर सिखाती हैं।

सिंहस्थ में प्रादेशिक सेवा देगी निःशुल्क भोजन

नीमच। आगामी मार्च माह से उज्जैन में सिंहस्थ महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। इसे लेकर पश्चिमी म.प्र. प्रादेशिक सभा की बैठक नीमच में सम्पन्न हुई। अध्यक्षता करते हुए प्रादेशिक सभा अध्यक्ष महेश तोतला ने बताया कि उज्जैन के सिंहस्थ 2016 में प्रादेशिक सभा अपनी सहयोगी संस्थाऐं व जिला सभा के साथ निःशुल्क नाश्ता व भोजन की व्यवस्था करेगा। इस हेतु उज्जैन जिला सभा के माध्यम से कैम्प हेतु भूमि आवंटन की स्वीकृति पश्चात उक्त सुविधा देकर आने वाले समाजजन व भक्तों का स्वागत किया जाऐगा। वहीं उज्जैन माहेश्वरी समाज द्वारा उचित दरों पर ए.सी. व नॉन ए.सी. रूम ठहरने हेतु उपलब्ध करायेंगे तथा जनमानस हेतु शुद्ध जल (प्याऊ) शासन की अनुमति से लगावेंगे। इस सम्पूर्ण सेवा गतिविधि का अनुमानित खर्च करीबन एक करोड़ रुपये का होगा, जो पूरे भारत के समाज बंधुओं के सहयोग से प्राप्त होगा। बैठक में महासभा द्वारा लिये गये निर्णयों की जानकारी से प्रकाशचंद बाहेती खंडवा ने अवगत कराया, जिसमें जो समाज बंधु समाज के मामले अगर न्यायालय में जाता है या कार्यवाही करता है, उसे 6 साल के लिये निर्वाचन प्रक्रिया से दूर रखा जावेगा। उसकी समस्या का निदान महासभा द्वारा गठित प्रकोष्ठ के माध्यम से हल कराने का प्रयास किया जावेगा।

> आप कोई भी अद्भुत कार्य करें
> और लोग उसको
> नजरअंदाज करें,
> तो निराश मत होना,
> क्योंकि सूर्योदय के समय
> बहुत-से लोग
> सो रहे होते हैं।

झंवर बने वरिष्ठ उपाध्यक्ष

ब्यावर। संस्था अजमेर जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव पुष्कर में सम्पन्न हुए। इसमें संस्था के गत 5 वर्षों के कोषाध्यक्ष गुमानमल झंवर ब्यावर को निर्विरोध रूप से वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुना गया। श्री झंवर माहेश्वरी पंचायत बोर्ड उपमंत्री ब्यावर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वर्तमान में धार्मिक संस्था सनातन धर्म सत्संग सभा गीता भवन के भी दो साल से अध्यक्ष, अखिल भारतीय माहेश्वरी सभा के कार्यकारी मंडल हेतु ब्यावर से भागीरथी हेड़ा व रमेशचंद्र भराड़िया को भी निर्विरोध सदस्य चुना गया।

> जमाना कुछ भी कहे,
> उसका एहतराम न कर,
> जिसे जमीर न माने
> उसे सलाम मत कर।

ब्लड कम्पोनेन्ट युनिट का उद्घाटन

हैदराबाद। लायन क्लब हैदराबाद ईस्ट द्वारा फिरोज गाँधी पार्क, बैंक स्ट्रीट पर संचालित भानजी खेराज ब्लड बैंक में गायत्रीदेवी राधेश्याम सराफ ब्लड कम्पोनेंट युनिट का उद्घाटन किया गया। इसमें पूर्णतः नवनिर्मित वातानुकुलित भवन में अत्याधुनिक तकनीक एवं नवीनतम मशीनों से संग्रहित रक्त को विभिन्न कम्पोनेंट में विभाजित किया जा सकता है। सुप्रसिद्ध न्यूरो सर्जन डॉ. अनिरूद्ध के पुरोहित उपस्थित थे। विशेष अतिथि के रूप में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के अर्थमंत्री रमेशकुमार बंग उपस्थित थे। क्लब का ध्वजारोहण क्लब के मंत्री दीपक लड्ढा के संयोजन में किया गया। लॉयन क्लब हैदराबाद ईस्ट सेवा ट्रस्ट के चेयरमेन एवं मेनेजिंग ट्रस्टी सीए सुरेन्द्र काबरा ने अतिथियों व क्लब के सदस्यों के साथ दानदाताओं का स्वागत किया। इस अवसर पर कई लायन्स सदस्य व समाजसेवी उपस्थित थे।

माहेश्वरी युवक संघ के चुनाव सम्पन्न

रामनिवास सारड़ा

श्रीनिवास काकाणी

नारायणदास लोया

हैदराबाद। माहेश्वरी युवक संघ की साधारण सभा माहेश्वरी भवन, बेगमबाजार में संघ अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण राठी के नेतृत्व में सम्पन्न हुई। इसमें आगामी सत्र हेतु चुनाव रामपाल अट्टल (चुनाव अधिकारी) की देखरेख में निर्विरोध सम्पन्न हुए। इसमें अध्यक्ष रामनिवास सारड़ा (हुण्डेकार), मंत्री श्रीनिवास कांकाणी, कोषाध्यक्ष नारायण लोया, उपाध्यक्ष मनोहरलाल काकाणी व नारायणदास मालाणी, सहमंत्री राजेश करवा व कमलकिशोर जाजू तथा संगठन मंत्री अमिल लड्ढा (गग्गु) चुने गये। इसके साथ कार्यकारिणी सदस्यों का भी चयन किया गया। बैठक का संचालन संघ के रामप्रकाश भंडारी ने किया। लक्ष्मीनिवास सारड़ा ने चुनाव अधिकारी को सहयोग दिया।

महिलाओं ने अर्पित की चावल की लाखोड़ी

अमरावती (महाराष्ट्र)। सावन माह के पहले सोमवार को माहेश्वरी महिला मंडल की ओर से भगवान भोलेनाथ को चावल की लाखोडी अर्पित की गई। इस अवसर पर महिलाओं ने तीन घंटे मंत्र जाप भी किया। इस दौरान उषा राठी, सरला जाजू, माधवी करवा, कंचन झंवर, कांता बाहेती, उर्मिला कलंत्री, अरुणा भूतड़ा सहित कई महिलाऐं उपस्थित थीं। इसके अंतर्गत 1 लाख 25 हजार चावल के दाने भगवान को अर्पित किये गये।

बचत प्रोत्साहन योजना का शुभारंभ

अमरावती। माहेश्वरी समाज के अल्प आय वाले पुरुष या महिलाओं को बचत हेतु प्रवृत्त करने के उद्देश्य से हिराक सेवा हिराका रामजीवनीबाई कासट की स्मृति में घनश्याम कासट द्वारा बचत प्रोत्साहन योजना की संकल्पना कार्यान्वित की जा रही है। इस योजना के तहत अमरावती शहर में रहने वाले 60 वर्ष से अधिक आयु के स्त्री-पुरुष अपनी इच्छानुसार किसी भी बैंक में 1 वर्ष या 2 वर्ष हेतु आरडी खाते खोल सकते हैं। एक वर्ष के खाते की आखरी दो किश्ते या दो वर्षीय खाते की आखिरी चार किश्तें हिराका सेवा द्वारा भरी जायेगी।

युवक-युवती परिचय पुस्तिका का प्रकाशन

अकोला। जिला माहेश्वरी संगठन द्वारा विवाह योग्य युवक-युवतियों की जानकारी एकत्रित कर प्रत्याशी के फोटो सहित पुस्तिका के प्रकाशन का कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। उक्त जानकारी देते हुए राजेश राठी अध्यक्ष अकोला जिला माहेश्वरी संगठन ने अपील की कि अपने या परिचितों के यहाँ विवाह योग्य युवक-युवती होने पर उनके फोटो बायोडाटा ईमेल सहित शीघ्रता से माहेश्वरी भवन कार्यालय न्यू राधाकिसन प्लाट अकोला पर जमा करावें या बायोडाटा rajeshrathiakola@gmail. com इस पर फोटो सहित मेल करें।

सावन के सिंजारा का हुआ आयोजन

माहेश्वरी महिला मंडल बैंगलोर द्वारा सावन का सिंजारा का आयोजन 22 अगस्त शनिवार को माहेश्वरी भवन में आयोजित किया गया। प्रारम्भ में झूलेलालकी पूजा अध्यक्ष कृष्णा डागा, सचिव श्वेता बियाणी व सलाहकार सदस्य प्रकाश मुन्दडा ने किया। मंच का संचालन सपना भुतड़ा व सारिका सोमानी ने किया।

इस अवसर पर भिन्न-भिन्न प्रांतों की पौशाक पहनना जोड़े के साथ यानी Male + fale बन कर आना, फलों से रंगोली बनाना व सरप्राइज़ गेम इस प्रतियोगिता में आयोजित की गई। सहसचिव निर्मला काकंणी ने आभार व्यक्त किया।

इंदौर में होगा महिला महाधिवेशन

इंदौर। अ.भा माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा आगामी 9 से 11 जनवरी 2016 तक इंदौर में राष्ट्रीय माहेश्वरी महिला महाधिवेशन का आयोजन किया जाएगा।

उक्त जानकारी देते हुए संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा ने बताया कि इंदौर जिला महिला संगठन के आतिथ्य में होने वाले इस राष्ट्रीय महाधिवेशन में सम्पूर्ण भारत से 5 हजार से अधिक कार्यकर्ता शामिल होंगे।

श्रीमती काबरा ने बताया कि इस महाधिवेशन में विभिन्न उपयोगी व रोचक कार्यक्रमों के साथ भव्य उद्घाटन समारोह, यात्रा, बेनर प्रजेंटेशन, स्वास्थ्य शिविर, औद्योगिक मेला व सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों के व्याख्यान भी होंगे। भाषण, देशभक्ति, पोस्टर व स्लोगन एवं नृत्य नाटिका प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभाओं को अपनी कला व्यक्त करने के सुअवसर के साथ समाज को उपयोगी संदेश देने का अनूठा प्रयास होगा। प्रथम बार समाज की प्रोफेशनल बहनों के सेमिनार का आयोजन भी किया जाएगा। इसमें स्त्री रोग विशेषज्ञ, सी.ए., फैशन डिजाईनर व छोटे उद्योग या व्यवसाय करने वाली उद्यमी बहनों की अलग-अलग कार्यशालाएं, टॉक शो या परिचर्चा का आयोजन कर समाज को उनसे लाभांवित करने का प्रयास किया जाएगा। अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने हेतु पद्मभूषण राजश्री बिड़ला, लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, पूर्व न्यायाधीश रमेशचंद्र लाहोटी, महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जोधराज लड्ढा की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है।

महिलाओं ने किया पौधारोपण

सीकर। स्थानीय गोपीनाथ गौशाला में माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा पेड़ लगाओ, बेटी बचाओ, खुशहाली लाओ अभियान के अंतर्गत आडू, जामुन, बिल्व इत्यादि छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण कर क्लीन सिटी ग्रीन सिटी का संदेश दिया गया। इस अभियान में लगभग 100 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष उमा बियानी, सचिव गरिमा सारड़ा, कार्यक्रम संयोजिका हेमंत बियानी, सह संयोजिका सुमन बजाज व सुनीता बियानी तथा सरिता काबरा, शकुंतला बियानी, निर्मला चेचानी आदि कई सदस्याएं उपस्थित थीं।

निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविर सम्पन्न

कोलकाता। तापड़िया विकास परिषद द्वारा हर वर्ष की तरह इस बार भी 16 अगस्त को स्थानीय मारवाड़ी रिलिफ सोसायटी में जरुरतमंद लोगों के लिये एक निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर लगाया गया। इसमें 26 पुरुष व 23 महिलाओं सहित कुल 49 रोगियों का डॉ. विवेक शर्मा द्वारा ऑपरेशन किया गया। इस अवसर पर भीकमचंद, सतीष, बलदेव, देवकिशन, रमेश, चंद्रप्रकाश एवं अमित तापड़िया के साथ सोसायटी के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

महेश अस्पताल में आई.सी.यू. का शुभारंभ

जयपुर। श्री महेश मेडिकल रिलिफ सोसायटी द्वारा संचालित महेश अस्पताल, तोपखाना का रास्ता, चांदपोल को डॉ. बी.एम. रतूडी की प्रेरणा से आर.के. शर्मा द्वारा अपनी दिवंगत पुत्री सपना की पुण्य स्मृति में एक आई.सी.यू. की पोर्टेबल वेन्टीलेटर मशीन प्रदान की गई। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष एम.जी. राठी की प्रेरणा से स्व. श्री ग्वालदास फोफलिया की स्मृति में उनके परिवारजन कांतादेवी फोफलिया एवं पुत्र राजेश व राकेश फोफलिया द्वारा मॉनिटर प्रदान किया गया। अध्यक्ष श्यामसुंदर डागा ने वेंटीलेटर एवं मॉनिटर प्रदानकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन मानद सचिव शंकरलाल राठी ने किया। पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल तोतला, बालकिशन सोमानी, बजरंग जाखोटिया सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

माहेश्वरी गॉट टेलेंट के पुरस्कार वितरित

बैंगलोर। गत दिनों माहेश्वरी युवा संगठन व माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा केम्पु कला चीटर में स्पर्धा "माहेश्वरी गॉट टेलेंट" का आयोजन किया गया। इसमें अतिथि के रूप में उपस्थित देवेंद्र सोनी ने "सारेगामा टीम" के पुरस्कार वितरित किये।

> "क्रोध एक ऐसा तेजाब है,
> जो जिस चीज पे डाला जाता है
> उससे ज्यादा उस पात्र को
> नुकसान पहुंचता है
> जिसमें वो रखा होता है।"

बेटी बढ़ाओ अभियान में कन्या निधि भेंट

दिल्ली। मारवाड़ी महासभा द्वारा बेटी बढ़ाओ अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत कन्याओं के जन्म पर उनके नाम से प्रोत्साहन राशि भेंटकर उनका व उनके माता-पिता का सम्मान किया जाता है। यह देश में किसी भी सामाजिक संगठन द्वारा की गई सर्वप्रथम पहल है। इसके अंतर्गत गत दिनों संसद के संविधान क्लब में आयोजित कार्यक्रम में फिरोजाबाद की बालिका अमरोही-मनीष राठी का 5 लाख रुपए की ''माहेश्वरी कन्या निधि'' भेंट कर सम्मान किया गया। इसके अंतर्गत बालिका को 5 लाख रुपये की मेच्युरिटी फिक्स डिपोजिट भेंट की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता माहेश्वरी इंटरनेशनल के सम्पादक तथा अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी फोरम के अध्यक्ष बसंत कुमार बांगड ने की। इस अभियान के प्रवर्त्तक महेश राठी तथा महासभा के पूर्व महामंत्री रामनिवास लखोटिया का भी स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मान किया गया। इस सम्मान निधि के प्रायोजक चंपादेवी एवं रामस्वरूप डांगरा का भी सार्वजनिक अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष चांदमल सारड़ा -मुंबई, ओमप्रकाश राठी- बीकानेर, ख्यात उद्योगपति प्रतिभा-श्याम जाजू, डॉ. एस.एन. चांडक, वरिष्ठ पत्रकार शेषनारायण सिंह, पत्रिका ''राजस्थान डायरी'' के सम्पादक महिपालसिंह आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे। श्री सिंह ने राजस्थान डायरी ''कन्या भ्रूण हत्या'' विशेषांक की प्रतियों का भी इस अवसर पर वितरण किया।

अमेरिका में मना अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

होस्टन (यू.एस.ए.)। माहेश्वरी महासभा नार्थ अमेरिका (एमएमएनए) साऊथ वेस्ट द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन कर भारतीय संस्कृति का परचम फहराया गया। संस्था अध्यक्ष व आयोजन के सहसंयोजक अरुण मूंदड़ा ने बताया कि इसके आयोजन में भगवान भुतड़ा, रेणु-सुरेश खटोड़, जुगल मालानी, हरिश जाजू, विवेक शारदा, रोनक माहेश्वरी व लक्ष्मीनारायण तोषणीवाल की प्रमुख भूमिका रही। इसमें बड़ी संख्या में माहेश्वरी समाजजनों के साथ विभिन्न जाति, धर्म, सम्प्रदाय के 2500 से भी अधिक लोग मौजूद थे। इसके प्रमुख आयोजक पी. हरीश ने बाद में इस सफल आयोजन के लिये एम.एम.एन.ए.-एसडब्ल्यू के पदाधिकारियों का अभिनंदन किया। इसकी प्रमुख आयोजन संस्था इंडियन कल्चरल सेक्टर थी, जिसके नेतृत्व में 30 संगठनों की सहभागिता रहीं। श्री मूंदड़ा ने एम.एम.एन.ए.-एसडब्ल्यू के कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 5 से 7 सितम्बर तक शिविर का आयोजन होगा जिसमें होस्टल, ऑस्टिल व डल्लास के समाजजन शामिल होंगे। इसके

पश्चात् 14 सितम्बर को जार्ज आर. ब्राउन सेंटर में जन्माष्टमी तथा 14 नवम्बर को दीपावली पर्व का आयोजन भी होगा।

जिला सभा की बैठक सम्पन्न

राजसमंद। जिला माहेश्वरी सभा की साधारण सभा की बैठक धनेरियागढ़स्थित माहेश्वरी पंचायत भवन में आयोजित की गई। इसमें पूरे जिले की प्रत्येक पंचायत के सदस्यों ने भाग लिया। आगामी वर्ष का अनुमानित बजट कोषाध्यक्ष सुभाष काबरा द्वारा प्रस्तुत किया गया। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अर्जुनलाल चेचाणी ने की। विशिष्ट अतिथि प्रदेश महामंत्री इंदरलाल छापरवाल थे। अध्यक्ष ने इस वर्ष में होने वाले आयोजनों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर जिले के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान प्रशंसा पत्र उपरणा व प्रोत्साहन राशि देकर किया गया।

बागड़ी बने प्रचार-प्रसार प्रमुख

नई दिल्ली। समाजसेवी शरद बागड़ी को 50 वर्षों से सेवारत संस्था भारत विकास परिषद् में राष्ट्रीय प्रसार-प्रचार प्रमुख नियुक्त किया गया है। इस संस्था की देशभर में 1500 से अधिक शाखाएं हैं। उल्लेखनीय है कि श्री बागड़ी केंद्रीय मानवाधिकार परिषद के ब्यूरो प्रमुख व राष्ट्रीय सलाहकार की जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं।

श्रीराम कथा हुई सम्पन्न

हैदराबाद। जो भक्त बिना किसी आधार के प्रभु में ध्यान नहीं लगा सकते, उनको भगवान का नाम और रूप मन में धारण कर लेना चाहिये। यदि एक बार मन में प्रभु की छबि बस जाये, तो वो कभी नहीं मिटती। उक्त उद्गार सोमाजीगुड़ा स्थित जया गार्डन में श्री बालाजी राजस्थानी मंडल, अमीरपेट महिला मंडल एवं श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ महोत्सव समिति द्वारा आयोजित श्रीरामकथा में निर्गुण और सगुण भक्ति के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए कथा वाचक डॉ. श्यामसुंदर पाराशर शास्त्री ने व्यक्त किये। महाराज ने आगे कहा कि जो विवाह मध्यस्थता द्वारा करवाये जाते हैं, वे सफल होते हैं। जैसे शिवजी के विवाह में ऋषि मुनियों ने मध्यस्थता की थी परंतु जो स्वयं के विवाह का प्रस्ताव स्वयं ही करते हैं जैसे नारदजी या सूर्पनखा आदि, तो उनका विवाह होता ही नहीं। कथा में मुख्य यजमान गोविंदलाल पुरुषोत्तमदास मानधना, पूजन यजमान नरेंद्र अग्रवाल, सत्यनारायण विनोद लोहिया, बालाप्रसाद लड्ढा, भगवानदास विनोद बंग, रामप्रसाद दामोदर झंवर, पुरुषोत्तमदास गणेश सोनी, संयोजक सुरेश नारायण कांकाणी, दिलीप जाजू, लक्ष्मी भक्कड़, तारा काकाणी, सह संयोजक सुरेशचंद्र भक्कड़, राम गोयल, उत्तमसिंह राजपुरोहित, अशोक सोमाणी, मंजू लाहोटी, सुरेखा पुगलिया, अध्यक्ष सुरेशनारायण काकाणी, मंत्री वासुदेव काबरा, अध्यक्ष रीता दमानी और मंत्री सरिता मूंदड़ा आदि ने सहयोग प्रदान किया।

पुणे में हुई ''शाइनिंग स्टार्ज'' के स्वागत की तैयार

▸▸11 से 13 सितम्बर तक होगा युथ फेस्टीवल का आयोजन
▸▸अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन ने की तैयारी

पुणे। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा आगामी 11-12-13 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय यूथ फेस्टीवल ''शाइनिंग स्टार्ज'' का भव्य आयोजन पुणे महाराष्ट्र में किया जा रहा है। यह कार्यक्रम महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी युवा संगठन एवं पुणे जिला माहेश्वरी युवा संगठन के आतिथ्य में होगा। इसमें देश-विदेश से करीब 325 प्रतियोगियों समेत 325 लोगों के आने की उम्मीद है।

शाइनिंग स्टार्ज के प्रथम चरण के तौर पर हर शहर-जिले से प्रतियोगी विजयी होकर दूसरे चरण में प्रदेश स्तर पर पहुंच चुके हैं। अब सभी प्रदेश के विजय हुए प्रतियोगियों का फाइनल पुणे में होना है। इस कार्यक्रम के प्रति जहाँ पूरे भारत व नेपाल में जबरदस्त उत्साह है, वहीं आयोजक शहर पुणे में भी आयोजन को लेकर जोरदार उत्साह है। पुणे के समाज बंधुओं की देख-रेख में युवा टीम पूरे जोश के साथ कार्यक्रम को सफल करने के लिए जुटी हुई है। राष्ट्रीय स्तर पर पहली बार समाज का इतना वृहद आयोजन पुणे में होने जा रहा है। इसकी तैयारियों को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भूतड़ा, महामंत्री राजकुमार काल्या व संगठन मंत्री विवेक मोहता के साथ पुणे शहर पहुंचे। पुणे में सभी आयोजन स्थल जैसे भवन व होटल में आवास व्यवस्था, कार्यक्रम के लिए स्टूडियो, ऑडीटोरीयम वगैरह सभी व्यवस्थाओं को बारीकी से देखा। बाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। स्थानीय साथियों के साथ हर छोटी से छोटी व्यवस्था पर बहुत बारीकी से चर्चा हुई।

ये रहेंगे आयोजन के अतिथि

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री भूतड़ा ने बताया कि 11 सितम्बर को उद्घाटन समारोह में महासभा के महामंत्री रामकुमार भूतड़ा व दक्षिणांचल के उपसभापति रामनिवास जैथलिया के साथ युवा संगठन के सभी भूतपूर्व अध्यक्ष भी एक साथ एक मंच पर उपस्थित रहेंगे। 13 सितम्बर को समापन समारोह व ''शाइनिंग स्टार्ज'' का ग्रांड फिनाले होगा। इसमें भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू दिल्ली, राजस्थान की जलमंत्री किरण माहेश्वरी, माहेश्वरी बोर्ड चैयरमेन रामअवतार जाजू इंदौर व डिसर्व ग्रुप के एम.डी. मनीष सारड़ा मुंबई उपस्थित होंगे। इसके अलावा महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री विद्यासागर राव की भी उपस्थित होने की उम्मीद है।

ये देंगे अपना सहयोग

कार्यक्रम के स्वागत अध्यक्ष पुणे के प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी धनराज राठी रहेंगे। कार्यक्रम की रूपरेखा व देखरेख समाजसेवी हीरालाल मालू के निर्देशन में हो रही है। सांस्कृति मंत्री संदीप करनानी, राष्ट्रीय संयोजक राहुल भूतड़ा-पुणे, प्रदेश अध्यक्ष सचिव चांडक, मंत्री राहुल बाहेती, स्थानीय अध्यक्ष ब्रह्मानंद लाहोटी कासट, जयेश कासट, शैलेश मालू आदि सभी युवा साथी इसमें तन-मन से अपना सहयोग देंगे।

क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा की बैठक सम्पन्न

ब्यावर। क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा की बैठक नंदकिशोर जैथल्या की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इसमें महासभा राजस्थान मध्यप्रांत व अजमेर जिला के लिए ब्यावर क्षेत्र से प्रतिनिधियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। सभा मंत्री डॉ. एल.एन. बल्दवा के अनुसार महासभा में भागीरथ हेड़ा एवं रमेशचंद्र भराड़िया एवं राजस्थान मध्यप्रांत के लिये ज्ञानप्रकाश जैथल्या, सुनील जैथल्या, जयप्रकाश बजाज, स्वरूपनारायण झंवर, हरिकृष्ण बल्दुआ, जुगलकिशोर मणिहार एवं श्याम जागेटिया एवं अजमेर जिले के लिये गुमानमल झंवर, हरीश मुन्दड़ा, मुकेश बंग, के.एल. मणिहार एवं ओमप्रकाश खटोड़ का चयन किया गया।

भागवत कथा का आयोजन

आगूचा। स्थानीय माहेश्वरी समाज एवं ग्रामवासियों की ओर से भागवत कथा का आयोजन 21 से 28 जुलाई तक हुआ। समाज अध्यक्ष कन्हैयालाल सोनी ने बताया कि वृंदावन से आए संत पुष्पमुरारी बापू द्वारा भागवतकथा का रसपान कराया गया।

तुरक्या बने जांच अधिकारी

मांडलगढ़ (भीलवाड़ा)। समाजसेवी कैलाशचंद्र तुरक्या को टाइगर फोर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष आर.एल. मीणा ने भीलवाड़ा जिले का सूचना एवं जांच अधिकारी नियुक्त किया है। यह संस्था भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्य करती है।

समाज के चुनाव सम्पन्न

प्रदीप राठी

घनश्याम राठी

नागदा। स्थानीय माहेश्वरी समाज के विगत दिनों माहेश्वरी भवन पर चुनाव सम्पन्न हुए। इसमें अध्यक्ष प्रदीप राठी, सचिव घनश्याम राठी व कोषाध्यक्ष गिरीराज मालपानी को निर्विरोध चुना गया। पूर्व अध्यक्ष गोपाल मोहता, बंशीलाल राठी, बंशीलाल मालपानी सहित समस्त समाजजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

"दिल को खूबसूरत बनाने के लिए उतनी ही कोशिश करो, जितनी मेहनत चेहरा सवारने या निखारने में करते हो।"

राजस्थान व गुजरात में जमकर चली चेतना लहर

9 स्थानों पर हुआ टॉक शोक का आयोजन-चर्चा में ही तलाशे समस्याओं के समाधान

महासभा के अंतर्गत पारिवारिक समरसता हेतु कार्यरत चेतना लहर समिति के राष्ट्रीय संयोजक अशोक बंग एवं राष्ट्रीय सहसंयोजिका बिमलादेवी साबू द्वारा गत दिनों राजस्थान एवं गुजरात में 9 जगह टॉक शोक आयोजित किए गये।

भ्रमण कार्यक्रम समिति के पश्चिमांचल संयोजक राधेश्याम सोमाणी द्वारा इसका कार्यक्रम निर्धारित किया गया। इसके अंतर्गत 1 अगस्त को **जोधपुर** में चर्चा सत्र हुआ। जिसमें चंद्रा बूब भी संचालन में शामिल थीं। प्रदेशाध्यक्ष जे.एम. बूब, मंत्री सीताराम राठी, महासभा संगठन मंत्री संदीप काबरा, अर्थमंत्री रमेश बंग (हैदराबाद), प्रह्लाद मंत्री, दामोदरलाल बंग, रतनलाल डागा, हरिप्रसाद राठी, मुरलीधर सोनी सहित 150 समाजजन उपस्थित थे। 2 अगस्त को **भीलवाड़ा** में पश्चिमांचल उपसभापति रतनलाल नौलखा की अध्यक्षता में आयोजित पश्चिमांचल अधिवेशन को अशोक बंग तथा विमलादेवी साबू ने भी संबोधित किया। निवर्तमान सभापति रामलाल सोनी एवं महामंत्री रामकुमार भूतड़ा ने भी मार्गदर्शन किया। रात्रि में आयोजित टॉक शोक में कैलाश कोठारी, देवकरण गग्गड़, श्रीनिवास मोदाणी, नंदकिशोर झंवर, राजेश तोष्णीवाल, बाबूलाल जाजू सहित 250 समाजजन उपस्थित रहे। 3 अगस्त को भीलवाड़ा जिला अध्यक्ष जगदीश सोमाणी के सान्निध्य में **काछोला ग्राम** में चर्चा सत्र आयोजित हुआ। ओमप्रकाश मूंदड़ा व गीता माहेश्वरी आदि ने भी इसे सराहा। रात्रि में आयोजित **शहापुरा** में गोपालकृष्ण मूंदड़ा की अध्यक्षता में चर्चा सत्र सम्पन्न हुआ। 4 अगस्त को राधेश्याम सोमाणी के साथ **उदयपुर** में टॉक शो सम्पन्न हुआ। महामंत्री रामकुमार भुतड़ा ने चर्चासत्र की समीक्षा की। अध्यक्ष मोहनलाल देवपुरा, इंदरमल छापरवाल, जानकीलाल मूंदड़ा, राधकिशन गट्टाणी, सहित 250 समाजजन उपस्थित थे। 5 अगस्त को **जयपुर** में दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक चर्चासत्र सम्पन्न हुआ। प्रदेशाध्यक्ष राधेश्याम परवाल, महिला अध्यक्ष उमा परवाल, महासभा संगठन मंत्री जुगल सोमाणी, सविता पटवारी, ज्योति तोतला, नीलम मारु, प्रदीप बाहेती सहित 300 समाजजनों ने चर्चा में हिस्सा लिया। 6 अगस्त को **बूंदी** में अध्यक्ष घनश्याम लाठी, जगदीश जेथलिया, राजेंद्र बाहेती, रेवती रमण बिडला, विजेंद्र जाजू समेत 200 समाजजनों की उपस्थिति रही। 7 अगस्त को **कोटा** में एम.पी.एस. स्कूल के प्रांगण में पौधारोपण तथा इसके बाद टॉक शो हुआ। प्रमुख अतिथि आयकर आयुक्त प्रेमप्रकाश थे। अध्यक्ष राजेशकृष्ण बिरला, श्रीकृष्णदास बिरला, महिला राष्ट्रीय उपाध्यक्षा आशा माहेश्वरी, विशाल माहेश्वरी, विट्ठलदास मुंदड़ा, नारायणलाल कालाणी, सुरेश सोमाणी, मधु बाहेती, पुष्पा सोमाणी सहित 350 से अधिक समाजजनों की उपस्थिति रही। भ्रमण का समापन 9 अगस्त को **सूरत** में मुस्कान महिला मंडल द्वारा आयोजित टॉक शो से हुआ। प्रमुख अतिथि शंकरलाल सोमाणी तथा गुजरात महिला प्रांतीय अध्यक्षा उर्मिला कलंत्री थी। महासभा उपसभापति रामगोपाल मुंदड़ा, रामअवतार साबू, माणक राठी, मुरली सोमाणी, सत्यनारायण दरगड़, मंडल अध्यक्ष सरला मालू, मंत्री वंदना भंडारी समेत 125 समाजजनों ने चर्चा में हिस्सा लिया।

ये थे चर्चा के प्रमुख मुद्दे

बढ़ते विवाह विच्छेद, पारिवारिक समय-संवाद-संस्कार, माँ का बेटी के परिवार में अनुचित हस्तक्षेप, लड़के-लड़कियों के चयन में महत्वपूर्ण बातें, पति-पत्नी के रिश्ते की मधुरता, बहु को परिवार में उचित स्थान, रिश्तों में संपूर्ण स्वीकार, कॅरियर तथा परिवार में संतुलन, पीढ़ियों का अंतराल तथा बुजुर्गों का सम्मान।

कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

उदयपुर। दक्षिण राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा द्वारा गत 25-26 जुलाई को माहेश्वरी सेवा सदन, नाथद्वारा में अध्यक्ष राधेश्याम सोमानी की अध्यक्षता में कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 80 सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन राष्ट्रीय महामंत्री रामकुमार भूतड़ा के मुख्य आतिथ्य में हुआ। उक्त जानकारी प्रशिक्षण में शामिल वरिष्ठ समाजसेवी मुरलीधर गट्टानी ने दी।

उड़ीसा माहेश्वरी समाज ने की श्रद्धालुओं की सेवा

बारिपदा। उड़ीसा के द्वितीय श्री क्षेत्र के रूप जाने जाने वाले बारिपदा के विश्व प्रसिद्ध भगवान श्रीजगन्नाथजी मंदिर की रथयात्रा के अवसर पर स्थानीय माहेश्वरी समाज ने यात्रा में शामिल भक्तों को नींबू शरबत वितरित किया। इस में माणकलाल भट्टड़, कमल करनाणी, कुमार लढ़ा, गौरीशंकर करनाणी, रामेश्वरलाल करनाणी, मनोजकुमार भट्टड़, श्यामसुंदर तापड़िया, श्यामसुंदर भट्टड़ सहित समस्त सदस्यों का सहयोग रहा।

जाजू ने किया स्वच्छता के लिए जनजागरण

उज्जैन। श्री माहेश्वरी मारवाड़ी महिला मंडल द्वारा वरिष्ठ सदस्या कृष्णा जाजू का उनकी सेवाओं के लिये सम्मान किया गया। श्रीमती जाजू की प्रेरणा से पूरे समाज को स्वच्छ भारत अभियान का संदेश मिला है। श्रीमती जाजू ने महेश जयंती चल समारोह में पूरे जुलूस में स्वागत पश्चात सड़क पर फेंके गए डिस्पोजल को एक डस्टबीन में इकट्ठा कर स्वच्छता की मिसाल पेश की थी। उक्त जानकारी देते हुए प्रचार मंत्री पुष्पा भल्लिका, अध्यक्ष शारदा भंडारी व सचिव रेखा लड्ढा ने बताया कि इस अवसर पर बड़ी संख्या में सदस्याएं उपस्थित थी।

पंच कुंडात्मक महायज्ञ का हुआ आयोजन

हैदराबाद। माहेश्वरी मित्र मंडल, बेला, गौलीपुरा की ओर से श्री सिद्धि विनायक गणेश मंदिर में पंचकुडात्मक विष्णु पंचायतन महायज्ञ आयोजित हुआ। यज्ञ के समापन पर बड़ी संख्या में भक्तों ने उपस्थित होकर पुण्य एवं प्रसाद का लाभ लिया। आचार्य नागोराव कुलकर्णी ने बताया कि पुरुषोत्तम मास में भगवान विष्णु की पूजा का विशेष महत्व होता है। यज्ञ की पूर्णाहुति के पश्चात विशाल शोभायात्रा निकाली गयी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में माहेश्वरी मित्र मंडल के सदस्यों सहित महिला मंडल ने भी विशेष सहयोग प्रदान किया। भंडारे के आयोजन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

जिला महिला संगठन की सभा सम्पन्न

यवतमाल। जिला माहेश्वरी महिला संगठन की त्रैमासिक सभा का आयोजन आर्णि में विनोद माहेश्वरी के फार्म हाउस पर किया गया। अध्यक्षता जिला माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष मंगल करवा दिग्रस ने की। सभा पुसद की नीना भंडारी ने व्यक्तित्व विकास पर मार्गदर्शन दिया। बेस्ट तालूका सचिव, महेश नवमी रिपोर्टिंग, गणगौर पर चित्र बनाओ एवं नेत्रदान पर आधारित रांगोली आदि का पुरस्कार किरण तापड़िया को मिला। मेधावी छात्र-छात्राओं को संजय जाजू को स्मृति चिह्न व सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। तालूका अध्यक्ष राजश्री राठी ने भी अपने मनोगत व्यक्त किए। कवठा बाजार की समाज की महिला किसान ललिता काकाणी एवं बीजेपी तालूका अध्यक्ष सुनीता चांडक को भी सम्मानित किया गया। संचालन किरण तापड़िया ने किया। आभार संध्या अटल ने माना।

महिला संगठन की बैठक सम्पन्न

इंदौर। गत दिनों पश्चिमी माहेश्वरी महिला संगठन की चतुर्थ कार्यकारी मंडल की बैठक, नीमच माहेश्वरी भवन में पं.मा.म. सभा के साथ संयुक्त रूप से आयोजित की गई। इस अवसर पर पश्चिम सम्मेलन से जुड़े हुए सभी कार्यकर्ताओं का स्वागत सम्मान किया गया। सचिव अरुणा बाहेती ने अपनी रिपोर्ट पेश की। अध्यक्ष निर्मला बाहेती ने बताया कि आगामी 9-10 व 11 जनवरी को इंदौर में राष्ट्रीय महाअधिवेशन आयोजित होगा। रमा सारड़ा व उर्मिला झंवर के नेतृत्व में काव्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें लेखन में प्रथम रश्मि लोधिया तराना, द्वितीय विजया काबरा मंदसौर व तृतीय मीरा नागौरी कांटाकोड़ तथा पठन में प्रथम रश्मि लोहिया तराना, द्वितीय किरण लखोटिया इंदौर व तृतीय रत्ना जाखेटिया बेटमा चुनी गई।

> किसी भी मोड़ पर अगर हम बुरे लगें
> तो जमाने को बताने से पहले
> एक बार हमें जरूर बता देना।

महिला कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

जयपुर। पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन एवं जयपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय चैम्बर भवन में महिला कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। इसमें प्रेमलता बल्दवा (राजसमंद), प्रो. रमेश अरोड़ा, दीपसिंह, सोनिया परवाल, प्रादेशिक सभा के अध्यक्ष राधेश्याम परवाल आदि ने कार्यकर्ताओं को विभिन्न विषयों पर संबोधित किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुमित्रा काबरा, विशिष्ट अतिथि तारा मान्धना एवं स्वागताध्यक्ष रेणु साबू थीं। प्रादेशिक अध्यक्ष पदमा जाजू ने अतिथियों का स्वागत किया। जिला महिला संगठन अध्यक्ष उमा परवाल ने संगठन की गतिविधियों की जानकारी दी। जिला मंत्री ज्योति तोतला ने आभार व्यक्त किया। शिविर में करीब 140 महिलाओं ने भाग लिया। सभी सहभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये। कार्यक्रम का संचालन सविता राठी ने किया।

पश्चिमांचल महासभा की बैठक सम्पन्न

भीलवाड़ा। अ.भा. माहेश्वरी महासभा पश्चिमांचल की बैठक मुख्य अतिथि रामपाल सोनी निवर्तमान सभापति की उपस्थिति व रतनलाल नौलखा उपसभापति अ.भा. माहे. महा. पश्चिमांचल की अध्यक्षता एवं रामकुमार भूतड़ा महामंत्री, अ.भा. माहे. महासभा के सान्निध्य में सम्पन्न हुई। राधेश्याम सोमानी अध्यक्ष दक्षिण राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा ने स्वागत उद्‌बोधन दिया। इस अवसर पर भीलवाड़ा सांसद सुभाष बहेड़िया एवं नगर परिषद के चेयरमेन अनिल बल्दवा का दक्षिण राजस्थान प्रादेशिक सभा द्वारा शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। साथ ही चेतना लहर कार्यक्रम के राष्ट्रीय संयोजक अशोक बंग एवं सहसंयोजक विमला साबू का भी मोमेन्टो प्रदान कर स्वागत किया गया। अशोक बंग ने "रिश्तों में दरार क्यों" विषय पर विस्तृत उद्‌बोधन दिया। साथ ही विमला साबू ने "अपने को संवारे" विषय पर प्रकाश डालते हुए आज के समय में विवाह विच्छेद के कारण और निवारण पर विस्तृत प्रकाश डाला।

श्रावण के भजन का हुआ आयोजन

हैदराबाद। श्रावण मास के पावन अवसर पर सखी सहेली मंडल द्वारा पांच दिवसीय भजन कार्यक्रम का आयोजन कोठी स्थित श्रीलक्ष्मी नृसिंह मंदिर में किया गया। कार्यक्रम 4 से 8 अगस्त दोपहर 1 से 4 बजे तक आयोजित हुआ। इसमें नगर के वैष्णव सत्संग मंडल, सनातन धर्म सभा मंडल, राजस्थानी महिला मंडल चेलापुरा आदि कई भजन मंडलियों एवं भक्तजनों ने भाग लिया।

हरियाली महोत्सव सम्पन्न

सागर। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा हरियाली महोत्सव का आयोजन श्री भूतेश्वर मंदिर में 15 अगस्त को किया गया। इसमें हरियाली एवं स्वतंत्रता दिवस से संबंधित हाऊजी तथा गेम आयोजित हुए। समाज की सभी महिलाओं ने भाग लिया। इस दौरान नाश्ते का भी आयोजन हुआ। सचिव मनोरमा लखोटिया ने बताया कि महिला मंडल एवं सभी के सहयोग से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

> आत्मविश्वास हमेशा सही होने से नहीं आता, बल्कि गलत होने का डर न होने से आता है।

हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएँ

हमारे प्रिय लाड़ले सुपुत्र

सौरभ अजमेरा

(कार्यकारिणी सदस्य, राज. प्रादेशिक युवा माहेश्वरी सभा)

सुपुत्र : स्व. श्रीमती प्रेमदेवी-स्व. श्री रामनिवासजी अजमेरा (मानजी पूर्व सरपंच)

सुपुत्र : श्रीमती पुष्पादेवी-श्री महावीरप्रसाद अजमेरा

(अध्यक्ष हुरड़ा तहसील माहेश्वरी सभा एवं पूर्व सरपंच भोजरास-094130-53860)

के सीए बनने पर **हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना**

शुभेच्छु- अशोक (अध्यक्ष भाजयुमो)-रेखा (जिला मंत्री भाजपा), जगदीश-कृष्णा (चाचा-चाची), राजू-रजनीश बिड़ला (भुआ-फूफाजी), सीए दीपक-सीए सोनिया (भैया-भाभी), प्रतिभा (पीओ एसबीबीजे)-सीए अंकुरजी चौखड़ा (दीदी-जीयाजी), शुभम, सुरभि, नितेश, शिवम् व **समस्त अजमेरा परिवार भोजरास, गुलाबपुरा.**

*ननिहाल पक्ष-*श्री मोतीलाल-प्रेमदेवी कोगटा (नाना-नानी), महेश, अखिलेश कोगटा (रायला वाले), स्नेहलता-राजेश गगराणी (शाहपुरा), सुलोचना-पवन सोमाणी-माण्डल (मौसी-मौसाजी)

प्रतिष्ठान

अजमेर एंड अजमेरा चार्टर्ड एकाउंटेंट (मुम्बई-दिल्ली) ▸▸ साँवरिया ट्रेडर्स, भोजरास, गुलाबपुरा ▸▸ विजवथ इंटरनेशपल प्रा.लि. दिल्ली

गग्गड़ बने लायन्स केबिनेट सेक्रेटरी

जयपुर। अन्तर्राष्ट्रीय सेवा संस्था लायन्स इंटरनेशनल प्रांत 323 ई-1 के प्रशासनिक मंडल में समाजसेवी ओमपकाश गग्गड़ दूसरी बार केबिनेट सेक्रेटरी चुने गये। यह प्रांत का सर्वोच्च पद है। 65 वर्ष की आयु में दोबारा इस बाद पर नियुक्त होने वाले श्री गग्गड़ पहले समाजसेवी हैं। उल्लेखनीय है कि श्री गग्गड़ ने विद्यालयीन व कॉलेज शिक्षा के दौरान ही राजनीति में सक्रिय पद से योगदान देना प्रारम्भ कर दिया था। वर्तमान में भी कई समकालीन राजनेताओं से उनके घनिष्ठ सम्बंध है। धर्मपत्नी सरला व पुत्र अंकित भी लायन्स से सम्बंध होकर उनके पदचिह्नों पर चलते हुए मानवता की सेवा कर रहे हैं। श्री गग्गड़ की नियुक्ति पर जयपुर माहेश्वरी समाज के पूर्व अध्यक्ष बजरंग जाखोटिया, बाबूलाल तोतला, डिप्टी कमिश्नर विमल पटावरी, बालकिशन सोमानी, राजस्थान शासन के मंत्री राजेंद्र राठौर, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व केंद्रीय मंत्री सचिन पायलेट सहित कई गणमान्यजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

आप भी कमा सकते है प्रतिमाह 10000/- रु. से अधिक

आवश्यकता है
ऊर्जावान प्रतिनिधियों की

देश की सर्वाधिक लोकप्रिय
माहेश्वरी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स
एवं
श्री माहेश्वरी मेलापक
(वैवाहिक डायरेक्ट्री)

को सम्पूर्ण राजस्थान, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल में जिला एवं तहसील स्तर पर ऊर्जावान एवं कर्मठ प्रतिनिधियों की आवश्यकता है आत्म विश्वास से भरपूर पर्याप्त शैक्षणिक योग्यता वाले उम्मीदवार को आकर्षक वेतन/कमीशन देय होगा। महिलाओं को प्राथमिकता।
विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें।

90, विद्यानगर, सांवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)-456010
फोन - 0734 2526561, 2526761, मो. 094250 91161
E-mail : smt4news@gmail.com, srimaheshwarimelapak@gmail.com

पवन भूतड़ा को सी.एम.ए. अवार्ड

जोधपुर। जुलाई 2012 से अहमदाबाद में सार्वजनिक क्षेत्र की ख्याति प्राप्त कम्पनी गुजरात मिनरल्स डवलपमेंट कॉरपोरेशन में जनरल मैनेजर (वित्त) पद पर कार्यरत पवन भूतड़ा गत 3 वर्षों से कम्पनी के वार्षिक औसत 100 करोड़ रुपये बचा रहे हैं। इस उपलब्धि पर नई दिल्ली में आयोजित एक विशिष्ट समारोह में प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रभारी केन्द्रीय राज्य मंत्री (ऊर्जा) डॉ. जितेन्द्र सिंह ने गत जुलाई 2015 को सीएमऐ अवार्ड 2014 व सीएमए यंग अचीवर अवार्ड 2014 से सम्मानित किया। इस अवार्ड के लिए दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधी एस.एन.धींगरा के नेतृत्व वाली ज्यूरी ने श्री भूतड़ा का विधिवत चयन किया था। श्री भूतड़ा वर्ष 2004 से आर्थिक क्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय सेवा दे रहे हैं।

सावन सेल का आयोजन

वरंगल। स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा हैदराबाद के निकट केसरगुट्टा (घटकेसरद्ध) में सावन की सेल का आयोजन किया गया। इस सेल में समाज के 350 से भी ज्यादा सदस्यों ने भाग लिया। यहाँ भगवान शिव की पूजा अर्चना, अल्पाहार के बाद सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ व संगीत का आयोजन किया गया। मध्यान्ह प्रसाद के बाद खेलकूद प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयी। प्रतियोगिताओं का आयोजन एवं संचालन समाज के सांस्कृतिक मंत्री नवलकिशोर मूंदड़ा, सह.सांस्कृतिक मंत्री दामोदर लाहोटी एवं समाज के सह.मंत्री डॉ. विष्णु कुमार बल्दवा ने किया। आंध्रप्रादेशिक माहेश्वरी सभा के महामंत्री हरिप्रसाद चांडक एवं आंध्रप्रादेशिक माहेश्वरी सभा के संगठन मंत्री नरसिंग दास लोया अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन स्वरुचि महाप्रसाद के साथ हुआ। इस सावन की सेल में आंध्रप्रादेशिक माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष रमेशचंद बंग, वरंगलजिला माहेश्वरी सभा के मंत्री ब्रिजगोपाललाहोटी, माहेश्वरी समाज वरंगल के अध्यक्ष प्रहलाद सोनी एवं समाज की कार्यकारिणी के सभी सदस्य तथा समाज के कई वरिष्ठजनों ने भाग लिया। समाज के उपाध्यक्ष श्याम सुंदर जाखोटिया, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र मूंदड़ा एवं सभी कार्यकर्ताओं का सहयोग सराहनीय रहा।

अक्टूबर में परिचय सम्मेलन

इन्दौर। संस्था जय महेश माहेश्वरी सेवा संस्थान द्वारा आगामी 2 से 4 अक्टूबर तक त्रिदिवसीय विवाह योग्य युवक-युवती व विशिष्ट प्रत्याशी परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाऐगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार इसका आयोजन दस्तूर गार्डन, फूटी कोठी रोड़ इन्दौर पर होगा। विशिष्ट प्रत्याशियों में विधवा, विधुर, तलाकशुदा, विकलांग, परित्यक्त, सूरतमुखी व नेत्रहीन आदि प्रत्याशी शामिल रहेंगे। इसके लिये बायोडाटा व शुल्क 500 रूपये के साथ आगामी 12 सितम्बर तक पंजीयन करवाया जा सकता है।

डायलिसिस सेवा में दिया योगदान

बैंगलूरु। स्थानीय माहेश्वरी सभा द्वारा मानव सेवा में लगी संस्था कर्नाटक मारवाडी युथ फेडरेशन को डायलिसिस सेवा हेतु 365 डायलिसिस के लिये योगदान दिया। इसके प्रायोजक सावित्री देवी नंदकिशोर मालू परिवार है। इस अवसर पर फेडरेशन के डायलिसिस प्रोजेक्ट के चेयरमैन कुशल परिगल एवं सचिव प्रशांत सिंघी को माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष राजगोपाल भूतड़ा एवं प्रायोजक नंदकिशोर मालू द्वारा 1 लाख 82 हजार 500 रुपए का चेक प्रदान किया। प्रोजेक्ट चेयरमैन श्री पिरगल ने माहेश्वरी सभा का धन्यवाद देते हुए कहा कि मानव

> जब कुछ सैकंड की मुस्कुराहट अच्छी आ सकती है,
> तो हमेशा मुस्कुराकर जीने से जिंदगी अच्छी क्यों नहीं हो सकती।

विद्यार्थियों को स्टेशनरी वितरण

अमरावती। स्थानीक कृष्णार्पण सेवा परिवार व हिराका सेवा हीरालाल रामजीवनी बाई कासट के संयुक्त तत्वावधान में पुरूषोत्तममास सेवा अंतर्गत सामूहिक आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत घनश्यामदास कासट परिवार की पहल से समाज के गणमान्यजनों के समूह द्वारा हरिद्वार, द्वारिका, ऋषिकेश, वृंदावन, रामेश्वरम्, रमण रेत आदि जगह ब्राह्मणों को भोजन, गौ सेवा व अन्न क्षेत्र में अन्नदान कराने की व्यवस्था की गयी। वृद्धाश्रमों में भी सहायता भेजी गयी। अपंग सहायता के अंतर्गत स्थानीय श्री बुलिदान राठी मुकबधीर विद्यालय के 75 छात्रों को आयोजन स्थल पर स्कूल बैग, गणवेश, नोटबुक्स आदि सामग्री भेंटकर नाश्ता कराया गया। इसके साथ उन बच्चों के हाथों से होम-हवन आदि कार्यक्रम भी करवाये गये। घनश्याम सारड़ा, डॉ. सत्यनारायण कासट, रामकिशन कासट, ग्वालदास डागा, बंकटलाल राठी, घनश्यामदास कासट, रमेशचन्द्र दम्माणी, पुष्पादेवी कासट, केसरीमल झंवर आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

आंध्र प्रादेशिक सभा की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के अर्थमंत्री रमेशकुमार बंग के मुख्य आतिथ्य में आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के कार्यसमिति एवं कार्यकारिणी मंडल के सदस्यों की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता सभा के रामपाल अट्टल ने की। बैठक का संचालन करते हुए प्रादेशिक सभा मंत्री हरिप्रसाद चांडक ने महासभा एवं प्रादेशिक सभा की गतिविधियों एवं कार्यक्रमों के बारे में सदस्यों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रादेशिक सभा की प्रेरणा से गठित आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा ट्रस्ट द्वारा इस शैक्षणिक वर्ष में नर्सरी से लेकर इंटर तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। कॉलेज में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को ट्रस्ट के चेयरमैन राजगोपाल परताणी द्वारा गठित चेरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से छात्रवृत्ति प्रदान की गई। वरंगल माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष प्रह्लाद सोनी ने बताया कि स्थानीय स्तर पर शैक्षणिक छात्रवृत्ति एवं आर्थिक स्वावलम्बन के लिये जरुरतमंद छोटे व्यवसायी को ऋण उपलब्ध कराने के लिये कोष का गठन किया है। आदिलाबाद सभा अध्यक्ष मूलचंद चितलांगे ने दिखावे पर नियंत्रण की आवश्यकता जताई। बैठक में महासभा कार्यसमिति सदस्य चैनसुख काबरा, महासभा कार्यकारी मंडल के सदस्य, प्रादेशिक सभा के उपाध्यक्ष गोविंद राठी, संयुक्त मंत्री रामचंद्र चांडक, दक्षिण तेलंगाना के उपाध्यक्ष रमेशचंद्र बंग, उत्तर तेलंगाना के उपाध्यक्ष किशनप्रसाद झंवर, संयुक्त मंत्री श्यामसुंदर लोया सहित सभी जिलों के अध्यक्ष व मंत्री आदि कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

कार्यकारिणी का गठन

सत्यनारायण एस. ईनानी

बद्रीलाल डाड

गणेशलाल लड्ढा

बड़ौदा। माहेश्वरी समाज चौखड़ी बड़ौदा की नवगठित कार्यकारिणी का गठन दो साल के लिए किया गया। इसमें अध्यक्ष सत्यनारायण एस. ईनानी, उपाध्यक्ष गणेशलाल लड्ढा, मंत्री बद्रीलाल डाड, उपमंत्री शांतिलाल झंवर, कोषाध्यक्ष बसंतीलाल डाड, उपकोषाध्यक्ष कृष्ण गोपाल डाड, सांस्कृतिक भगवतीलाल काबरा, प्रवास दिनेशचंद्र डाड, सलाहकार प्रहलादराय डाड तथा 9 सदस्य भी चुने गए।

श्रावण मास में रामायण पारायण

वरंगल। स्थानीय वरंगल राजस्थानी महिला मंडल की ओर से श्रावण मास के अवसर पर 3 से 11 अगस्त तक प्रति दिन दोपहर 2.00 से सांय 5.00 बजे तक प्रगतिशील मारवाड़ी समाज के भवन में श्री वाल्मीकि रामायण के नव पारायण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत नित्य छोटे बच्चों के द्वारा सुन्दर झांकियाँ प्रस्तुत की गईं। इसमें विशेष श्री राम जन्मोत्सव, श्री सीता राम विवाह, अशोक वाटिका एवं श्री रामदरबार की मुख्य झांकियां थीं। इस कार्यक्रम में समाज की महिलाओं ने अधिक-से-अधिक संख्या में भाग लेकर तन-मन-धन से सहयोग दिया। उक्त जानकारी महिला मंडल की अध्यक्षा चंदा सोनी ने दी।

पुण्य स्मृति में पौधा रोपण

नागपुर। स्थानीय वाल्मिकी गर्ल्स हाईस्कूल शिवाजी नगर में रोटरी क्लब नागपुर ईलिट द्वारा स्व. श्री गोपीदास बागड़ी की स्मृति में पौधारोपण किया गया। इसका आयोजन स्व. श्री बागड़ी के सुपुत्र रोटरी के वाईस प्रेसीडेंट गोपीदास बागड़ी के सौजन्य से किया गया। इस अवसर पर ख्यात समाजसेवी शरद बागड़ी विशेष रूप से उपस्थित थे।

> "भरोसा खुद पर रखो तो ताकत बन जाती है,
> और दूसरों पर रखो तो कमजोरी बन जाती है।"

पिकनिक के साथ देवदर्शन

बेंगलुरु। स्थानीय माहेश्वरी सभा द्वारा दोडबालापुर स्थित ग्रीन वैली रिसोर्ट में रिमझिम फुहारों के सुहावने मौसम में पिकनिक एवं घाटी सुब्रमण्यम् स्वामी देवदर्शन का आयोजन किया गया। इसमें 215 सदस्यों ने भाग लिया। दिनभर माहेश्वरी युवा संघ द्वारा अनेक मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किये गये। उक्त जानकारी सचिव निर्मल कुमार तापड़िया ने दी।

पुरुषोत्तम मास में श्रीमद्भागवत कथा

यवतमाल। स्थानीय महेश भवन में यवतमाल माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा पुरूषोत्तम मास के अन्तर्गत 7 दिवसीय भागवत कथा का आयोजन किया गया। कथावाचक शुकताल के सीताराम शास्त्री थे। कथा के आरंभ में भव्य शोभा यात्रा निकाली, जिसमें महिलाऐं केशरिया साड़ी और पुरूष श्वेतवेश में सम्मिलित थे। अंतिम दिवस को कार्यकारिणी की सदस्याओं का स्मृति चिन्ह देकर शास्त्रीजी द्वारा सत्कार किया गया। कथा समाप्ति पर माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा महाप्रसादी का आयोजन किया गया। राजकुमार राठी भागवत कथा के मुख्य यजमान तथा गणेश पनपालिया नंदोत्सव के यजमान थे। अध्यक्ष सरोज खडलोया, सचिव मंगल भंडारी, कोषाध्यक्ष नीता मानधना, प्रकल्प प्रमुख शांता कोठारी, लीला मालपानी प्रेमलता माहेश्वरी, निर्मला बागड़ी, पुष्पा मूंधड़ा, निलिमा मंत्री, अल्का मूंधड़ा सहित समस्त सदस्याओं का योगदान रहा।

गृहमंत्री का किया स्वागत

ओसियन। राजस्थान शासन के गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया का ओसियन भाजपा मंडल के प्रवक्ता व माहेश्वरी समाज के उपाध्यक्ष सुनील लाहोटी द्वारा स्वागत किया गया। इसी प्रकार राजस्व मंत्री अमरारामजी और विधायक भारारामजी के साथ श्री लाहोटी ने प्राचीन शिव मंदिर में अभिषेक भी किया।

झंवर बनीं कोऑर्डिनेटर

इंदौर। उज्जैन के वरिष्ठ समाजसेवी व श्री माहेश्वरी टाईम्स प्रतिनिधि रामनिवास झंवर की पुत्र वधू वर्षा-वीरेंद्र कुमार झंवर को कसेरा बाजार विद्या निकेतन इंदौर द्वारा स्कूल कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया है। अब श्रीमती झंवर स्कूल की समस्त प्रशासनिक जिम्मेदारियाँ निभाएंगी।

महिला संगठन ने किया जिलों का दौरा

हैदराबाद। आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा विगत दिनों आंध्र व तेलंगाना के जिलों का भ्रमण कर सामाजिक जागृति हेतु बैठकें ली। संगठन अध्यक्ष कलावती जाजू एवं मंत्री रेणु सारड़ा ने बताया कि भ्रमण का उद्देश्य आंध्रा के सभी जिलों में कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों से मिलना और सामाजिक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु उन्हें सही मार्गदर्शन देना था। इस भ्रमण में संगठन की कोषाध्यक्ष उर्मिला साबू ने भी भाग लिया। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा एवं राष्ट्रीय मंत्री कल्पना गगडानी ने भी अपना बहुमूल्य समय एवं सहयोग दिया। इसमें वरंगल, कागजनगर, बेलमपल्ली, पंचिरियाल, करीमनगर, गुंटूर, विजयवाड़ा एवं जहीराबाद आदि जिलों का दौरा कर बैठकें भी आयोजित की गईं।

प्रतिभाओं का सम्मान

अमरावती। हाल ही में सी.ए. मुख्य परीक्षा के नतीजे घोषित हुऐ। इसमें अमरावती शहर एवं जिले से अनेक छात्र उत्तीर्ण हुऐ। जिला माहेश्वरी संगठन द्वारा सी.ए. उत्तीर्ण करने वाले कु. श्वेता गौरीशंकर लोहिया, पुर्वेश-विजयकुमार राठी, वेदांत-श्रीकांत हेड़ा, योगेश-पुरूषोत्तम मूंदड़ा, गौरव-गोपालदास पनपालिया, अंजली-घनश्याम राठी, कृष्णा गांधी आदि का उनके निवास पर जाकर सम्मान किया गया। सम्मान करने वालों में जिला संगठन अध्यक्ष अशोक कुमार सोनी, सचिव डॉ. विजयकुमार भांगड़िया, संगठन मंत्री बंकटलाल राठी, श्री कलंत्री आदि कई गणमान्यजन शामिल थे।

चेतना लहर समस्याओं का समाधान

जयपुर। अ.भा. माहेश्वरी महासभा का कार्यक्रम "चेतना लहर" एक 'टॉक शो' है। इसके संयोजक अशोक बंग-नासिक और सहसंयोजिका विमला साबू सूरत हैं । टीम में और भी बहुत से प्रबुद्ध हैं। ये लोग विभिन्न शहरों में जाकर समाज सदस्यों विशेषकर युवा दम्पत्तियों को बुलाकर उनकी समस्याओं को उन्हीं की जुबानी सुनते हैं, हल की राह भी उन्हीं में से किसी के मुंह से निकली जाती है। संयुक्त परिवार, तलाक और शिक्षा प्रबंधन मुख्य विषय होते हैं। उक्त जानकारी देते हुए अ.भा. माहेश्वरी महासभा के संयुक्त मंत्री (पश्चिम) जुगलकिशोर सोमाणी ने समस्त संगठनों से समाजहित में इस कार्यक्रम के आयोजन की अपील की।

लखोटिया अध्यक्ष-चाँडक सचिव

नवनीत लखोटिया

प्रमोद चाण्डक

दिनेश भूतड़ा

अकोट। जिला अकोला माहेश्वरी भवन में माहेश्वरी सेवा मंडल के अध्यक्ष नवनीत लखोटिया की अध्यक्षता में सभा आयोजित हुई। इसमें नूतन कार्यकारिणी में अध्यक्ष नवनीत लखोटिया, सचिव पद पर प्रमोद चांडक एवं उपाध्यक्ष पद पर दिनेश भूतड़ा की नियुक्ति सर्वानुमति से की। इसी प्रकार सहसचिव गोपाल केला, कोषाध्यक्ष सुनील मालाणी व सहकोषाध्यक्ष त्रिलोक चांडक चुने गये।

।। जय महेश ।।

महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी विवाह समिति की
वैवाहिक वेबसाईट

www.maheshwarivivahsamiti.com

अपने प्रत्याशी का ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन करें और
घर बैठे देखें २००० रिश्ते

कांतीलाल राठी
प्रदेश अध्यक्ष

B.E.,MBA,C.A.,Doctor, ग्रॅज्युएट युवक-युवतियों के बायोडाटा

शुल्क रू.400 (एक वर्ष के लिए)

बँक अकाऊंट माहेश्वरी सोशल सर्व्हिसेस प्रा. लि.
• SBI A/C No. 34040329615 • BULDHANA URBAN : 21 / 722

कार्यालय : हिंगोली बँक के निचे, देवलगांव राजा रोड, जालना (महा.)
फोन : (02482) 231952, मो. 8007571564, 9422215214

महिला संगठन ने किया तेजस्विनी का आयोजन

लातूर। महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की कार्यकारिणी की बैठक तथा महिला अधिवेशन का आयोजन गत 18 तथा 19 जुलाई को लातूर में हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत लातूर जिला माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा अनिता मालू के स्वागत सम्बोधन से हुई। प्रस्तावना प्रकल्प प्रमुख निर्मला सोमाणी ने की। मुख्य अतिथि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष सुशीला काबरा इन्दौर थीं। अध्यक्ष महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा की अध्यक्ष पुणे निवासी पुष्पा तोष्णीवाल ने की। कार्यक्रम के स्वागताध्यक्ष लातूर निवासी सामाजिक कार्यकर्ता हुकमचंद कलंत्री थे। प्रमुख अतिथि के रूप में लातूर जिला भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष एवम् सामाजिक युवा कार्यकर्ता शैलेश लाहोटी, अखिल भारतवर्षीय महिला संगठन की महामंत्री कल्पना गगडानी एवम् अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की भूतपूर्व अध्यक्षा, लता लाहोटी थी। प्रमुख वक्ता के रूप में बम्बई से आऐ महासभा के विधान संशोधन समिति के राष्ट्रीय संयोजक रमेश मर्दा थे। विशेष अतिथि के रूप में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की दक्षिणांचल की उपाध्यक्षा शैला कलंत्री, महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की सचिव ज्योत्स्ना लाहोटी एवम् लातूर जिला माहेश्वरी संगठन के जिलाध्यक्ष हरिकिशन मालू उपस्थित थे।

लखोटिया अध्यक्ष चाँडक सचिव

अध्यक्ष

सचिव

उपाध्यक्ष

अकोट। स्थानीय माहेश्वरी भवन में माहेश्वरी महिला मंडल की सभा संपन्न हुई। इसमें अध्यक्ष सर्वसम्मति से शारदा लखोटिया व सचिव रेखा चांडक चुनी गई। कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष-सुधा डागा व प्रीति गांधी, सचिव-रेखा चांडक, सहसचिव-मंजु टावरी व रचना चांडक, कोषाध्यक्षा-उमा राठी, सहकोषाध्यक्ष-माधुरी चांडक व कीर्ति सोमाणी, पी.आर.ओ., कविता गांधी व चेतना राठी तथा संगठन मंत्री-दीपा भंडारी चुनी गईं।

परिचय सम्मेलन व सामूहिक विवाह की तैयारी

कोटा। श्री माहेश्वरी समाज कोटा का प्रकल्प मैरिज ब्यूरो प्रत्येक माह के द्वितीय रविवार को अनवरत मासिक परिचय सम्मेलन आयोजित कर रहा है तथा विवरणिका प्रकाशित कर मात्र 100 रुपए शुल्क में छह माह तक घर पहुंचा भी रहा है। मुख्य संयोजक रामस्वरूप गग्गड़ व संयोजक सत्यनारायण चांडक ने बताया कि माहेश्वरी विवाह सहयोग समिति जलगांव द्वारा आगामी 23-24 अगस्त 2015 को परिचय सम्मेलन व सामूहिक विवाह 13 फरवरी को आयोजित किया जायेगा।

श्री कृष्ण नौका विहार

अकोट। माहेश्वरी महिला मंडल के द्वारा बारिश के लिए भगवान श्री कृष्ण को रिझाने हेतु नौका विहार एवं भजन के साथ ही भगवान् श्रीकृष्ण की विविध झांकियों का आयोजन किया गया। इसमें भगवान् गिरिराजजी की झाँकी के सामने छप्पन भोग का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में शारदा लखोटिया, रेखा चांडक, सुधा डागा, सुधा चांडक, प्रीति गांधी, मंजु टावरी, रचना चांडक, उमा राठी, माधुरी चांडक, कीर्ति सोमाणी, कविता गांधी, चेतना राठी, दीपा भंडारी, उषा मालानी, विद्या गट्टानी, सहित समस्त सदस्याओं ने योगदान दिया।

राठी रंगमंच का लोकार्पण

अमरावती। स्थानीय श्री बुलिदान राठी मूकबधीर विद्यालय में मूकबधीर छात्रों के शैक्षणिक सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु अमरावती के ख्यात उद्योजक स्व. श्री नवलकिशोर एवं स्व. श्रीमती कांतादेवी राठी की स्मृति में रंगमंच का निर्माण किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ इसका लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर आमदार सुनील देशमुख, पालक मंत्री प्रवीण पोटे, एम.आय.डी.सी. अध्यक्ष विजय जाधव, श्री रंग चांडक ट्रस्ट के आर.बी अटल, श्री गोयनका संस्था अध्यक्ष, डॉ. गणेश बुब, उपाध्यक्ष प्रकाशचंद्र कोठारी, सचिव बंकटलाल राठी, सहसचिव पुरुषोत्तम मूंदड़ा, राठी परिवार से जुगलकिशोर राठी, रोहित कुमार राठी, सुनील राठी, अनिलकुमार राठी, कमलेश डागा सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

मेधावियों का अभिनंदन

अमरावती। स्थानीय माहेश्वरी पंचायत द्वारा सरपंच सुभाष राठी की अध्यक्षता में मेधावी सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें गौरव पानपालिया, पूर्वेश राठी, वेदांत हेड़ा, योगेश मूंधड़ा, अंजलि राठी आदि का सी.ए. परीक्षा में सफलता प्राप्त करने पर अभिनंदन किया गया। सुभाष राठी, सुरेश साबू, जगदीश कलंत्री, विजय करवा, मधु करवा, सुरेश चांडक सहित कई कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे।

> मोह में इंसान की गलतियाँ नहीं दिखाई देतीं और घृणा में इंसान की अच्छाइयाँ नहीं दिखाई देतीं।

पंचायत की बैठक सम्पन्न

बून्दी। श्री माहेश्वरी पंचायत संस्थान के पदाधिकारियों व उप समितियों के सदस्यों की संयुक्त बैठक पंचायत अध्यक्ष जगदीश जैथलिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। प्रचार मंत्री नारायण मण्डोवरा ने बताया कि बैठक में कोषाध्यक्ष द्वारका प्रसाद जाजू ने महेश जयन्ती महोत्सव के आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। वहीं भवन के रख-रखाव, सुविधाओं में विस्तार करने तथा शेष निर्माण कार्यों को सम्पूर्ण करने के लिए अर्थ संग्रहण करने का निर्णय लिया गया। बैठक में जिला व तहसील स्तर पर समाज की जनगणना करने तथा बहुउद्देशीय विवरणिका प्रकाशित करने का प्रस्ताव सदस्यों ने रखा। प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के मंत्री घनश्याम लाठी ने अखिल भारतीय स्तर पर होने वाले चेतना लहर कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। जिला माहेश्वरी सभाध्यक्ष रेवती रमण बिरला ने महासभा द्वारा समाजहित में संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी जरूरतमंद व्यक्तियों को देने पर जोर दिया। अध्यक्षता पंचायत अध्यक्ष जगदीश जैथलिया ने की। बैठक में सहसचिव संजय लाठी, रामप्रसाद सोमानी, राजेश तापड़िया, सोहन तोषनीवाल, राधेश्याम झंवर, मनीष मंत्री, विनोद मंत्री आदि उपस्थित थे।

बंकटलाल राठी को विदर्भ भूषण पुरस्कार

अमरावती। सोनी इन्फर्मेशन एंड एजुकेशन सोसायटी द्वारा ख्यात समाजसेवी बंकटलाल राठी को विदर्भ भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री राठी बुलिदान राठी मूकबधिर विद्यालय अमरावती जाजोदिया डीएड कॉलेज एवं माहेश्वरी आधार समिति के सचिव अमरावती जिला माहेश्वरी संगठन के संगठन मंत्री, जवाहर कर्मचारी पत्तसंस्था के संस्थापक अध्यक्ष हैं। पुरस्कार स्वरूप स्मृति चिह्न, सम्मानपत्र, प्रशस्तिपत्र एवं पुनेरी पगड़ी पहनाई गईं। आप गत 25 वर्षों से सामाजिक, शैक्षणिक, राष्ट्रीय कार्यों में सक्रिय हैं और मूकबधिर सेवा, साक्षरता अभियान, लोकसंख्या शिक्षण राष्ट्रभाषा प्रचार, अंध श्रद्धा निर्मलन, पल्सपोलियो, एड्स प्रशिक्षण, सामूहिक विवाह, मोतियाबिंद व रक्तदान शिविर आदि जैसे कई सेवा कार्यों से जुड़े हैं।

पुरुषोत्तम मास उत्सव सम्पन्न

रायपुर। श्री गोपाल मंदिर ट्रस्ट एवं स्थानीय माहेश्वरी सभा के संयुक्त तत्वावधान में श्री गोपाल मंदिर सदर बाजार रायपुर में पुरुषोत्तम मास उत्सव का 17 जून से 17 जुलाई तक आयोजन किया गया। इसमें प्रतिदिन तिथियों के हिसाब से उत्सव जैसे रथयात्रा, बसंतोत्सव, रामनवमी, वामन द्वादशी, नृसिंह अवतार, शरदोत्सव, कृष्ण जन्माष्टमी, नंदोत्सव, पालना झूला, हिंडोला, बगीचा, दीपावली उत्सव इत्यादि का आयोजन किया गया। 17 जुलाई को भव्य अन्नकूट उत्सव आयोजित हुआ। माहेश्वरी सभा सदस्यों के साथ शहर के अन्य श्रद्धालुओं ने भी भरपूर आनंद उठाया। इन कार्यक्रमों में राजकुमार चितलांग्या, विजय कुमार दम्मानी, सुरेश कुमार बागड़ी, शिवरतन सादाणी, राजकिशोर नत्थानी, मधुरिका नत्थानी, अशोक दम्मानी आदि समस्त सदस्यों का सहयोग रहा। जानकारी महामंत्री सुरेश कुमार बागड़ी ने दी।

"अगर बुरा वक्त नहीं आता...
तो अपनों में छुपे हुए गैर और गैरों में छुपे हुए अपने
कभी नजर नहीं आते।"

पुरुषोत्तम मास में धर्म की गंगा

पुरुलिया (प.बं.)। माहेश्वरी महिला समिति पुरुलिया द्वारा पुरुषोत्तम मास के अंतर्गत धार्मिक आयोजन किये गये। इसमें 12 जुलाई को "विष्णुसहस्त्र" नाम यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अनुष्ठान में 1 मुख्य यजमान और 51 अन्य यजमान थे। 15 जुलाई को माहेश्वरी महिला समिति के द्वारा ठाकुरजी के मनोरथ का उत्सव मनाया गया। इसमें गिरिराजजी का छप्पनभोग, जमुना महारानी का चुनड़ी मनोरथ, सावन-भादव, नोका विहार, रथ उत्सव, हरियाली तीज, शरद पूर्णिमा, होली और भी मनमोहक झाँकी के दर्शन साथ में दीपमाला की जगमग के मध्य में विराजमान हुए लड्डू गोपालजी की झाँकी सजाई गई थी।

जरूरतमंद विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता

वरंगल। स्थानीय माहेश्वरी समाज के द्वारा संचालित माहेश्वरी शिक्षा सहायता कोष से आर्थिक रूप से जरूरतमंद एक विद्यार्थी को गत दिनों सहायता दी गई। इस अवसर पर माहेश्वरी शिक्षा कोष के पदाधिकारी श्यामसुन्दर जखोटिया, जितेन्द्र मूंदड़ा, नवलकिशोर मणियार, माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष प्रहलाद सोनी आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी देते हुए माहेश्वरी समाज के मंत्री संपत कुमार लाहोटी ने बताया कि संगठन द्वारा इस वर्ष अन्य कई जरूरतमंद बच्चों को भी सहायता राशि प्रदान की है।

परिचय सम्मेलन का करेंगे नि:शुल्क आयोजन

रामसमन्द। जिला माहेश्वरी सभा की आम बैठक गत 19 जुलाई को धनेरियागढ़ में सम्पन्न हुई। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अर्जुनलाल चेचाणी ने की। मुख्य अतिथि दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के महामंत्री इन्दरलाल छापरवाल थे। बैठक में परिचय सम्मेलन नवम्बर माह में निःशुल्क आयोजित करने तथा सामूहिक विवाह फरवरी या मार्च में नाथद्वारा जिला राजसमन्द में आयोजित किये जाने का निर्णय किया गया। बैठक में राजसमन्द जिले की प्रतिभाओं को इन्दरलाल छापरवाल व अर्जुनलाल चेचाणी ने पारितोषिक भेंटकर सम्मानित किया। सचिव नवनीतलाल मंत्री ने बताया कि वर्ष 2015-16 के कार्यक्रम में चेतना लहर, केरियर गाईडेन्स शिविर व प्रोफेशनल सेल द्वारा उच्च बन्धुओं का एक दिवसीय सम्मेलन आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया।

राष्ट्रीय स्पर्धा के लिये प्रतिभा चयन

बीकानेर। अखिल भारतवर्षीय युवा संगठन के अन्तर्गत सितम्बर माह में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर स्पर्धा के प्रतिभागियों के चयन हेतु जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बीकानेर जिला महासभा अध्यक्ष नोखा निवासी रामेश्वर भुतड़ा व जिला युवा संगठन अध्यक्ष जुगल राठी ने किया। जिला युवा संगठन के सांस्कृतिक मंत्री भवानी शंकर राठी, जिला युवा संगठन मंत्री पवन राठी व सौरभ चांडक ने बताया कि इस अवसर पर मुख्य रूप से एकलगायन, एकल नृत्य, समूह नृत्य, मि. एंड़ मिस माहेश्वरी, टैलेण्ट हंट आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। सभी प्रतियोगिताओं में 73 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर महिला समिति अध्यक्ष रेखा लोहिया, जिला महिला अध्यक्षा लता मूंधड़ा, चिकित्सा प्रभारी राजेश राठी, कंचन राठी, चन्द्रकला कोठारी, कृष्ण माहेश्वरी, मंड़ल अध्यक्ष नारायण बिहाणी, शहर ईकाई अध्यक्ष सुनील सारड़ा के साथ अनेक माहेश्वरी समाजजन उपस्थित थे।

> "अंधे को मंदिर आया देख, लोग हँस कर बोले– मंदिर में दर्शन के लिए आए तो हो पर क्या भगवान को देख पाओगे? अंधे ने कहा क्या फर्क पड़ता है, मेरा भगवान तो मुझे देख लेगा।"
>
> दृष्टि नहीं, दृष्टिकोण सकारात्मक होना चाहिए।

उत्तम कुमार अवार्ड की घोषणा

कलकत्ता। गत दिनों मोहाली युवा केन्द्र कलकत्ता पर महानायक उत्तम कुमार की 35 वीं वर्षगांठ मनाई गई। इस अवसर पर बांग्लाचलचित्र प्रचार समिति चेयरमेन हिन्दरत्न डॉ. उमेश कुमार राठी ने "उत्तम कुमार अवार्ड 2015" देने की घोषणा की।

पश्चिमी उ.प्र. सभा की बैठक सम्पन्न

आगरा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी सभा की कार्यकारिणी की बैठक गत 26 जुलाई को आगरा में प्रदेश अध्यक्ष कौशल किशोर पल्तानी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। प्रातः प्रदेश कार्यकारिणी के महामंत्री कमलेन्द्र माहेश्वरी (मुजफ्फर) के नेतृत्व में विभिन्न जनपदों से आये प्रतिनिधियों ने ताजमहल का भी अवलोकन किया। के.के. माहेश्वरी, सुभाष चंद महेश, राकेश मोहता, रामबाबू, मनोज माहेश्वरी, अशोक माहेश्वरी आदि कई सदस्य उपस्थित थे।

जरूरतमंदों की सहायता के लिए आधार समिति गठित

अमरावती में समाज का अनूठा प्रयास कई जरुरतमंदों को दी सहायता

अमृतसर। स्थानीय समाजजनों ने एक अनूठे प्रयास के अंतर्गत "माहेश्वरी आधार समिति" का गठन किया है। यह समिति समाज के आर्थिक रूप से परेशान वरिष्ठ दम्पत्तियों, विधवा तथा तलाकशुदा महिलाओं एवं किसी दुर्भाग्यवश अकेले व दयनीय स्थिति में जीवन यापन कर रहे समाजजनों की मदद कर रही है। इस समिति के गठन की प्रेरणा समाजसेवी घनश्याम कासट से प्राप्त हुई। श्री कासट ऐसे ही वर्ग की अपनी समार्थ्यानुसार मदद करते रहे हैं। उनकी इसी प्रेरणा से लगभग एक वर्ष पूर्व इस संस्था का गठन किया गया। इस कार्य में घनश्याम कासट, पुष्पादेवी कासट एवं कासट परिवार का सक्रिय योगदान रहा। कार्य को गति देने में और इस सोच को अनेक परिवारों तक पहुंचाने में केसरीमल झंवर, घनश्यामदास सारड़ा, ओमप्रकाश नावंदर, प्रशांतकुमार मूंदड़ा, किशोरकुमार मंत्री, बंकटलाल राठी आदि का सक्रिय सहयोग रहा। प्रथम कार्यकारिणी के गठन में अध्यक्ष घनश्याम कासट, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश नावंदर, सचिव बंकटलाल राठी, कोषाध्यक्ष प्रशांतकुमार मूंधड़ा, सदस्य किशोरकुमार मंत्री, केसरीमल झंवर, प्रमोदकुमार करवा, प्रदीपकुमार सिकची, डॉ. सूर्यप्रकाश मालाणी, भिकमचंद तापड़िया, रामप्रकाश गिल्डा को सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया। 10 हजार, 50 हजार, 1 लाख, 2 लाख की सदस्यता श्रेणियाँ निश्चित की गई। इससे करीब 170 सदस्य बनें 24 लाख का सदस्यता शुल्क प्राप्त हुआ। पहले वर्ष 1 लाख रुपए की सहायता का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। जबकि 1 लाख 50 हजार की राशि वितरित की गई। कुछ नगद, चेक द्वारा और कुछ जीवनावश्यक सामग्री द्वारा करीब 45 परिवार लाभान्वित हुए। गत वर्ष अक्षय तृतीया को वरिष्ठ समाजसेवी चुन्नीलाल मंत्री के हाथों इसका शुभारंभ किया गया था। संकल्पना एवं कार्य से प्रेरित होकर उन्होंने तुरंत एक लाख रूपये का चेक प्रदान किया था। साथ ही 30 परिवारों को करीब एक लाख रुपए का जीवनावश्यक सामान भी वितरित किया। समिति के कार्य से प्रेरित होकर डॉ. सत्यनारायण कासट ने अपने जन्म दिवस पर करीब 25 परिवारों को जीवनावश्यक साहित्य देकर सहभोज का आयोजन भी किया।

अधिकमास में हुआ सेवा शिविर का आयोजन

बैंगलोर। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा अधिक मास (पुरुषोत्तम मास) में विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। K.M .Y.F के संयुक्त तत्वावधान में कृत्रिम पैर शिविर एवम् डायलिसीस योजना का आयोजन किया गया। महिला मंडल की अध्यक्षा कृष्णा डागा, सचिव श्वेता बियाणी, माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष बसन्त सारडा, युवा संघ के अध्यक्ष दुर्गेश काबरा, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के सदस्य लक्ष्मीकान्त राठी, गौरीशंकर सारडा, माहेश्वरी फ़ाउन्डेशन के सदस्य राजगोपाल भूतड़ा, K.M.Y.F के अध्यक्ष जोधराज मंडोत आदि उपस्थित थे। शिविर मे 75 कृत्रिम पैर एवं किडनी रोग से पीड़ित 50 मरीजों को डायलिसीस सेवा निःशुल्क प्रदान की गई। धार्मिक आयोजन के अंतर्गत 11 जुलाई को प्रातः 11बजे अध्यक्ष कृष्णा डागा एवं लक्ष्मीनारायण डागा ने राम दरबार की पूजा की व सभा के अध्यक्ष बसन्त सारडा तथा उपाध्यक्ष राजगोपाल भूतडा ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कन्या सुरक्षा/शिक्षा का अभियान

गुलबर्गा। रोटरी क्लब गुलबर्गा द्वारा भारत सरकार के कन्या बचाओं और बालिका शिक्षा अभियान को सहयोग दिया जा रहा है। इसके अन्तर्गत क्लब अध्यक्ष जगदीश मालू के नेतृत्व में क्लब कार्ड्स, पोस्टर्स, बैनर्स, एफएम रेडियो तथा विभिन्न माध्यमों से इसके संदेशों का व्यापक प्रचार-प्रसार कर रहा है।

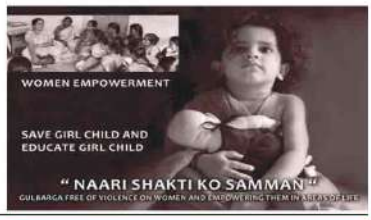

धोखाधड़ी से बरतें सतर्कता

▸▸ कई नकली माहेश्वरियों के मैरिज ब्यूरो सक्रिय
▸▸ समाज धोखाधड़ी का शिकार

उज्जैन (विशेष)। वर्तमान में यह देखा जा रहा है कि माहेश्वरी समाज में वैवाहिक संबंध तय करने में आ रही समस्या को देखते हुए देशभर में "ऐसे मैरिज ब्यूरो" भी सक्रिय हो गये हैं, जो सरासर धोखाधड़ी कर रहे हैं। इनका समाज से कोई सरोकार नहीं है, यहां तक कि इनके संचालक भी माहेश्वरी नहीं हैं, लेकिन ये समाज की डायरेक्ट्रियों से जानकारी हासिल कर "माहेश्वरी" बनकर समाजजनों के साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं। जबलपुर आदि कई स्थानों से इनके द्वारा धोखाधड़ी किये जाने की जानकारी प्राप्त हो रही है। आमतौर पर ऐसे मामले में पीड़ित परिवार भी सामाजिक प्रतिष्ठा के डर से पुलिस तक नहीं जाते।

क्या करें- यदि किसी भी समाजजन के पास किसी मैरिज ब्यूरो से फोन आता है, तो उनके झांसे में न आएं। उसके बारे में 6 तहसील, जिला आदि किसी भी स्तर के संगठन से सम्पर्क करें और उसकी विश्वसनीयता की तस्दीक करें। जब विश्वास हो जाऐ तो उसके पश्चात् की सम्पर्क करें। जो समाजजन ऐसे लोगों की धोखाधड़ी के शिकार हुए हैं, वे भी साहस के साथ सामने आऐं। वे इस मामले में पुलिस में प्रकरण भी दर्ज करवाऐं और समाज संगठन को भी बताऐं, जिससे किसी और समाजजन के साथ ऐसी घटना न हो। हम ऐसी घटना छुपाते हैं, तो इसी का नतीजा है कि ऐसी घटनाओं में दिनोंदिन वृद्धि के रूप में सामने आता है। अतः स्वयं भी जागरूक हों और दूसरों को भी जागरुक करें।

प्रतिभाओं का माहेश्वरी रत्न से सम्मान

कोल्हापुर। जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में समाज का नाम करने वाली प्रतिभाओं को माहेश्वरी रत्न पुरस्कार द्वारा सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन उत्तम प्रकाश टॉकिज, इचलकरंजी में रखा गया। अध्यक्षता चंदनमल मंत्री अध्यक्ष कोल्हापुर जिला माहेश्वरी सभा ने की। अतिथि के रूप में सचिन चांडक-पुणे अध्यक्ष महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी युवा संगठन व रामकिशोर बांगड अध्यक्ष श्री महेश सेवा समिति उपस्थित थे। संगठन के अध्यक्ष रसिक आगीवाल ने स्वागत भाषण व सचिव शिव प्रसाद तापडिया ने संगठन के कार्यों की जानकारी दी। प्रोजेक्ट चेअरमन मुकेश खाबाणी थे। इस अवसर पर जीवन गौरव पुरस्कार से रामप्रताप झंवर, संयुक्त पारिवारिक उद्योग समूह के लिए भिकुलाल मर्दा परिवार (अरिवंद ग्रुप), मानव सेवा के लिए ओमप्रकाश बजाज, युवा उद्योजक के लिए संजय बिडला, युवा उद्यमी के लिए गजाधर भूतड़ा, चिकित्सा सेवा के लिए डॉ. कृष्णकुमार धूत, योग आरोग्य के लिए डॉ. अमित राठी, महिला उद्यमी मनीषा सोनी, शिक्षा के क्षेत्र में अक्षय जाखोटिया, कला संस्कृति के क्षेत्र में कु. साक्षी झंवर को सम्मानित किया गया।

शाईनिंग स्टारज कार्यक्रम सम्पन्न

रतलाम। जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा जिला स्तरीय ''खोज सितारों की'' शाईनिंग स्टारज कार्यक्रम माहेश्वरी युवा संगठन रतलाम के आतिथ्य में गत 12 जुलाई को आयोजित किया गया। प्रदेश संयोजक एवं रतलाम जिला माहेश्वरी युवा संगठन के जिला अध्यक्ष जितेंद्र तोषनीवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम में जिले के हर ग्रामीण क्षेत्र ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम अध्यक्ष जगदीश सोनी-रतलाम, राजेश लड्ढा-रतलाम, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रेमनारायण मालपानी-सुखेड़ा एवं विशेष अतिथि बालकृष्ण मानधन्या रतलाम एवं नरेंद्र गिलड़ा सरवन थे। इसमें मि. माहेश्वरी में महेश बाहेती, मिस माहेश्वरी में प्रीति-सुनील मालपानी, गोट टेलेंट में रीद्धी-सुनील सोनी, वाइस ऑफ माहेश्वरी में सुरभि-दिलीप भंसाली, ''आजा नच ले जूनियर'' में नेहा-उमेश मारोठिया एवं सीनियर में सौरभ सोमानी सरवन प्रथम रहे। अतिथि स्वागत कार्यक्रम संयोजक आशीष लोहिया एवं माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष महेश मारोठिया ने किया। कार्यक्रम का संचालन दुष्यंत जागेटिया एवं जितेंद्र चिचाणी तथा आभार प्रदर्शन कुलदीप मारोठिया एवं अविनाश लड्ढा ने किया।

तालाब को बचाने के लिये कोर्ट में केस

भीलवाड़ा। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल, सेन्ट्रलजोन भोपाल द्वारा भीलवाड़ा निवासी पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू की जनहित याचिका पर सख्त निर्देश दिया। इसमें भीलवाड़ा की विरासत गांधी सागर तालाब में मलमूत्र वाले जहरीले पानी के नालों को डालने, न्यायालय की रोक के बावजूद तालाब की जमीन बेचने, अतिक्रमण हटाने व तालाब की नपती कर सीमांकन कराने के पूर्व में चल रहे मामले में जिला कलेक्टर भीलवाड़ा को एक माह में पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये है।

श्री आदित्य विक्रम बिड़ला केंद्र की वार्षिक सभा

चैन्नई। श्री आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र सदस्यों की वार्षिक साधारण सभा आगामी 19 सितम्बर, 2015 को चैन्नई में आयोजित की गई। इसी बैठक में केंद्र के आगामी सत्र 2015-16 हेतु मेनेजिंग कमेटी सदस्यों के चुनाव भी होंगे। उक्त जानकारी देते हुए संस्था महामंत्री कस्तूरचंद बाहेती ने केंद्र के सभी सदस्यों से निवेदन किया कि वे इस बैठक में अवश्य सम्मिलित हों और अपना कार्यक्रम सुनिश्चित कर केंद्र कार्यालय नं.4 रमनन् चैन्नई 600079 फोन नंबर 044-25299052-53, ई मे ल-avbmkendra@gmail.com पर सूचित करें, जिससे उचित व्यवस्था की जा सके।

सुदा को राज्यस्तरीय पुरस्कार

अमरावती। महाराष्ट्र राज्य ओबीसी संघर्ष समिति की ओर से मातोश्री सावित्रीबाई फुले जनसेवा पुरस्कार प्रदान किया जाता है। स्व. श्री राजीव गांधी की स्मृति व किसानों की जीवनशैली पर उत्कृष्ट रांगोली बनाने तथा साथ ही दुनिया की सबसे बड़ी रांगोली बनाने के लिये माधुरी सुदा को इस बार के राज्यस्तरीय मातोश्री सावित्रीबाई फुले जनसेवा गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। महापौर रीना नंदा सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

राठी पुनः बने उपाध्यक्ष

तिवसा (अमरावती)। तहसील के तिवसा संतरा बगायत सहकारी संस्था के चुनाव में लगातार दूसरी बार अशोक राठी उपाध्यक्ष चुने गये। श्री राठी सन 1998 से 2012 तक वह श्री राम नागरी सह पत संस्था के डायरेक्टर (संचालक) रह चुके हैं। फिलहाल वे विदर्भ माहेश्वरी संगठन में संयुक्त सचिव तथा आ.वि. बिडला व्यापार सहयोग केंद्र चैन्नई के अम. जिला वसूली संयोजक भी हैं।

> कर्मों से ही पहचान होती हैं इंसानों की दुनिया में,
> अच्छे कपड़े तो बेजान पुतलों को भी पहनाये जाते हैं दुकानों में।

नुपुर बनी सीए

शहापुर-बेलगाम (कर्नाटक)। समाज सदस्य व सीए राजेन्द्र मूंदड़ा की सुपुत्री नुपुर ने चार्टर्ड अकाउंण्टेंट की परीक्षा श्रेष्ठ अंकों से उत्तीर्ण की। कु. नुपूर स्व. श्री परमानंद लोहिया (इचलकरंजी) की पौत्री हैं।

यश को 94 प्रतिशत अंक

अमरावती। डॉ. सुरेंद्र तथा किरण जाजू के सुपुत्र यश जाजू ने 12वीं की परीक्षा 94 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। यश ने आगे की पढ़ाई के लिये मुंबई के नायर मेडिकल कॉलेज में प्रवेश प्राप्त किया है।

व्यंकटेश को 92 प्रतिशत अंक

बुलढाणा। कांच व्यवसायी नीलेश बाहेती के सुपुत्र व्यंकटेश बाहेती ने 10वीं की परीक्षा 92.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की।

अक्षय को 88 प्रतिशत अंक

जानेफल (बुलढाणा)। समाज सदस्य रमेश लाहोटी के सुपुत्र अक्षय लाहोटी ने 10 वीं की परीक्षा 88 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की। इसमें उन्होंने गणित विषय में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

शुभम को 82 प्रतिशत अंक

अमरावती। व्यवसायी चंदन मंत्री के सुपुत्र शुभम ने 12वीं की परीक्षा में 82 प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

सलोनी को 91 प्रतिशत अंक

अमरावती। व्यवसायी सोहन कोठारी की सुपुत्री सलोनी ने 12वीं की परीक्षा में 91 प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

करण को 87 प्रतिशत अंक

अमरावती। विद्याभारती कॉलेज के छात्र करण मालाणी ने 87 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। पिता स्टेशनी मार्ट के संचालक व माँ दिव्या मालाणी गृहिणी हैं।

श्रुति को 83 प्रतिशत अंक

नागपुर। समाज सदस्य मदन व संगीता हरकुट की सुपुत्री श्रुति ने 10वीं की परीक्षा 82.8 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की।

माधुरी बनी सीए

कोलकाता। समाज सदस्य मनोज बजाज और नीलम बजाज की सुपुत्री माधुरी बजाज ने सीए फाइनल की परीक्षा उत्तीर्ण की। सभी स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

राघव राज्यपाल से सम्मानित

पुरुलिया (पश्चिम बंगाल)। समाज सदस्य जमनादास कोठारी व शारदा कोठारी के पौत्र तथा क्रांति कोठारी व अनुराधा कोठारी के सुपुत्र राघव कोठारी ने सीबीएसई 12वीं कॉमर्स की परीक्षा में 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूरे उड़िसा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर उड़ीसा के राज्यपाल एस.सी. जमीर के करकमलों से राघव को अवार्ड प्राप्त हुआ।

दरक अमेरिका रवाना

अमरावती। समाज सदस्य कमलकिशोर दरक के सुपुत्र गोपाल दरक अमेरिका की बोस्टन सिटी में मैजिस्ट्रो कंपनी में इंजीनियर के पद पर नियुक्त किये गये। इसके लिये समस्त स्नेहीजनों ने उन्हें बिदाई देकर अमेरिका रवाना किया।

पूर्वेश बने सी.ए.

अमरावती। प्रॉपर्टी व्यवसायी विजय राठी के सुपुत्र पूर्वेश राठी ने चार्टर्ड अकाउंटेट की परीक्षा उत्तीर्ण की। उन्होनें नागपुर के शाह बाहेती चांडक एंड कंपनी से आर्टिकलर शीप पूर्ण की थी।

वेदांत को 82 प्रतिशत अंक

अमरावती। वेदांत श्रीकांत हेड़ा ने सी.ए. परीक्षा में शानदार सफलता अर्जित की। उन्होंने आई.एस.सी.ए. में 82 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हैं।

श्वेता सी.ए. परीक्षा में उत्तीर्ण

घामणगांव। अनाज व्यवसायी गौरीशंकर लोहिया की सुपुत्री कु. श्वेता लोहिया ने चार्टर्ड एकाउंटेंट की परीक्षा में सफलता अर्जित की। समस्त स्नेहीजनों ने इस सफलता पर हर्ष व्यक्त किया।

यश बने सीए

अजमेर। स्थानीय समाज के पूर्व अध्यक्ष भंवरलाल मूंदड़ा एवं शांतिदेवी मूंदड़ा के पौत्र तथा अमरचंद एवं अंजना मूंदड़ा के सुपुत्र यश मूंदड़ा ने सीए की परीक्षा में सफलता प्राप्त की। यश सी एस की परीक्षा भी पहले ही उत्तीर्ण कर चुके हैं और अभी आईसीडब्ल्यए की परीक्षा दी है।

अर्पित बने सीए

वानखेड़ (अकोला)। समाज सदस्य पन्नालाल चांडक एवं रेखा चांडक के सुपुत्र अर्पित चांडक ने सीए की परीक्षा प्रथम प्रयास में ही उत्तीर्ण कर ली। उन्होंने विदर्भ स्तर पर प्रथम एवं राष्ट्रीय स्तर पर 41वीं रैंक प्राप्त की है।

आयुष बने सबसे कम उम्र सीए

खरगौन। आयुष सोमानी ने चार्टड एकाउंटेंट की आईपीसीसी एवं फायनल परीक्षाएं प्रथम प्रयास में ही उत्तीर्ण कर खरगौन (म.प्र.) के सबसे कम उम्र के सीए बनने का गौरव प्राप्त किया। आयुष डॉ. अशोक सोमानी के पुत्र एवं स्व. श्री पी.बी. सोमानी एडवोकेट के सुपौत्र हैं।

अभिषेक सीपीटी में चयनित

अमरावती। व्यवसायी दीपक-अमरचंद मंत्री के सुपुत्र अभिषेक मंत्री ने सीपीटी परीक्षा में सफलता अर्जित की। अभिषेक ने 12 वीं में भी 89 प्रतिशत अंक प्राप्त किये थे।

गौरव बने सी.ए.

अमरावती। शहर के प्रतिष्ठित नागरिक गोपाल पनपालिया के सुपुत्र गौरव राठी ने चार्टर्ड अकाउंटेट की परीक्षा श्रेष्ठ अंकों के साथ उत्तीर्ण की।

लक्षिता सीए आईपीसीसी उत्तीर्ण

उदयपुर। समाज की प्रतिभा लक्षिता माहेश्वरी (गट्टानी) ने सीए आईपीसीसी के दोनों ग्रुप की परीक्षा प्रथम प्रयास में ही उत्तीर्ण की। लक्षिता समाज के वरिष्ठ मुरलीधर-शंकुतला गट्टानी की सुपौत्री तथा सीमा-मयंक गट्टानी की सुपुत्री हैं।

आयुष को 10 सीजीपीए अंक

भीलवाड़ा। गुलाबपुरा निवासी श्यामसुंदर काबरा के पौत्र व पवन एवं रेखा काबरा के सुपुत्र आयुष काबरा ने 10वीं सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा 10 सीजीपीए अंकों के साथ उत्तीर्ण की।

विदुर को 9.2 सीजीपीए

इंदौर। उज्जैन के वरिष्ठ समाजसेवी व श्री माहेश्वरी टाईम्स प्रतिनिधि रामनिवास झंवर के पौत्र तथा इंदौर निवासी वीरेंद्रकुमार व वर्षा झंवर के सुपुत्र विदुर झंवर ने सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 9.2 सीजीपीए के साथ उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

महिमा को जेईई एडवांस में 146वीं रेंक

अमरावती। स्व. श्री अरुणकुमार गग्गड़ की सुपुत्री महिमा ने जेईई मेन में 177 वीं रेंक तथा जेईई एडव्हांस में 146 वीं रेंक हासिल की। उल्लेखनीय है कि महिमा ने महाराष्ट्र बोर्ड की 12वीं की परीक्षा 93 तथा इसके पूर्व 10 वीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 94 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है।

सौरभ बने सीए

भीलवाड़ा। स्थानीय गुलाबपुरा निवासी महावीर प्रसाद एवं पुष्पा अजमेरा के सुपुत्र सौरभ ने हाल ही में सीए की परीक्षा में सफलता हासिल की। सौरभ वर्तमान में राजस्थान युवा प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के कार्यकारिणी सदस्य भी हैं। सौरभ के बड़े भाई भी सीए हैं एवं सौरभ के पिता महावीर अजमेरा हुरड़ा तहसील सभा के अध्यक्ष एवं भोजरास ग्राम के पूर्व सरपंच हैं।

दिव्यम बनी सीए

भिवंडी। समाज सदस्य अनिल चितलांगिया एवं वंदना चितलांगिया की सुपुत्री दिव्यम ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की। दिव्यम फरीदाबाद निवासी परशुराम साबू व शकुंतला साबू की नातिन हैं।

अभिजीत ने किया एम-टेक

मालेगाँव। अभिजीत सोमानी ने आईआईटी मुंबई से एम.टेक (मेकेनिकल) की परीक्षा स्कॉलर मेरिट से उत्तीर्ण की। इससे पहले उन्हें एम.टी.एम. और एन.टी.एम. में भी स्कालरशिप मिली है। अभिजीत मा.प्र.मं. के के पीआरओ पूरन मर्दा (सोमाणी) के सुपुत्र है।

जीविका बनी सीए

मालेगाँव। जीविका सोमानी ने प्रथम प्रयास में 21 वर्ष की आयु में सीए फाइनल की परीक्षा उत्तीर्ण करने का गौरव प्राप्त किया।

श्रेय सीपीटी में शहर में अव्वल

सूरत। समाज सदस्य सीए गोपाल एवं कीर्ति लड्ढा के सुपुत्र श्रेय लड्ढा ने सीपीटी (सीए) की परीक्षा में सूरत शहर में पांचवी रेंक हांसिल की। इस परीक्षा में श्रेय ने 81 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हैं।

नेहा बनी सीए

भीलवाड़ा। सुभाषनगर निवासी महेश व किरण मूंदड़ा की सुपुत्री नेहा मूंदड़ा ने प्रथम प्रयास में ही सीए में सफलता हासिल की। नेहा ने पूर्व में सीबीएसई बोर्ड से राजस्थान प्रदेश में भी 4 थीं रैंक प्राप्त की थी।

भावना को एक हजार डालर की स्कॉलरशिप

वरंगल। समाज सदस्य प्रेमकुमार डालिया की सुपुत्री भावना डालिया का आईएफएमए के "चार्लोट चेप्टर" के बोर्ड द्वारा "वर्ल्ड वर्क प्लेस स्कॉलरशिप" के लिये चयन किया गया। इसके अंतर्गत भावना को इस वर्ष 1 हजार डालर की स्कॉलरशिप प्राप्त होगी। स्थानीय समाज संगठन ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

आदित्य बने सीए

शोभापुर। समाज सदस्य दिनेश कुमार मालपानी व कामिनी मालपानी के सुपुत्र आदित्य मालपानी ने सीए फाईनल की परीक्षा प्रथम प्रयास में ही उत्तीर्ण की। इनके भाई आकाश मालपानी ने भी आई.पी.सी.सी. के प्रथम ग्रुप की परीक्षा श्रेष्ठ अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। आदित्य समाज सेवी स्व.श्री रामचंद्र मालपानी के सुपौत्र हैं।

यश वर्धन जेईई एडवांस में चयनित

अमृतसर। सीकर के मूल निवासी राजवर्धन व रेखा बियानी के सुपुत्र यशवर्धन बियानी ने जेईई एड्वांस में 7101वीं रेंक प्राप्त की। स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

'शाईनिंग स्टार्ज' का किया चयन

बीकानेर। अखिल भारतवर्षीय अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता साईनिंग स्टार्ज के अंतर्गत राष्ट्रीय, सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन आगामी सितम्बर माह के प्रथम सप्ताह में महाराष्ट्र (पुणे) में होगा। राष्ट्रीय स्तरीय टीम के चयन हेतु श्रीगंगानगर में सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं सम्पन्न हुईं। जिला युवा संगठन के सलाहकार मंत्री सौरभ चांडक ने बताया कि युवा संगठन अध्यक्ष जुगल राठी ने चयनित 26 सदस्यीय दल को बस द्वारा हरि झंडी दिखाकर संगठन मंत्री पवन राठी व सीसंस्कृतिक मंत्री भवानी शंकर राठी के नेतृत्व में स्थानीय जस्सुसर गेट से रवाना किया।

"जीवन में दो चीजों का कभी अन्त नहीं होता
भगवान् की कथा और मनुष्य की व्यथा।"

भजनामृत से सराबोर करता
मानधना परिवार

कोटा के प्रतिष्ठित एलेन मानधना परिवार में चारों भ्राता गोविंद माहेश्वरी, राजेश माहेश्वरी, नवीन माहेश्वरी, एवं बृजेश माहेश्वरी सतत साधना के साथ 'संस्कारों से सफलता' की राह पर उत्तरोत्तर अग्रसर हैं। परिवार अन्य व्यवसायों के साथ देश के प्रख्यात शिक्षा संस्थान "ALLEN GROUP" का संचालन कर रहा है, जिससे देश के कोने-कोने में बसा शायद ही कोई उच्च शिक्षित अनजान होगा। यह देशभर में स्थित अपने कई शाखाओं के साथ शीर्ष प्रतियोगी परीक्षाओं की सफलतापूर्वक तैयारी करवाने के लिये विशेष रूप से जाना जाता है। इसके साथ ही इसके द्वारा अपनी सेवाओं के अंतर्गत कॉलेजों का संचालन भी किया जा रहा है। एक वटवृक्ष की तरह फैले संस्थान के संचालन की व्यस्तता के बावजूद मानधना परिवार की विशिष्ट छवि भजनों की प्रस्तुति भी है। इसके लिये उनके 4-5 पारिवारिक सदस्यों की भजन मंडली बनी हुई है, जो विभिन्न अवसरों पर निःस्वार्थ भाव से भजनों की संगीतमय प्रस्तुति देती है। आध्यात्म के प्रति उनका यह समर्पण सम्पूर्ण कोटा-वासियों के लिये अत्यंत सम्मान का विषय है।

पिता की स्मृति में शिक्षण संस्थान

प्रभुकृपा एवं गुरूचरणों के आशीर्वाद से 'संस्कारों से सफलता' के ध्येय मंत्र को आत्मसात करते हुए कोटा शहर में सबसे पहले 18 अप्रैल,1988 को पिताश्री लक्ष्मीनारायणजी माहेश्वरी के नाम पर 'एलेन कॅरिअर इंस्टीट्यूट' की नींव रखी गई। एलेन (मानधना) परिवार में चार निदेशक भ्राता गोविंद माहेश्वरी, राजेश माहेश्वरी, नवीन माहेश्वरी एवं बृजेश माहेश्वरी विगत 27 वर्षों से अनवरत सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों की टीम के साथ मिलकर दूरगामी सोच एवं दृढ़ संकल्प के साथ शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं संस्कारित वातावरण में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। माता श्रीमती कृष्णादेवी एवं गुरूवर श्री झालरिया पीठाधीश्वर स्वामी घनश्यामाचार्य महाराज के आशीर्वचन से संस्थान ने शिक्षा क्षेत्र में शिखर की सफलता प्राप्त की है।

आनंद वह सम्पत्ति है, जिसे जितना बांटा जाऐ वह उतनी ही अधिक बढ़ती है। कोटा के प्रतिष्ठित मानधना (एलेन) परिवार ने इसी सोच के साथ निःस्वार्थ भाव से ऐसी शुरुआत की कि जो अब एक आध्यात्मिक अभियान ही बन चुकी है। जब उनकी भजन मंडली भजनों का रस बरसाती है, तो कोई भी श्रोता उससे सराबोर हुए बिना नहीं रहता।

» SMT टीम

सामाजिक सरोकार में भी सहभागी

कोई भी विद्या संस्कारों के साथ अर्जित करें तो चिरकाल तक विद्यमान रहती है। विजय प्राप्त करने के लिए एक स्पष्ट लक्ष्य के साथ अविचल संस्कार, संकल्प, एकाग्रता और समर्पण की सतत आवश्यकता होती है। गर्व का विषय है कि आध्यात्मिक एवं शांत शैक्षणिक वातावरण से इस शहर को शिक्षा नगरी का दर्जा मिला। सभी राज्यों एवं पड़ोसी देशों से भी 15 से 17 वर्ष की उम्र में लगभग 1 लाख विद्यार्थी संस्थान में आईआईटी, इंजीनियरिंग एवं प्री-मेडिकल की प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए

आते हैं। वे यहां के संस्कारित वातावरण में नियमित प्रार्थना और अनुशासन के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा लेते हुए डॉक्टर, आईआईटीयन या इंजीनियर बनने के साथ अच्छा इंसान बनने का संकल्प भी लेकर जाते हैं।

ऐसे चढ़ा भजन गायन का शौक

वर्ष 1980 में लोकप्रिय मधुर भजन गायक हरिओम शरणजी का भवानीमंडी में विशाल भजन कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसने सम्पूर्ण मानधना परिवार की भजन-अभिरुचि को और सुदृढ़ किया। इस भजन संध्या की ऑडियो कैसेट का श्रवण एवं साथ-साथ गायन जैसे उनकी दिनचर्या का अभिन्न अंग बन गया था। परिवार में होने वाले किसी भी मांगलिक अथवा अन्य अवसरों पर अब भजनों का गायन-श्रवण एक परम्परा का रूप ले चुका था।

सामाजिक सरोकार में सहभागी

देश में प्रमुख सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों से जुड़े प्रत्येक शुभकार्य में एलेन परिवार की तन-मन-धन से सक्रिय सहभागिता रहती है। इसके अतिरिक्त समय-समय पर चिकित्सा एवं मानव सेवा के यज्ञ में सहयोग की आहूति देने का क्रम अनवरत जारी है। शैक्षणिक क्षेत्र में सामाजिक सरोकार के तहत संस्थान में अध्ययनरत गरीब एवं मेधावी बच्चों को प्रतिवर्ष स्कॉलरशिप देकर आगे बढने की प्रेरणा दी जा रही है। परिवार द्वारा मेधावी विद्यार्थियों को देश के प्रमुख संस्थानों में आगे की पढ़ाई के लिए चार वर्ष तक सहयोग राशि दी जाती है। संस्कार से सफलता के गौरव पथ पर देश की युवा पीढ़ी को अनुशासित वातावरण में अच्छी शिक्षा देकर उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर करना एलेन परिवार का ध्येय है।

इस तरह हुआ सत्संग मंडल का गठन

वर्ष 1996 में श्री झालरिया पीठाधीश्वर स्वामी श्री घनश्यामाचार्य जी महाराज एवं युवराज स्वामी श्री भूदेवाचार्य जी महाराज का एलेन मानधना परिवार कोटा के निवास "गुरुकृपा" में पधारना हुआ। पूज्यश्री के सान्निध्य में भजन गायन का सुंदर सुयोग उपस्थित हुआ एवं उनके आशीर्वाद से भक्तिरस का यह प्रवाह धीरे-धीरे व्यापक रूप लेने लगा। वर्ष 1998 में कोटा नगर में पहली बार युवराज स्वामी के श्रीमुख से श्रीमद्भागवत कथा का विशाल आयोजन श्रीराधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में सम्पन्न हुआ। इसी आयोजन के अंतर्गत श्रीधनुर्मास उत्सव में गाये जाने वाले भजनों का संकलन एवं प्रकाशन करने का क्रम प्रारंभ हुआ, जो आज भी अनवरत जारी है। इसी वर्ष सत्संग मंडल के रूप में श्री गिरिराज मित्रमंडल परिवार का भी गठन हुआ, जिसके माध्यम से नंद महोत्सव, हिण्डोला उत्सव, फागोत्सव, मासिक संकीर्तन एवं भजन संध्याओं के साथ-साथ प्रतिवर्ष श्री गिरिराज परिक्रमा का आयोजन होने लगा।

पुस्तकों में भी संजोए भजनों के मोती

सन् 2000 में मंडल द्वारा पहली बार विशाल फागोत्सव आयोजित हुआ जिसमें 180 भजनों के संकलन की पुस्तक "भजन मनका" प्रकाशित कर प्रसाद स्वरूप भक्तों को वितरित की गईं। तदोपरांत विभिन्न उत्सवों में भजन पत्रकों एवं पुस्तकों का प्रकाशन निरंतर होने लगा। इस क्रम में लगभग 300 से भी अधिक पुस्तक-पत्रकों का प्रकाशन होने से विविध प्रकार के हजारों भजनों का संकलन हो गया। इन सभी भजनों के संकलन से 1008 चयनित भजनों को प्रकाशित कर स्वामीजी महाराज के कर कमलों से विमोचन करवाने का ध्येय रखा गया। भजन संकलन के साथ ही विभिन्न प्रमुख स्तोत्र, अर्चनावली, आरती, संकीर्तन इत्यादि भी इस पुस्तक में समाहित करने का प्रयास किया गया है। पुस्तक की बहुआयामी उपयोगिता एवं भजनों के वृहद संकलन को दृष्टिगत रखते हुए इसे "भजनामृत सागर" के नाम से अलंकृत किया गया। इस पुस्तक में भजनों का वर्गीकरण विभिन्न उत्सव-प्रसंग अनुसार करने का प्रयास भी किया गया है।

भक्ति संगीत के 'मुकेश'

विजय सोनी

कोलकाता के विजय सोनी संगीत की दुनिया के 'मुकेश' के रूप में जाने-जानेवाले एक ऐसे गायक कलाकार हैं, जिनके गाये गीत लगभग 200-250 सीडी के रूप में अपनी सुर-लहरी बिखेर रहे हैं। इतना ही नहीं इनमें बहुत बड़ी संख्या में भजन भी शामिल हैं, जिनकी गुंज देश की सरहदों से दूर तक हो रही है।

▸▸ SMT टीम

वर्तमान में कोलकाता निवासी विजय सोनी गीत-संगीत की दुनिया का एक ऐसा प्रतिष्ठित नाम है, जिनकी आवाज देश की सरहदों को भी पार करते हुए दुनिया के कोने-कोने में अपना जादू बिखेर रही है। विश्व के कई देशों में आपने अपने गीतों व भजनों की प्रस्तुति दी है। इनके गीत में बहुतायत तो भजनों की है, लेकिन सामान्य गीत व राजस्थानी लोकगीतों को भी महत्व देने से वे नहीं चुके। प्रतिष्ठित संगीत कम्पनियों टी-सीरीज, जेएमडी, यूकी आदि के द्वारा तैयार उनकी 200-250 सीडी मार्केट में मौजूद हैं। सोश्यल मीडिया में यू ट्यूट आदि पर भी श्री सोनी मौजूद हैं। सैकड़ों अखबारों ने उनके कार्यक्रमों को पर्याप्त कवरेज दिया।

ऐसे हुई शुरूआत

श्री सोनी का जन्म बीकानेर (राज.) में स्व. श्री सेठ रमणलाल सोनी के पौत्र व स्व. श्री रामबख्श सोनी के सुपुत्र के रूप में हुआ था। गाने का शौक बचपन से था। स्कूल-कॉलेज में गीत गाया करते थे। बी.कॉम. करने के बाद कलकत्ता में श्री बी.के. झंवर की कंपनी उषा मार्टिन में कार्यरत हुए। संगीत का सफर भी साथ-साथ चल रहा था। कलकत्ता के सरगम क्लब में पहली बार 1974 में कलामंदिर कोलकाता में स्टेज पर गायन किया। फिर तो सफर अनवरत हो गया। मुकेश की आवाज से उनकी आवाज लगभग मिलती-जुलती होने के कारण लोगों ने बहुत पसंद किया। कलकत्ता में 1987 में "बंगाल संगीत पुरस्कार" से मेयर द्वारा नवाजा गया।

ख्याति ने की सरहद पार

1989 में दिल्ली में आयोजित प्रतियोगिता में 700 प्रतियोगियों में प्रथम पुरस्कार मिला। इसके मुख्य निर्णायक मशहूर संगीतकार अनिल विश्वास थे। फिर बैंकॉक व सिंगापुर का दौरा हुआ। 1989 में आईसीसीआर (भारत सरकार) की तरफ से "बुखारो फेस्टीवल" में सोवियत रूस में कार्यक्रम आयोजित हुआ, जहां भूरि-भूरि प्रशंसा मिली। 1991 में भारतीय विद्या भवन के आमंत्रण पर लंदन में कार्यक्रम हुआ, जहां उनके गाये गीत, गजल, भजन व देश भक्ति के गीतों ने लोगों का दिल छू लिया। बीबीसी लंदन ने उनका लाईव इंटरव्यूह प्रसारित किया। वहीं पर विश्व हिंदू परिषद ने

अभिनेता जितेन्द्र के साथ

अभिनेता राजकपूर के साथ

गायक मन्नाडे के साथ

अपने सदस्यों के लिये देशभक्ति गीतों का आयोजन भी किया।

सतत चला सफलता का कारवां

उसी दरम्यान दुबई में इंडियन स्पोर्ट्स क्लब ने मुकेश के गीतों के लिए निमंत्रण दिया। प्रोग्राम लगातार साढ़े तीन घंटे चला, फिर भी फरमाईशें बनी रह गई। 2011में बिड़ला ग्रुप की कंपनी के आमंत्रण पर गणेश चतुर्थी पर जकार्ता इंडोनेशिया में विशुद्ध भजनों का कार्यक्रम हुआ, जो अति सफल रहा। इसके पश्चात भारत वर्ष के लगभग हर कोने में कई कार्यक्रम हुए। रेडियो व टीवी भी उनकी आवाज से सरोबार हो गये। संस्कार, आस्था, भक्तिसागर आदि चैनलों पर नियमित कार्यक्रमों के साथ उनकी गायी हनुमान चालीसा का एनीमेशन संस्करण टीवी पर बहुत लोकप्रिय हुआ। अब सुंदरकांड भी प्रसारित हो रहा है।

हर किसी ने कहा ''मुकेश रिटर्न''

श्री सोनी कहते हैं कि स्व.श्री राजकपूर 1987 में मेरी आवाज सुनकर पहचान ही नहीं पाये कि ये मुकेश हैं या विजय सोनी। हम लोगों की बातें आज भी रिकार्ड है। बाद में वे बहुत हतप्रभ एवं खुश हुए एवं बम्बई आने का न्यौता दिया। इसी प्रकार ख्यात अभिनेता धर्मेन्द्र व जितेंद्र ने भी मेरी आवाज सुनकर बॉम्बे में ही रहने का आमंत्रण दिया। पर अपनी नौकरी छोड़ना नहीं चाहता था या कहें इच्छा शक्ति का अभाव भी था। बहरहाल भगवान ने शायद मेरे लिए भक्ति मार्ग का चयन कर रखा था और मैं 1992 से भजनों में ज्यादा रम गया। मेरे कार्यक्रमों में भजनों के कार्यक्रम की संख्या लगभग 95 प्रतिशत है। सैकड़ों अखबारों ने मेरे कार्यक्रमों को कव्हर किया है। किसी ने लिखा ''लाईक मुकेश'' किसी ने लिखा ''मिठास से भरी आवाज''। ये भगवान का आशीर्वाद ही है।

संस्कृति को भी संवारा

श्री सोनी ने लुप्त प्राय हो रहे कुछ ऐसे भजनों को भी संवारा जो भारतीय संस्कृति की धरोहर हैं। श्री सोनी बताते हैं कि 'हरि सुमिरन' ये सीडी मैंने घर में बचपन में सुने हुए भजनों का संकलन कर बनायी है। इसमें भगवान को जगाने के भजन (प्रभाती), संध्या का भजन, भोग का भजन, दूधपान का भजन एवं इसी तरह जो भजन लुप्तप्राय हो रहे थे, उनका संकलन किया गया है। इसे भी लोगों का भरपूर आशीर्वाद मिला। दैनिक जनसत्ता ने लिखा कि जहां आज बच्चों की नींद टीवी के गानों या डीजे से खुलती है, वहां विजय सोनी ने प्रभाती गाकर एक सराहनीय काम किया है और अपनी लोक संस्कृति की अपार सेवा की है। इसके साथ राजस्थानी फिल्म ''एक छोरी फलानी'' आदि में भी गीत गाये।

नारी बनी ''प्रेरणा''

कहते हैं कि हर सफल पुरुष की सफलता के पीछे किसी न किसी नारी का हाथ होता है। यह उक्ति श्री सोनी पर चरितार्थ है। उनकी गीत-संगीत की इस यात्रा में उनकी प्रेरणा सर्वप्रथम उनकी माँ स्व.श्रीमती चाँददेवी बनी और उनके पश्चात प्रेरणा स्तम्भ धर्मपत्नी पुष्पा सोनी बनी हुई हैं। परिवार भी सफलता की ओर अग्रसर है। बड़े पुत्र विपुल वीआईटी युनिवर्सिटी से बी.टेक व छोटे वैभव सेंट जेवियर्स कॉलेज कोलकाता से बी.कॉम के साथ ही सीए व सीएफए कर रहे हैं। दोनों का भी संगीत की ओर रुझान है।

सम्पर्क- vijaysoni.cal@gmail.com

सम्मानीय पाठकों से विनम्र निवेदन

- श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशन के लिये उसी माह के आयोजन का समाचार प्रषित करें और वह उस माह की 20 तारीख तक कार्यालय में प्राप्त हो जाना चाहिए। एक माह से अधिक पुराना समाचार स्वीकार्य नहीं होगा।
- उपलब्धि कॉलम के अंतर्गत सिर्फ बोर्ड परीक्षाओं, उपाधि परीक्षा के अंतिम वर्ष या प्रतियोगी परीक्षाओं के समाचार ही प्रेषित करें।
- समाचार के साथ प्रेषित फोटो की स्पष्टता 600 डीपीआई से कम नहीं होना चाहिऐ। मोबाइल फोटो स्वीकार्य नहीं होंगे।
- साफ व टाईप किये समाचार के साथ अपना सदस्यता क्रमांक व मोबाइल नंबर अवश्य ही प्रेषित करें। इसके अभाव में समाचार का प्रकाशन नहीं हो सकेगा।
- ई-मेल से समाचार प्रेषित करने वाले पाठक अपना समाचार सिर्फ ई-मेल smt4news@gmail.com पर ही प्रेषित करें। समाचार प्राप्ति की जानकारी कार्यालयीन समय दोपहर 4 से शाम 7 बजे तक फोन- 0734-2553989 पर ली जा सकती हैं। कृपया वाट्सअॅप से समाचार या फोटो प्रेषित न करें। ये स्वीकार नहीं होंगे।
- जिन पाठकों की सदस्यता समाप्त हो गई है या शीघ्र ही समाप्त होने वाली है है वे सदस्यता शुल्क श्री माहेश्वरी टाईम्स के बैंक अकाउंट में सीधे जमा कर सूचित करें जिससे सदस्यता को नियमित रखा जा सके।
- पत्र व्यवहार के पते में परिवर्तन होने पर शीघ्र सूचित करें। अन्यथा पत्रिका प्राप्त न होने पर श्री माहेश्वरी टाईम्स जिम्मेदार नहीं होगी।
- जिन पाठकों ने सदस्यता लेते समय अपना फोन नं., मोबाइल नंबर व पिन कोड नं. आदि जानाकारी नहीं दी है। वे शीघ्र ही इनकी जानकारी श्री माहेश्वरी टाईम्स कार्यालय को दें, जिससे विभिन्न योजनाओं की जानकारी से अवगत करवाया जा सके।
- सम्मानीय पाठकों से विनम्र अनुरोध है कि पत्रिका आपको कैसी लग रही है और इसमें क्या सुधार किये जाने चाहिये, इसके लिये अपने सुझाव अवश्य ही दें।

भक्ति संगीत के संत
द्वारका मंत्री

वर्तमान में देश के लगभग 12 से अधिक राज्यों में भजनों की धुन पर झूमने वालों के लिये देवास निवासी द्वारका मंत्री एक ऐसा प्रतिष्ठित नाम है, जिनकी आवाज में एक जादू है। धार्मिक स्थलों पर आराधना की तरह अपनी प्रस्तुति देने की उनकी विशेषता ने उन्हें श्रृद्धालुओं के बीच एक संत की तरह लोकप्रियता दी है।

▸▸ SMT टीम

देवास के द्वारका मंत्री एक भजन गायक ही नहीं बल्कि एक ऐसे साधक हैं, जिनका सम्पूर्ण जीवन ही आध्यात्म को समर्पित है। भजन-संगीत ही उनकी उपासना का माध्यम है। देश के कोने-कोने में तो वे अपनी प्रस्तुति दे ही चुकें हैं, इसके साथ कई सीडी तथा सोश्यल मीडिया में यू-ट्यूब के माध्यम से भी उनकी आवाज अपना जादू बिखेर रही है। उनका किशोरावस्था से चला यह सफर इस तरह चला कि सम्पूर्ण जीवन ही ईश्वर भय हो गया। व्यावसायिक रूप से वे देवास में ''मंत्री आटोपार्ट्स'' के नाम से व्यावसायिक प्रतिष्ठान का संचालन करते हैं और आटोपार्ट्स, ट्रांसपोर्टर एवं मैकेनिक संघ के अध्यक्ष भी हैं। इसके बावजूद उनके भजनों का जादू ऐसा चला कि उनकी सबसे बड़ी पहचान ही भजन गायक की बन गई।

समाज सेवा से भजन गायन की शुरूआत

मिलनसार, सीधे-साधे व्यवहार के धनी, हंसमुख भजन गायक द्वारका मंत्री का देवास जिले के भौरसा नगर में 17 अगस्त 1968 जन्माष्टमी की रात्रि में माता मांगीदेवी तथा पिता स्व.श्री गोवर्धनलालजी मंत्री के आंगन में जन्म हुआ। पिता जी शुरू से ही राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े थे। अतः उनके साथ संघ की शाखाओं में रोज जाते थे। वहीं पर स्वयं सेवकों के बीच में राष्ट्रीय गीत और भजन गाते थे। संघ की विचारधारा से ओत-प्रोत हो समाज सेवा का संकल्प भी लिया और सुंदरकांड के माध्यम से घर-घर गांव-गांव सुंदरकांड का पाठ किया । इस समय श्री मंत्री की उम्र लगभग 15 वर्ष रही होगी। धीरे-धीरे भजन गायकी सीखने लगे, नगर में ही गणेश उत्सव, नवरात्रि, जन्माष्टमी पर सजीव झांकियों के माध्यम से भजन प्रस्तुत करते रहे। वहीं नवरात्रि में पूरे नगर में लगभग 10 स्थानों पर अपने मित्रों के साथ भजन प्रस्तुति एवं आरती करने हेतु जाते। जहाँ इनके भजनों पर लोग झूम उठते थे।

विवाह के बाद धर्मस्थलों का रूख

उच्च शिक्षा इंदौर के गुजराती कॉमर्स कॉलेज से पूर्ण करने के पश्चात देवास नगर में अपना निवास बनाया और यहीं पर व्यवसाय भी प्रारंभ किया। अपनो से मिली प्रशंसा एवं परिवार तथा समाज के सहयोग से लगातार आगे बढ़ते रहे। 30 अप्रैल1997 को मोहनलालजी माहेश्वरी (माहेश्वरी ड्रेसेस) की बेटी अनिता से विवाह संपन्न हुआ। चूंकि सोनी परिवार श्री लक्ष्मी वेंकटेश मंदिर छत्री बाग से जुड़ा हुआ था, श्री मंत्री ने भी वेंकटेश मंदिर के पीठाधीश्वर प.पू. स्वामी विष्णु प्रपन्नाचार्य जी महाराज को अपना गुरु बनाया। इस तरह मंदिर के अनेक उत्सवों में भजन गाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

इस तरह चली शिखर यात्रा

सन् 2001 में देवास की चामुण्डा मैया और तुलजा भवानी के भजनों की कैसेट ''चांदी चांदी हो गई'' तथा अपने पिता श्री स्व. गोवर्धनलालजी मंत्री की स्मृति में कृष्ण भजनों की कैसेट ''पुष्पांजलि'' प्रभु भक्तों को समर्पित की। इन दोनों कैसेटों ने रातों-रात द्वारका मंत्री को भजन गायक के रूप में प्रदेश में ख्याति दिलाई और यहीं से समय और जीवन दोनों ही बदल गए। इसके बाद तो, शेरो वाली का जग

हो गया दीवाना, चामुण्डा माँ का नाम लिए जा, हम तो मैय्या के गुण गाएंगे, लगा कुंभ का मेला, मैया रानी को मना लो, दीवाना राधे का सहित लगभग 18 आडियो वीडियो भक्ति संगीत जारी हुई, जिन्हें एलबम भक्तों ने बहुत पसंद किए। मैया का जादू व चांदी चांदी हो गई टी सीरीज कंपनी ने रिलिज की है।

भगवान के सभी रूपों की उपासना

उन्होंने बिना पूर्वाग्रह के भगवान् के सभी रूपों के गीत गाये। ''महावीर की वाणी गाएंगे'' जैन भजनों के ऑडियो एलबम को छत्तीसगढ़ से प.पू. राष्ट्रीय संत श्री विजयरत्न सुंदर सूरीश्वरी जी म.सा. एवं साध्वी श्री संवेगनिधि जी म.सा. के कर कमलों से रिलिज किया गया, जिसे जैन समाज ने बहुत पसंद किया। भगत के वश में है भगवान, पत्थर की राधा प्यारी, एक डोली चली एक अर्थी चली तथा चामुण्डा माता की कहानी- द्वारका मंत्री की पहचान बन गई। बाबा खाटू श्याम के कीर्तन में भी भजनों की प्रस्तुति से भक्त भाव विभोर हो जाते हैं। श्री मंत्री देवी भजन, सांई भजन, गुरु भजन, कृष्ण भजन और खाटू श्याम जी के भजनों की भक्तों के बीच भावपूर्ण प्रस्तुति देते हैं। वहीं कौमी एकता के कार्यक्रमों में कव्वाली की भी प्रस्तुति बहुत अच्छे से देते हैं।

देश के कोने-कोने में प्रस्तुति

भजनों को प्रस्तुत करने का श्री मंत्री का अपना अंदाज है। भक्त चार पांच घंटे तक भजनों की गंगा में डुबकी लगाते रहते है समय का अहसास भी नहीं होता और इसी कारण द्वारका मंत्री को चाहने वालों की एक लम्बी फेहरिस्त है। प्रमुख तीर्थ स्थल श्रीनाथजी, चार भुजाजी, गिरिराजजी, सांवरिया सेठ (मंडफिया), खाटू श्यामजी राजस्थान, ओंकारेश्वर, उज्जैन के महांकाल की शाही सवारी एवं ब्रह्म उत्सव के समय वेंकटेश मंदिर इंदौर में परिक्रमा के साथ देश की सबसे बड़ी तीसरी रथयात्रा में भजन प्रस्तुत करते हुए प्रदेश के छोटे-छोटे नगरों से लेकर बड़े शहरों तक भजनो की प्रस्तुति दी हैं। वर्तमान में गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ, बिहार सहित लगभग 12 प्रदेशों में भजन प्रस्तुति के लिए जाते है। देश के ख्याति प्राप्त संत महंतों के सानिध्य में भी भजन प्रस्तुत कर चुके हैं। अनेक राजनेताओं के कार्यक्रमों में भी भजनों की प्रस्तुति दे चुके हैं।

नि:स्वार्थ सेवा को समर्पित

जन्माष्टमी को देवास में माहेश्वरी समाज द्वारा निर्मित सांवरिया सेठ के मंदिर पर फूलबंगले के साथ भजनों की प्रस्तुति देते हैं। इसमें संपूर्ण हिंदू समाज, बोहरा समाज, मुस्लिम समाज के लगभग 15 हजार भक्तों की उपस्थिति होती है, जो समाज के लिए सम्मान के साथ साथ गौरव की बात भी है। वहीं हरतालिका तीज की रात्रि को पहले राजबाड़ा इंदौर पर रात्रि जागरण करते थे, अब देवास में सिद्धिविनायक ग्रुप द्वारा आयोजित कार्यक्रम में रात्रि 9 बजे से सुबह 4 बजे तक भजनों की प्रस्तुति देते हैं।

समाज सेवा में भी सतत सक्रिय

महीने में लगभग 15 से 20 दिनों तक भजनों के कार्यक्रमों में व्यस्त रहने के बावजूद श्री मंत्री सामाजिक क्षेत्र से भी जुड़े हैं। माहेश्वरी युवा संगठन देवास, चामुण्डा सेवा समिति देवास, मुक्तिधाम विकास समिति, गणेश देव स्थान मण्डलकालानी बाग, माँ अम्बिका रामायण मंडल भौरासा, ओम नमः शिवाय सेवा मंडल, खाटू श्याम गुणगान मंडल, श्री लक्ष्मी वैकटेश मंदिर छत्रीबाग के माध्यम से प्रभु भक्ति के साथ समाज सेवा में भी सक्रिय हैं। फागुन माह में पूरे महीने लगभग 28 दिनों तक तथा नौ रात्रि में लगभग 13 दिनों तक प्रतिदिन फाग उत्सव एवं भजन संध्या के कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं।

PANSARI GROUP
AN ISO 9001:2000 CERTIFIED COMPANY

Govindlal Pansari 9396663639
Gopal Pansari 9394001117
Vishnu Pansari 9133311333

Balaji Ramakishan Pansari
Maheshwari Poly Sacks
Mansarovar Agro Sacks
Mansarovar Agro Sacks Pvt. Ltd.
Pansari Foundation

Regd. Office : 15-2-263, Maharaj Gunj, Hyderabad-500 012 (TS)
Tel (O) 040-24601117, 24741117, 24746543, (R) 040-24611582
Website : www.pansarigroup.com, E-mail : pansarigroup@yahoo.com

Spectrum TM
Where service is religion

Bhagwan Pansari 9000715550
Nikhil Pansari 9000481117
Neeraj Pansari 9000581117

भक्ति के विभिन्न मार्गों में से ही एक है, गीत-संगीत। वह परमानंद को प्रदान करवा सकता है, बस इसके लिये सच्चे समर्पण व तन्मयता की जरुरत होती है। भजन गायकों में इंदौर निवासी भोंपूजी एक ऐसा ही सम्मानित नाम हैं, जिनकी छवि इस क्षेत्र में किसी संत से कम नहीं है। किसी भी कार्यक्रम में जब ये भजनों का रस बरसाते हैं, तो श्रोता भाव विभोर हो झूमने से अपने आपको रोक नहीं पाते।

▸▸ SMT टीम

सूर संगीत के संत भोंपूजी

गीत-संगीत वह परमानंद है जो हमारी आत्मा को भी झंकृत कर देते हैं। जब इस गीत-संगीत के साथ भजनामृत बरसता है तो स्वयं भगवान भी दौड़े चलते आते हैं। ऐसे ही भजनों के अमृत की निःस्वार्थ भाव से वर्षा करते चले आ रहे हैं, इंदौर के हरिकिशन साबू उर्फ भोंपूजी। एक बार गुमाश्तानगर रामायण मंडल द्वारा नंदोत्सव मनाया जा रहा थे। इस कार्यक्रम में भोंपूजी भी भजनों की प्रस्तुति दे रहे थे। उनका पूरा परिवार भी वहाँ उपस्थित था। नंदोत्सव प्रसंग के दौरान बाल-कृष्ण के प्रेम में भावविभोर होकर भोंपूजी ने जमकर सूखे मेवें लुटाए। जब वे परिवार सहित कार्यक्रम की समाप्ति कर घर लौटे तो उनके आश्चर्य का ठिकाना न रहा। भोंपूजी की माताजी ने घर के अंदर बने बालाजी मंदिर के पट खोले तो वहाँ बड़ी मात्रा में सूखे मेवे बिखरे पड़े थे, जबकि वहाँ से जाने के पूर्व वहाँ एक भी मेवे का नामोनिशान नहीं था।

उपासना की तरह होते हैं आयोजन

उनके आयोजनों में व्यावसायिकता के स्थान पर शुद्ध भक्ति-भाव होता है। वे भजनों का कार्यक्रम विशुद्ध मन से और निःस्वार्थ भाव से भगवान को समर्पित हो देते हैं। इसमें भी इन कार्यक्रमों में उनकी तन्मयता समाधि की हद तक चली जाती है। उनकी तन्मयता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि चाहे भक्ति-संगीत का कार्यक्रम 5-6 घंटे लंबा ही क्यों न हो, वे इस अवधि में कुछ नहीं खाते हैं, यहाँ तक की पानी तक नहीं पीते और इसकी उन्हें आवश्यकता भी नहीं लगती। भोंपूजी अभी तक म.प्र. के लगभग सभी शहरों के साथ द्वारिका, बद्रीनाथ, तिरुपति, पुष्कर, मुंबई, जलगांव आदि सहित देश के कई शहरों में सैकड़ों भजन कार्यक्रमों की प्रस्तुति दे चुके हैं। आप अपने कार्यक्रमों की प्रस्तुति सिर्फ ईश्वर आराधना स्थलों या सार्वजनिक स्थलों पर ही देते हैं।

कैसे बने हरिकिशन से ''भोंपूजी''

उनको उप नाम 'भोंपूजी' ईश्वरीय प्रेरणा से ही मिला। यह नाम उन्हें आशीर्वाद के रूप में अपनी माँ से प्राप्त हुआ था। भोंपूजी का जन्म 13 दिसम्बर 1955 को इंदौर शहर में एक सुसंस्कारित परिवार में हुआ था। आपके पिता स्व. श्री फूलचंद साबू थे। आपकी माता श्रीमती सुभद्राजी साबू हैं, जिनकी सांसों के आरोह और अवरोह में भगवान श्रीकृष्ण बसे हैं। आपकी माता के कहे अनुसार जन्म से 6 माह तक लगातार वे बहुत रोते थे, तो घर वाले कहने लगे यह ''भोंपू'' की तरह लगातार बजता रहता है, तब से इनके नाम के साथ भोंपू उपनाम जुड़ गया। ईश्वर की विडम्बना देखिये कि ये ही भोंपू अब जब बजता है, तो सुर ताल और ईश्वरीय आराधना की ऐसी स्वर लहरियाँ गूंजती हैं कि संपूर्ण माहौल उस अद्वितीय शक्ति के साथ एक रस हो जाता है।

गुरु की प्रेरणा ने बदला जीवन

आपके जीवन में गुरु रामानुजाचार्य सम्प्रदाय बनारस के स्वामी शवाचार्यजी (बालक स्वामीजी) के आशीर्वाद व प्रेरणा ने भारी परिवर्तन किया। उनकी ही प्रेरणा से आप भक्ति-संगीत के क्षेत्र में भजन-गायन के प्रति समर्पित हुए। इससे पूर्व आप शौकिया तौर पर फिल्मी गीत ही गाते थे। आपके भजनों का सर्वप्रथम कार्यक्रम इंदौर में महेशनगर में झूला महोत्सव के दौरान हुआ और इस प्रथम आयोजन में ही भक्ति-संगीत की ऐसी स्वर लहरी गूंजी कि जो गूंजती ही चली गई।

अद्भुत वैंकटेश मन्दिर की स्थापना

वर्तमान में इन्दौर शहर में चार वैंकटेश मन्दिर है, लेकिन इनमें श्री पद्मावती वैंकटेश मन्दिर अपने आपमें अद्भुत है। यह इन्दौर का पहला ऐसा मन्दिर है, जहाँ पुष्करण तीर्थ (कुण्ड) का निर्माण कियागया है। आने वाले दिनों में यहाँ गोपुरम (विशाल द्वार) के निर्माण की योजना भी है। इसके अतिरिक्त कई विभिन्न धार्मिक संस्थाओं से भी आप सम्बद्ध हैं, जिनमें गोविन्द देशीक आश्रम वृन्दावन भी शामिल है। इसके साथ ही स्वयं का स्वभाव भी इतना सरल है कि कोई सामाजिक संगठन हो या कोई जरूरतमंद यदि भोंपूजी से कोई सम्पर्क करता है तो निराश नहीं होता। भोंपूजी जो सम्भव हो, वह मदद अवश्य ही करते हैं।

वर्तमान में भी गुरु के प्रति समर्पण के भाव के कारण आप बालकस्वामीजी के सान्निध्य में प्रतिवर्ष चारोधाम में 8 दिवसीय कार्यक्रमों की प्रस्तुति देते हैं। इस दौरान अपनी 40-50 कलाकारों की टीम के साथ पूरे दस दिन तक वहाँ ठहरते हैं और इस पूरी टीम के खर्च की व्यवस्था स्वयं भोंपूजी अपने स्तर पर करते हैं। भोंपूजी इंदौर में जब भी रहते हैं तो अपने इष्टदेव मंदिर मोरसली गली स्थित हनुमान मंदिर में दर्शन के लिये अवश्य ही जाते हैं।

ऐसे चली भक्ति-संगीत की यात्रा

भोंपूजी ने भजन कार्यक्रमों की शुरुआत तो अकेले ही की लेकिन फिर इनके साथ कई ख्यात लोग जुड़ते चले गये और श्रीराम भक्त हनुमान मंडल का गठन किया। इसके गठन में स्व. श्री रामचंद्र सिंघानिया, दिनेश शुक्ला व राजेश जोशी की अहम भूमिका रही। दिनेश शुक्ला स्वयं राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त तबला वादक हैं, जो आज उनकी भजन मंडल का एक हिस्सा बन चुके हैं। उनके ये आयोजन विशुद्ध भक्ति भाव से भगवान को समर्पित रहे हैं। प्रारंभ में तो इन भजन कार्यक्रमों की प्रस्तुति का सम्पूर्ण खर्च भोंपूजी स्वयं वहन करते थे लेकिन विगत 10 वर्षों से बढ़ती महंगाई की स्थिति में टीम के अन्य सदस्यों का खर्च यदि आयोजक देने में समर्थ हो तो भोंपूजी लेने में संकोच नहीं करते। स्वयं भोंपूजी तो अभी भी किसी भी कार्यक्रम का कोई शुल्क लेते ही नहीं हैं।

कई एलबम में भजन संग्रहित

भक्ति रस से परिपूर्ण उनके भजन अब स्थायी स्मृति भी बनते जा रहे हैं। वर्तमान में उनकी 7 से अधिक सीडी तैयार हो चुकी है- इनमें 'प्रभु की लीला', 'हरि आ जाओ', 'सांवरिया की रेल', 'श्याम रंगीला', 'बोल मीरा छे', 'यशोदा का पोरिया' आदि प्रमुख रूप से शामिल हैं। लोकर्पित हो चुकी एम.पी.-3 में 'वैंकटेश' 'हनुमान', 'गोविंद आले' तथा 'कान्हा मैला में ले चल' आदि प्रमुख हैं।

श्री द्वारिकाधीश विजयते

भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि

द्वारकाधाम

में 'श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट' द्वारा संचालित
अत्याधुनिक सुविधायुक्त एकमात्र माहेश्वरी अतिथि गृह

माहेश्वरी सेवा कुंज

21, द्वारकेश पार्क सोसायटी (अम्बुजा प्लाट), नागेश्वर रोड,
देवभूमि द्वारका-361335 (गुजरात),
दूरभाष- 02892-235553 / 235554, मो. 097271-22111
E-mail : maheshwarisewakunj@gmail.com

आप अपना आरक्षण ई-मेल अथवा फोन से करवा सकते हैं

उपलब्ध सुविधायें

- ए.सी. व टी.वी. से सुसज्जित 47 डबल बैडरूम (अटैच्ड लैट, बॉथ)।
- 4 फैमिली ए.सी. हॉल (6 व्यक्तियों की क्षमता वाले)।
- अत्याधुनिक किचन के साथ वातानुकुलित भोजनशाला।
- वाई-फाई सुविधा से युक्त पूरा भवन
- विभिन्न मंजिलों पर जाने के लिये दो लिफ्ट की सुविधा।
- स्वच्छ आर ओ पेयजल की सुविधा
- भव्य एयरकंडीशन सत्संग हॉल।
- कार पार्किंग की सुरक्षित व्यवस्था।

श्यामसुंदर कासट
अध्यक्ष
मो.- 098315-55555

रामस्वरूप जैथलिया
महामंत्री
मो.- 096490-79999

विनोद कुमार बांगड
कोषाध्यक्ष
मो. 094142-12835

संगीत में एक विशेष सम्मोहन होता है। यही कारण है कि इसे भक्ति का सबसे श्रेष्ठ माध्यम माना जाता है। नागपुर की ज्योत्सना जाजू एक ऐसी ही प्रख्यात गायिका हैं, जिन्होंने अपने गीत-संगीत को भक्ति की ऐसी राह दिखाई कि वह पावन गंगा बन कई लोगों के अंतर्मन को पवित्र कर रही है। इतना ही नहीं वर्तमान में तो श्रीमती जाजू गीत संगीत का प्रशिक्षण देकर लोगों को पारंगत करने का पुनीत कार्य भी कर रही हैं। ▸▸ SMT टीम

स्वर से साधना की पथिक

ज्योत्सना जाजू

सुरों में एक अद्भभुत व आलौकिक आनंद है और जब यह भक्ति रस से रंगता है, तो परमानंद से परिपूर्ण हो जाता है। ऐसे ही अपने सुरों से भक्ति रस की वर्षा कर रही हैं, नागपुर की ज्योत्स्ना जाजू। आकाशवाणी हो या दूरदर्शन अथवा कैसेट-सीडी, कोई भी गीत-संगीत का ऐसा मार्ग नहीं है जिस पर ज्योत्स्ना की पदचाप न हो। वे गीतों की प्रस्तुति आकाशवाणी केंद्र नागपुर से दे रही हैं। नागपुर दूरदर्शन केंद्र से भी उनके ''लाईव'' शो प्रसारित हुए हैं। विभिन्न महत्वपूर्ण पर्व व अवसरों पर म्यूजिक कंपनी ऑफ इंडिया ने उनकी सीडी व कैसेट ''कोशिश-ए-गजल'' और ''नाम संकीर्तन'' तथा ''भजन शृखंला'' भी तैयार की हैं, जो संगीत व भजन रसिकों में अत्यधिक लोकप्रिय हो रहे हैं। इसी प्रकार माहेश्वरी विवाह में लगने वाले गीतों सी.डी. क्रमशः 'ब्याह रो चावपार्ट-1' एवं पार्ट-2 भी प्रकाशित हुए हैं। सफर यहीं नहीं रुकता। इन्होंने प्रसिद्ध शायरों की गजलों को संगीतबद्ध भी किया। 'कोशिश-ए-गजल' इसका ही नायाब नमूना है।

बचपन से रही सरस्वती की कृपा

वर्धा में रहते हुए सुर-संगीत की यह साधना ज्योत्सना ने मात्र तीन वर्ष की नादान उम्र से ही अनजाने ही प्रारंभ कर दी थी। उस समय उनकी बुआ सितार वादन सीखने जाती थी और ज्योत्सना को भी परिवार वालों के कहने पर वैसे ही साथ ले जाती थीं। बुआ के साथ जाते-जाते ही सहजता में ही उन्होंने उस उम्र में संगीत के प्रारंभिक गुर सीख लिये। एक-दो वर्ष बाद बुआ का विवाह हो गया, लेकिन ज्योत्सना की दिलचस्पी को देखते हुए उनके परिवार वालों ने उन्हें संगीत सीखने से नहीं रोका और उनकी यह यात्रा सतत रूप से चलती ही रही।

उच्च शिक्षा ने हीरे की तरह तराशा

जब वे कक्षा 9वीं में ही अध्ययनरत थीं, तभी उन्होंने संगीत विशारद की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली। इसके पश्चात सितार व दिलरूबा आदि वाद्य बजाना सीखे तथा कक्षा 11 वीं के दौरान प्रायवेट रूप से संगीत की परीक्षा भी उत्तीर्ण की। इसके पश्चात आर्वी से म्यूजिक से बी.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की। इस दौरान कई संगीत प्रतियोगिताओं में भी भाग लिया और उनमें भी अव्वल रही। इसके पश्चात एम.ए. म्यूजिक की परीक्षा मैरिट होल्डर के रूप में उत्तीर्ण की जबकि परीक्षा के दौरान अस्वस्थ चल रही थीं।

सफलता में परिवार का साथ

श्रीमती जाजू अपनी इस सफलता का श्रये अपने माता-पिता, श्वसुर व पति के प्रोत्साहन को देती हैं। जब आप एम.ए. फायनल की परीक्षा दे रही थीं। उसी दौरान आपका विवाह नागपुर के प्रतिष्ठित व्यवसायी श्री लक्ष्मीनारायण जाजू के सुपुत्र मनोजकुमार जाजू के साथ हो गया। इसके पश्चात् पति व श्वसुर के प्रोत्साहन से बाम्बे से एम.फिल किया। इसके लिये वहां कुछ दिन होस्टल में रहीं। फिर पेईंग गेस्ट रहीं व फ्लेट किराये से लेकर वहाँ रह कर भी शिक्षा पूर्ण की। इसके पश्चात् यवतमाल के एक कॉलेज में स्थाई पद पर लेक्चरर के रूप में कार्य किया, लेकिन पारिवारिक कारणों से नौकरी छोड़ दी।

संगीत गुरु की भूमिका

वर्तमान में भी आप पूर्ण समर्पित भाव से गीत-संगीत में अपना योगदान दे रही हैं। आकाशवाणी व दूरदर्शन आदि पर कार्यक्रमों के प्रसारण, स्टेज शो कैसेट-सीडी आदि के माध्यम से सुर-लहरी के साथ ही ज्योत्सना नई पीढ़ी को संगीत के गुर सिखाने में भी पीछे नहीं है। वर्तमान में आप इसके लिये संगीत अकादमी भी चला रही हैं। जिसमें 100 से अधिक विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। अपने समाज की सभी महिलाओं एवं बालक-बालिकाओं को आगे लाने की ललक में स्वयं की संस्था ''बरखा बहार आई '' के माध्यम से मंच-गायन, मंच सचांलन के अवसर प्रदान करती है। माइक का डर व स्टेज का डर उनके मन में निकालने की जिम्मेदार इसमें बखूबी निभा रही हैं।

अत्यन्त लोकप्रिय हुई महेश वन्दना

'श्री माहेश्वरी टाईम्स' समाज में एक रूप ''महेश वन्दना'' की कमी महसूस कर रही थी। अतः इसे एकरूपता के साथ एक स्वर में गाये जाने के सपने को साकार करने के लिए इसकी म्यूजिकल ऑडियो सीडी तैयार करने का संकल्प लिया गया, इसमें सहभागी बनी श्रीमती जाजू। ''श्री माहेश्वरी टाईम्स'' ने समाज में प्रथम बार ''श्री महेश वन्दना'' को संगीतमय सीडी के रूप में वर्ष 2013 में कम्पोज करवाया, जिसमें श्रीमती जाजू ने अपनी मधुर आवाज़ दी है। यह ऑडियो सीडी समाज में अत्यनत लोकप्रिय हुई। इसके साथ ही श्रीमती जाजू द्वारा गाये गये ''स्वागत-गीत'' में समाज के आकर्षण का केन्द्र है।

लड़के–लड़कियों के रिश्ते ढूँढ़ना हुआ बेहद आसान
हमारी Website है इसका सही समाधान

रिश्ते ही रिश्ते

High Status, Middle Status
NRI, Manglik, Non Manglik
Bio-Data MBA, MCA, Doctor,
Eng. Bio-Data CA, CS,
ICWA Bio-Data

Graduate,
Post Graduate Bio-Data
Professional Bio-Data
Businessman Bio-Data
Service Class Bio-Data

वैवाहिक रिश्ते

माहेश्वरी समाज के लिए 60,000 से अधिक
जैन समाज के 70,000 से अधिक
अग्रवाल समाज के 1,00,000 से अधिक

Registration Free

Website:
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agarwal2agarwal.org

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110 060
Phones: 011-25746867, 09312946867

जब कर्म ही ईश्वर को समर्पित हो जाए तो वह स्वत: भक्ति बन जाता है। अपने गीत-संगीत के जादू से भक्ति-संगीत के क्षितिज का चमकता सितारा भीलवाड़ा निवासी स्वर कोकिला सुमन सोनी ऐसे ही आध्यात्म के दीप जला रही हैं। वर्तमान में देश के भक्ति संगीत में श्रीमती सोनी एक अत्यंत प्रतिष्ठित नाम है।

▸▸ SMT टीम

स्वर से आध्यात्म के दीप जलाती स्वर कोकिला सुमन सोनी

वर्तमान में भक्ति संगीत के प्रेमियों के लिये भीलवाड़ा की सुमन सोनी एक ऐसा जाना माना नाम है, जिसकी आवाज श्रोताओं को आध्यात्म की भावनाओं से ओतप्रोत किये बिना नहीं रहती। चाहे संस्कार आदि टीवी चैनल हो या आडियो विडियो हर माध्यम पर उनकी आवाज अपना जादू बिखेर रही है। पार्श्वगायिका के रूप में भी श्रीमती सोनी फिल्मों में कई गीतों को अपनी आवाज दे चुकी हैं। आप भीलवाड़ा के ख्यात समाज सेवी रामस्वरूप सोनी की पत्रवधू हैं और इस मुकाम पर पहुंचने का श्रेय वे परिवार को प्रोत्साहन को देने से भी नहीं चुकती।

इस तरह बनी ''स्वर कोकिला''

कुछ लोगों को कला प्रकृति प्रदत्त उपहार के रूप में मिलती है और वे इसी कला के माध्यम से परिवार, समाज और देश में अपना अलग मुकाम हासिल करते हैं। श्रीमती सोनी ने कुछ इसी तरह से गीतों-भजनों के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है। लेकिन इस क्षेत्र में पिछले कई वर्षों की मेहनत का प्रतिफल उन्हें अब जाकर मिला है कि उनका नाम हर एक जुबान पर है। जब वर्ष 2009 में मेवाड स्वर कोकिला अवार्ड के लिए उनके नाम का चयन हुआ और उन्हें अवार्ड से नवाजा गया तो किसी को भी आश्चर्य नहीं हुआ।

बचपन का शौक चढ़ा परवान

अजमेर जिले के सरवाड़ कस्बे में स्व.श्री वासुदेव व कँवरबाई लड्ढा के यहाँ जन्मी सुमन को बचपन से ही नृत्य, संगीत, मेहंदी, पेटिंग्स, एंकरिंग आदि कलाओं में निपुणता की वजह से घर-परिवार व समाज से प्रोत्साहन मिलता रहा। भीलवाड़ा निवासी साबुन निर्माता सुरेश सोनी से विवाह होने के पश्चात ससुराल की तरफ से भी प्रोत्साहन मिलने लगा। उनका शौक धीरे-धीरे परवान चढ़ता चला गया और छोटे-बड़े कई अवार्ड बटोरने के साथ-साथ वे अपनी कला का प्रदर्शन देश के विभिन्न प्रतिष्ठित मंचों पर कर चुकी हैं। वर्तमान में श्वसुर श्री रामस्वरूप सोनी व सास चन्द्रकान्ता भी माता-पिता की तरह प्रेरणा-स्रोत बने हुए हैं।

पाश्चात्य संगीत से रही कोसों दूर

उनका कहना है कि परिवार व समाज से मिले संस्कारों के चलते वे पश्चिमी संगीत संस्कृति को अपनाना नहीं चाहती तथा भारतीय संगीत व नृत्य, गीत-गजल-भजन आदि में डूबे रहना चाहती हैं क्योंकि संगीत इन्सान की रूह को सुकून देता है। वे कहती हैं कि पहले के समय की अपेक्षा मौजूदा दौर में संगीत के शौक को आगे बढ़ाने के कई माध्यम हो गए हैं, बेहतर राह मिल जाए तो प्रतिभा को कोई रोक नहीं सकता। इसी क्रम में उन्होंने भी लोक कलाकारों और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के लिए कई प्रशिक्षण शिविरों में निःशुल्क प्रशिक्षण देने के साथ एस.एस. फिल्म्स और टीवी नेटवर्क सर्विसेज, इण्डिया जो संगीत के क्षेत्र में जानी पहचानी कम्पनी है, की चीफ एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में कई विडियो-ऑडियो भजनों एवं गीतों की एलबम का निर्माण किया है। वे कई विडियो एलबम का निर्देशन भी कर रही हैं। वे चाहती हैं कि ग्रामीण क्षेत्र की लड़कियों व महिलाओं को इस क्षेत्र में आगे बढ़ने में वे भी मददगार हो सकें।

कला ने दिलाया सम्मान

गीत-संगीत के क्षेत्र में योगदानों के लिए श्रीमती सोनी मेवाड़ स्वर कोकिला अवार्ड के साथ ही लता मंगेशकर स्वर साधना पुरस्कार, अनुराधा पोडवाल अवार्ड, स्व. श्री रामजसजी सोडाणी-राज्य स्तरीय प्रबुद्ध गीतकारा पुरस्कार, गुजरात माहेश्वरी समाज द्वारा सर्वोच्च सम्मान ''समाज गौरव रत्न अवार्ड'', वर्ष-2011 में ''राष्ट्रीय माहेश्वरी महिला रत्न अवार्ड'' महिलाओं के लिए सामाजिक क्षेत्र में योगदान हेतु राष्ट्रीय ''आधी आबादी अवार्ड-2014'' तथा सामाजिक, आध्यात्मिक तथा साहित्यिक क्षेत्र में योगदान हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार ''प्राईड ऑफ इण्डिया अवार्ड 2015'' आदि से अलंकृत हो चुकी हैं। अन्तर्राष्ट्रीय म्यूजिक कम्पनी ''दी सोल'' द्वारा संगीत के माध्यम से धर्म और आध्यात्म के प्रचार-प्रसार के लिए श्रीमती सोनी को सम्पूर्ण भारत की वर्ष 2015- से 2018 तक के लिए ''ब्राण्ड एम्बेसेडर'' नियुक्त किया गया है।

समाजसेवा में भी सक्रिय

अपनी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद श्रीमती सोनी समाज में भी सतत रूप से सेवा दे रही हैं। आप सम्बोधि महिला मण्डल-सचिव, लोक कला मंचन संस्थान-प्रान्तीय अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब राजस्थान की प्रान्तीय अध्यक्ष, प्रोग्रेसिव जर्नलिस्ट फोरम-राजस्थान की प्रदेश सचिव, पूर्व छात्रा परिषद् गर्ल्स कॉलेज भीलवाड़ा की अध्यक्ष, साहित्यिक संस्था ''खिलते फूल'' की सचिव व अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य परिषद् की जिला सचिव हैं।

ईश्वर ने ही 'प्रेरणा' दी और भीलवाड़ा की प्रेरणा माहेश्वरी की आवाज ने मधुर संगीत के साथ मात्र 3 वर्ष की आयु से ही भजनामृत बरसाना प्रारम्भ कर दिया। वर्तमान में उनकी आवाज के देश के कई ख्यात गायक भी कायल हैं। 25 वर्षीय प्रेरणा देश के लगभग अधिकांश प्रदेशों में अपने भजनों की प्रस्तुति दे चुकी हैं।

SMT टीम

भजन कोकिला
प्रेरणा माहेश्वरी

भीलवाड़ा की प्रेरणा माहेश्वरी एक ऐसी भजन गायिका हैं, जिनकी सुमधुर आवाज की यह खूबी ही ईश्वर की प्रेरणा या कहें एक अद्भुत देन है। उन्होंने भी अपने आवाज के जादू की इस ईश्वरीय देन को ईश्वर के प्रति ही समर्पित कर दिया। मात्र 3 वर्ष की आयु से प्रारम्भ उनकी भक्ति संगीत की इस लगभग 22-23 वर्षो की सफल यात्रा के गवाह देश के लगभग हर प्रदेश बन चुके हैं।

पारिवारिक माहौल भी बना सहयोगी

माहेश्वरी (मोदी) परिवार में जन्म लेने के कारण इस दुनिया में आँख खोलते ही प्रेरणा को धार्मिक माहौल ही मिला। दादा-दादी की स्नेह छांव में 14 मार्च 1990 को प्रेरणा का जन्म जगदीशप्रसाद माहेश्वरी (मोदी) व सावित्री देवी मोदी के यहां कोटा (राज.) में हुआ। पारिवारिक माहौल ने ईश्वर-प्रदत्त कोयल-सी मीठी आवाज को बोलना सीखने के साथ ही भजनामृत के स्वर भी दे दिए और मात्र 3 वर्ष की आयु से ही मंचों से अपनी मीठी आवाज से भजनों की प्रस्तुति देने लगी।

हर किसी ने सराहा

उनके भजन बाबा श्याम, कन्हैया, हनुमानजी, दादी राणी सती आदि से प्रमुख रूप से संबंधित है। अभी तक प्रेरणा पंजाब, हरियाणा, आंध्रप्रदेश, आसाम, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ व राजस्थान के अनेक जिलों में अपनी मधुर आवाज में प्रस्तुति देकर दर्शकों को मुग्ध कर चुकी हैं। कई अंतर्राष्ट्रीय भजन गायकों जैसे लखबीरसिंह लक्खा, कु. विशु, संजय मित्तल आदि के साथ भी अपने भजनों की प्रस्तुति दे चुकी हैं। देशभर में अभी तक प्रेरणा 1 हजार से अधिक भजन कार्यक्रम प्रस्तुत कर चुकी हैं।

गीत व भक्ति-संगीत के क्षेत्र में हिंगणघाट (महा.) निवासी संगीता जाखोटिया एक ऐसा सितारा हैं, जिनकी चमक 45 वर्षों से भक्ति संगीत के क्षितिज पर है। उनकी यह भक्ति-संगीत की यात्रा 5-6 वर्ष की अबोध आयु से प्रारंभ हुई और उम्र का अर्द्धशतक पूरा करने पर भी सतत जारी ही नहीं बल्कि शिखर की ओर अग्रसर है।

भक्ति और संगीत को जीवन अर्पण
संगीता जाखोटिया

हिंगणघाट जैसे महाराष्ट्र के छोटे से शहर का नाम भक्ति संगीत से रोशन कर रही हैं, 50 वर्षीय ख्यात गायिका संगीता जाखोटिया। गत 15-16 वर्षों में वे अनगिनत स्टेज शो दे चुकी है और उनके गीतों व भजनों की 100 से अधिक सी.डी. संगीत का रसामृत बरसा रही हैं।

अबोध आयु में हुई शुरुआत

श्रीमती जाखोटिया का जन्म जमशेदपुर के तापड़िया परिवार में हुआ था। कलकत्ता के मीमानी परिवार में ननिहाल है। पारिवारिक रूप से मिले संस्कारों और माता सरस्वती की कृपा से बचपन से ही गीत-संगीत के प्रति विशेष रुचि थी। अतः परिवार ने प्रोत्साहित करते हुए 7 साल की अवस्था से ही उनकी संगीत की शिक्षा प्रारंभ कर दी। उस समय वे तब भागवत में गीत-संगीत की संगत व धार्मिक कार्यक्रमों में भजनों की प्रस्तुति भी देती थी।

विवाह के बाद बदली दिशा

आपका विवाह ख्यात कपड़ा व्यवसायी नारायणदास जाखोटिया के साथ हुआ। विवाह के पश्चात 8 वर्ष तक पारिवारिक कारणों से इस क्षेत्र में कोई योगदान नहीं दे पाई। इसके पश्चात सर्वप्रथम प्रस्तुति हिंगणघाट में ही एक रिश्तेदार के वैवाहिक कार्यक्रम में दी। महाराष्ट्र बोर्ड से संगीत में "गंधर्व" परीक्षा उत्तीर्ण की और इसके पश्चात गीत-संगीत व भजनों की ऐसी गंगा बहाई, जो श्रोताओं के तन-मन को पावन कर रही है। उनके स्टेज कार्यक्रमों की विशेषता यह है कि वे लगातार 3 घंटे तक कार्यक्रम देती हैं और वह भी इतनी तन्मयता से कि स्वयं भी सुधबुध खो देती हैं और श्रोता भी।

सेवा ही जिनका धर्म-कर्म

रामकुमार भूतड़ा

माहेश्वरी समाज में समाजसेवा के क्षेत्र में रामकुमार भूतड़ा एक ऐसा नाम है, जिनका जीवन ही समाजसेवा को समर्पित है। अपनी इस सेवा यात्रा में वे लगभग 25 वर्षों से भी अधिक समय से शिखर के पदों पर सेवा देते हुए वर्तमान में महामंत्री के रूप में अ.भा. माहेश्वरी महासभा को भी नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं।

देश ही नहीं बल्कि देश की सरहदों के बाहर तक भी माहेश्वरी समाज में समाजसेवा के क्षेत्र में रामकुमार भूतड़ा एक ऐसा प्रतिष्ठित नाम है, जिनकी सेवाओं के सामने हर समाजसेवी नतमस्तक है। श्री भूतड़ा की सेवा यात्रा किशोरावस्था से ही प्रारंभ हो गई थी। वर्ष 1977 से 1995 तक ग्राम एवं क्षेत्र की राजनीति में शीर्ष पर रहे। वर्ष 1988 में नागौर माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष के रूप में समाज सेवा में खुलकर सामने आये। विभिन्न संस्थाओं को अपनी सेवा देते हुए उन्होंने 10 वर्षों तक देश की शीर्ष सेवा संस्था अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर को अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवा दी। वर्तमान में जून 2013 में हुए चुनाव के पश्चात से समाज की शीर्ष संस्था अ.भा. माहेश्वरी महासभा को उसके वर्तमान 27 वें सत्र में महामंत्री के रूप में सेवा दे रहे है।

हर जगह बनाया इतिहास

श्री भूतड़ा की समाज में प्रतिष्ठा एक ऐसे समाज सेवी के रूप में है, जो नया इतिहास रचते हैं। श्री भूतड़ा वर्ष 1977 से ही अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर से जुड़ गये थे। विभिन्न पदों पर रहते हुए अध्यक्ष के रूप में बागडोर वर्ष 2003 में सम्भाली। इसके पश्चात वे इसके दो सत्रों तक सतत अध्यक्ष रहे। अपने इस कार्यकाल में भी उन्होंने इतिहास ही रचा। इस अवधि में इसका ऐसा विस्तार हुआ कि इतिहास बन गया। इतना ही नहीं सिर्फ भवन व्यवस्था तक सीमित इस संस्था ने कई अन्य समाजसेवी प्रकल्पों की ओर भी कदम बढ़ा लिये। इस दौरान आयोजित हरिद्वार कुंभ में 90 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के आवास व भोजन आदि की व्यवस्था की। सेवा गतिविधियों में कॅरियर गाईडेंस व कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर, इतिहास शोध व जननी सम्मान समारोह आदि की शुरूआत की गई।

महासभा में मिली विशेष चुनौती

वर्ष 2013 में हुए चुनाव में श्री भूतड़ा अ.भा. माहेश्वरी महासभा के महामंत्री चुने गये। इस सत्र में वैसे तो सभापति के रूप में महासभा का नेतृत्व वरिष्ठ समाजसेवी जोधराज लड्ढा को सौंपा गया लेकिन फिर भी अधिकांश जिम्मेदारी श्री भूतड़ा पर ही आ गई। इस सत्र के प्रारंभ होने के कुछ समय पश्चात से ही सभापति श्री लड्ढा अस्वस्थ रहने लगे। ऐसी स्थिति में वे सिर्फ औपचारिक रूप से ही बैठकों में भाग ले पा रहे थे। अतः महासभा की गतिविधियों की समस्त जिम्मेदारियाँ श्री भूतड़ा पर आ गई। श्री भूतड़ा अत्यंत कुशलता के साथ सभापति के मार्गदर्शन में आपनी जिम्मेदारियों को वर्तमान में भी निभा रहे हैं। इस सत्र में महासभा द्वारा समाज हित में दो नये सेवा ट्रस्टों की सौगात दी है, जिनमें "मातोश्री प्रकोष्ठ" व "माहेश्वरी सर्वांगीण विकास प्रकोष्ठ" शामिल हैं। महामंत्री के रूप में श्री भूतड़ा की सबसे बड़ी उपलब्धि इस शीर्ष संस्था को जन-जन तक पहुँचाना है। इसके लिए श्री भूतड़ा ने पूरे देश का सतत भ्रमण किया और देश के कोने-कोने में बैठकें आयोजित कर संगठन की योजनाओं को तो पहुँचाया ही, साथ ही आचार संहिता व समस्याओं के प्रति जन जागरण का अलख भी जलाया।

कठिन परिस्थितियों से जीवन की शुरुआत

भगवान श्रीकृष्ण के जन्म दिवस जन्माष्टमी पर सन् 1949 में राजस्थान के एक छोटे से गाँव डोडीयाना, तहसील डेगाना, जिला नागौर में स्व. श्री शिवदयाल भूतड़ा के यहाँ एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे रामकुमारजी का बाल्य जीवन भी भगवान श्री कृष्ण की तरह ही रहा। उन्हें भी अपने गाँव से बेहद लगाव रहा। अपने गाँव की सुविधाविहीनता व पिछड़ापन उन्हें बहुत कष्ट देते थे। स्वयं की पढ़ाई भी उन्हें पारिक संस्कृत विद्यालय मेडता सिटी तथा कक्षा 9 से 10 तक की सांईनाथ विद्या मंदिर बडायली में पूर्ण करनी पड़ी। इसके बाद कक्षा 12वीं की परीक्षा उन्होंने पत्राचार से पढ़ाई कर उत्तीर्ण की। उनका सपना था कि उनका गाँव सुविधाओं में सबसे आगे रहे। बस इस सपने ने उन्हें राजनीति में भी सक्रिय कर दिया। शुरूआत से रही जनसंघ की विचारधारा ने उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर प्रेरित कर दिया। उनकी छोटी आयु में शासकीय अध्यापक पद पर नौकरी लग गई मगर आरएसएस से हटना किसी कीमत पर भी मंजूर नहीं था। बस सिद्धांतों के इस टकराव में उन्होंने सन् 1967

में नौकरी को ही तिलांजलि दे दी। इसके पश्चात् उनके कदम स्व व्यवसाय की ओर बढ़ गये। वर्तमान में श्री भूतड़ा सफलता पूर्वक एक वृहद स्टोन व्यवसाय का संचालन कर रहे हैं। इसके साथ भाजपा के द्वारा सक्रिय राजनीति से सम्बद्ध हो गये। इसके साथ उनका समाज सेवा का सफर भी सतत चलता ही रहा।

सतत चली सेवा यात्रा

श्री भूतड़ा ने जब अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन की बागडोर सम्हाली उस समय संस्था की सिर्फ चार शाखाऐं ही थीं। इसके भवन भी धर्मशाला की तरह आधुनिक सुविधाओं से रहित थे। भवनों के आधुनिकीकरण के साथ प्रारंभ संस्था की सेवाओं के विकास का सफर ऐसा चला कि जिसने नये इतिहास की रचना कर दी। किसी भी समाज सेवी संस्था के लिये 7-8 वर्षों में तीन गुने से भी अधिक विकास करना आसान नहीं है लेकिन वर्ष श्री भूतड़ा के कार्यकाल में सेवा सदन ने यह कीर्तिमान स्थापित कर दिखाया है। इसकी शाखाओं में लगभग 5 नये प्रकल्प और जुड़ें और इतने ही नये प्रकल्पों की तैयारी भी हो गई। विकास का आंकलन सिर्फ शाखाओं की संख्या के आधार पर ही नहीं किया जा सकता। यदि संस्थाओं के आधुनिकीकरण, सुविधाओं के विकास व नवीन भवनों का निर्माण आदि विकास के समग्र आयामों पर विचार किया जाऐ तो इस अवधि का यह सम्पूर्ण विकास 5-6 गुना से भी आगे जा पहुँचेगा।

परिवार भी रहा सहयोगी

श्री भूतड़ा अपनी राजनैतिक सक्रियता व समाजसेवा के साथ ही धार्मिक गतिविधियों में भी यथासंभव सहयोग देते रहे हैं। धर्मपत्नी श्रीमती कमलादेवी भूतड़ा इन धार्मिक गतिविधियों की जिम्मेदारी का सक्रियता से निर्वहन करती हैं। पुत्र श्रीकांत एवं अमित सुस्थापित हो चुके ग्रेनाईट उद्योग का भार वर्तमान में अपने युवा कंधों पर लेकर उद्योग को शीर्ष पर ले जाने के लिए समर्पित भाव से प्रयासरत हैं।

आपसे कहा जाता है -

- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?
a i s a k y o n
जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - "ऐसा क्यों?" लेकिन इसका उत्तर देगा कौन?
इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक
Rs. 100/- डाक खर्च सहित

सम्पर्क - ऋषिमुनि प्रकाशन,
श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.)
फोन-0734-2556144, 2559389, मो. 094250-91161
Email : rishimuniprakashan@gmail.com

कीचन का खजाना

क्रिप्सी चीज कॉर्न बाल्स

सामग्री- स्वीट कॉर्न 200 ग्राम, गाजर 100 ग्राम, बारीक कटा और उबला हुआ, बीन्स 50 ग्राम बारीक कटा और उबला हुआ, चीज किसा हुआ 100 ग्राम, मैदा 4 चम्मच बटर 2 चम्मच, दूध 1/2 कप, इटालियन सीजनींग 1 चम्मच, सफेद मिर्च पावडर 1/2 चम्मच, बारीक सेवई 1 पैकेट क्रश किया हुआ, नमक स्वादानुसार, तेल तलने के लिये।

विधि - एक पॅन में बटर गरम करके उसमें मैदा भूनें। फिर खुशबू आने पर उसमें दूध मिलाये और हिलाते रहे फिर उसमें नमक और सफेद मिर्च पावडर डालें। थोड़ा गाढ़ा होने पर गैस बंद कर दें। फिर ठंडा होने पर चीज, क्रश कॉर्न, गाजर और बीन्स मिलाकर छोट-छोटे बाल्स बनाके सेवई में रोल करें और गरम तेल में सुनहरा होने तक तलें। चटनी सॉस के साथ गरमागरम पेश करें।

पूनम राठी
(नागपुर)
मो. 99700 57423

With Best Compliments from

KISAN
Seeds Corporation Agro Traders

Wholesale Dealing in Seeds, Pesticides & Fertilezer

Sanjay S. Laddha - 94221 55315

Deohari Complex, Near Vyankatesh Dham,
Vasant Chowk, **Amravati (MH.)**
Ph. 2677290, 2651616 (O), 2578818 (R)

With Best Compliments from

Shree Trading Co.
Kirana & Dry Fruit Merchants

Spl. Manish Brand Kirana Packing
& Bangalore Flora Batti, Agarbati
Agent : Sun & Suraj Brand Kesar

Govind Ladda

Shop No. 93-C, Sri Krupa Market,
Malakpet, **Hyderabad-36**
Ph. : 65947722 (O), 65705388 (R)
M. 92462 02131, 98482 47125

'हिन्दी' के लिये लौटाया 'पद्म विभूषण' सम्मान

सेठ गोविंददास मालपानी

राष्ट्रभाषा के रूप में अगर हिन्दी आज सम्मानित है, तो इसके मूल में इतिहास पुरुष सेठ गोविंददास मालपानी का महत्त्वपूर्ण योगदान है। देश की आजादी के बाद भी जब लगा कि हिन्दी को उसकी जगह नहीं दी जा रही है, तो वे अपनी नाराजगी ''पदम् विभूषण'' सम्मान लौटाकर व्यक्त करने में भी पीछे नहीं रहे।

▸▸ SMT टीम

हिन्दी भाषा के उन्नायकों की जब बात होती है, तो उनमें राजर्षि पुरुषोत्तमदास चांडक के साथ महाकौशल केसरी सेठ गोविंददास मालपानी का नाम अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाता है। जबलपुर में 16 अक्टूबर 1896 को राजा गोकुलदास मालपानी के पौत्र एवं दीवान बहादुर सेठ जीवनदास जी के पुत्र के रूप में जन्मे सेठ गोविंददास जी एक ऐसे राष्ट्रप्रेमी थे, जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में अपना सबकुछ देश पर न्यौछावर कर दिया था। उन्होंने जीवन में तीन संकल्प लिये थे स्वराज्य प्राप्ति, गौ रक्षा और हिन्दी भाषा को प्रतिष्ठित करवाना। अपने इन आदर्शों पर वे हमेशा अडिग रहे और इस मामले में उन्होंने कभी कोई समझौता नहीं किया। आजादी पूर्व ही साहित्य सम्मेलन के अधिवेशन में आपने नागपुर में ''राष्ट्रीय हिन्दी मंदिर'' की स्थापना कर हिन्दी भाषा को प्रतिष्ठित करवाने की जंग शुरू कर दी थी, जो आजादी के बाद भी सतत जारी रही चाहे इसके लिये अपना पद ही छोड़ना पड़ा हो या अपनी ही पार्टी का विरोध क्यों न करना पड़ा हो।

पद्म विभूषण भी लौटाया

देश के आजाद होने के बाद पं. जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत की सरकार बनी, लेकिन इसमें भी हिंदी को वह सम्मान नहीं मिल पा रहा था, जिसकी वह हकदार थी। 23 अप्रैल 1963 को पंडित जवाहरलाल नेहरू की सहमति से तत्कालीन गृहमंत्री श्री लालबहादुर शास्त्री ने हिंदी के साथ अंग्रेजी को भी अनिश्चित काल तक चालू रखने संबंधी एक विधेयक संसद में पेश किया। जीवनपर्यन्त निष्ठावान कांग्रेसी रहते हुए भी 25 अप्रैल 1963 को 'लोकसभा' में पारित हुए 'राजभाषा विधेयक' का संसदीय लोकतंत्र में दलीय अनुशासन की अवहेलना करते हुए भी आपने बड़ी निर्भिकता से विरोध किया। आपने स्पष्ट किया कि 'यह मेरी अन्तरात्मा का प्रश्न है, जिसको सुलझाते और जिसके लिए काम करते-करते पचास वर्षों का अपना सारा समय व्यतीत किया और इसीलिए अपनी अन्तरात्मा के अनुसार काम करने के लिए जीवन के संध्याकाल में बाध्य हूँ। मुझे बड़े दुःख के साथ विधेयक का विरोध करना पड़ रहा है।' यहाँ तक कि हिन्दी के इस प्रसंग पर क्षुब्ध होकर आपने 'पद्मविभूषण' की उपाधि भी सरकार को लौटा दी।

हिन्दी में दिलवाई शपथ

स्वतंत्रता पूर्व तो ठीक इसके बाद भी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को अंग्रेजी में ही पद की शपथ दिलवाई जाती थी। स्वतंत्र भारत की संसद में सेठ गोविंददासजी लोकसभा स्पीकर बने तो वहाँ भी उनके आदर्श इस मामले में आ टकराए। इसके लिये उन्होंने उस समय की परम्पराएं ही बदल डाली और हिंदी में शपथ दिलवाने की शुरुआत की। इसके लिये वे पं. नेहरू सहित तत्कालीन कई नेताओं का विरोध करने में भी पीछे न रहे। आखिरकार पं. जवाहरलाल नेहरू तो ठीक उनके पश्चात श्रीमती इंदिरा गांधी को भी हिन्दी में पद की शपथ दिलवाकर ही सेठ जी ने दम लिया। इसके बावजूद भी उनके मन में हमेशा टीस बनी रही थी कि राजनीतिक कारणों से उनके हाथों में पर्याप्त परिवर्तन के अधिकार नहीं थे। आजीवन आपने अपनी लेखनी से हिन्दी साहित्य को समृद्ध कर उसकी सेवा भी अवश्य ही की।

क्यों थे हिन्दी के पक्षकार

सेठ गोविन्ददास जी का दृढ़मत था कि सच्चा भारत अंग्रेजी द्वारा नहीं बन सकता। आप मानते थे कि हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं में कोई विरोध नहीं है। उनकी एक संस्कृति है। आपके ही शब्दों में 'हमने गलती की कि जिस दिन संविधान लागू किया गया, उसी दिन से सब काम हिन्दी में नहीं चलाया। हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाएं मृत नहीं हैं। इनके द्वारा उस दिन से ही सारा काम चल सकता था।.....' हिन्दी और अंग्रेजी के संदर्भ में आपका चिंतन उदार, नितांत व्यावहारिक और राष्ट्र के हित में था। आपका मानना था कि - ''कोई साहित्यकार सरस्वती के किसी स्वरूप का विरोधी नहीं हो सकता, उससे घृणा नहीं कर सकता। अंग्रेजी भी सरस्वती का एक स्वरूप है। लेकिन अंग्रेजी के संबंध में मेरी वही स्थिति है, जो अंग्रेजी राज्य के संबंध में गांधीजी की थी। गाँधीजी कहा करते थे- ''अंग्रेज उनके मित्र हैं। अंग्रेजों से स्नेह करते हैं लेकिन सात समुद्र पार से आये हुए मुट्ठी भर अंग्रेज इस देश में राज्य करें, यह नहीं हो सकता।''

जहाँ महाराणा का प्रवेश रहा वर्जित

गड़बोर के चारभुजाजी

उदयपुर से 112 और कुंभलगढ़से 32 कि.मी. की दूरी पर मेवाड़ का जाना-माना तीर्थ स्थल है, गड़बेर के चारभुजाजी यहाँ चारभुजाजी की बड़ी ही पौराणिक चमत्कारी प्रतिमा है। मेवाड़ के चार प्रमुख स्थल केसरियाजी, कैलाशपुरीजी और नाथद्वारा के साथ गड़बोर की गिनती भी है। यह एक ऐसा चमत्कारिक तीर्थ स्थल माना जाता है जिसमें भगवान साक्षात बसते हैं। यहाँ की परम्परा है कि महाराणा यहाँ दर्शनार्थ नहीं आते। इस परम्परा का राज परिवार वर्तमान में भी पालन करते हैं।

विश्वकर्मा ने किया प्रतिमा निर्माण

इस चमत्कारी प्रतिमा के संबंध में में जनश्रुति है कि श्रीकृष्ण भगवान ने उद्धव को हिमाचल में तपस्या कर सद्गति प्राप्त करने के आदेश देते हुए स्वयं गौलोक जाने की ईच्छा जाहिर की। तब उद्धव ने कहा कि मेरा तो उद्धार हो जाएगा, परंतु आपके परम भक्त पाण्डव और सुदामा आपके गौलोक पधारने की खबर सुनकर प्राण त्याग देंगे। ऐसे में श्रीकृष्ण ने विश्वकर्मा से स्वयं की एवं बलराम महाराज की दो मूर्तियां बनवाई, जिसे राजा इंद्र को देकर कहा कि ये मूर्तियां पाण्डव युधिष्ठिर व सुदामा को सुपूर्द कर उनसे कहना कि ये दोनों मूर्तियां मेरी हैं और मैं ही इनमें हूं। प्रेम से मूर्तियों का पूजन करते रहें। इन्द्र के आदेशानुसार श्रीकृष्ण की मूर्ति पाण्डव युधिष्ठिर को और बलदेव भगवान की मूर्ति सुदामा को दे दी। पाण्डव और सुदामा दोनों उन मूर्तियों की पूजा करने लगे।

गंगदेव ने की प्रतिमा की पुन: स्थापना

वर्तमान में गड़बोर में चारभुजा के नाम से स्थित प्रतिमा पाण्डवों द्वारा पूजी जाने वाली श्री सत्यनारायण की प्रतिमा ही है जो सेवन्त्री गाँव में स्थित है। किवदंती है कि जब पाण्डव जाने लगे तो श्रीकृष्ण की मूर्ति को पानी में छिपा गये ताकि कोई इसकी पवित्रता को खंडित नहीं कर सकते। कई वर्षों बाद जब राजपूत बोराना के प्रमुख गंगदेव, जतकालदेव और कालदेव ने मिलकर गड़बोर की स्थापना की, तब गंगदेव को एक रात सपना दिखा कि पानी में से चारभुजा नाथ की प्रतिमा निकालकर मंदिर में स्थापित कर दी जाए। गंगदेव ने यही किया।

मेवाड़ा का अत्यंत चमत्कारी तीर्थ स्थल है, गड़बोर के चारभुजाजी। कहते हैं कि यह वह पाण्डवकालीन प्रतिमा है, जिसका निर्माण स्वयं विश्वकर्मा ने किया था। इसकी ऐतिहासिकता में एक विशेषता यह रही कि यहाँ महाराणाओं के लिये प्रवेश हमेशा वर्जित रहा।

» SMT टीम

कई बार हुए जलमग्न

यह भी सुनने को मिलता है कि मुसलमानों के अत्याचारों से बचने के लिए बोराना राजपूतों ने इस प्रतिमा को जल प्रवेश करा दिया। इसके बाद नाथ गुंसाइयों द्वारा इसे निकाल कर पूजा के लिए पुनः प्रतिष्ठित किया गया। यहां छोटे-मोटे करीब सवा सौ युद्ध हुए जिसमें कई बार चारभुजा की मूर्ति को बचाने के लिए जलमग्न किया गया। ऐसी स्थिति में मेवाड़ राजवंश ने बार-बार इस प्रतिमा की सुध ली ओर इसे बचाने के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया। महाराणा संग्रामसिंह, जवानसिंह, स्वरूपसिंह ने तो मंदिर की सुव्यवस्था के साथ-साथ जागीरें भी प्रदान की। यहां वर्ष में दो बार होली एवं देवझूलनी एकादशी पर मेले लगते हैं। मंदिर के पास ही गोमती नदी बहती है।

क्यों है महाराणा का प्रवेश वर्जित

कहते हैं एक बार मेवाड़ के महाराणा उदयपुर से दर्शन के लिए पधारे लेकिन देर हो जाने से पुजारी देव ने भगवान चारभुजा का शयन करा दिया और महाराणा की दी हुई भगवान की माला खुद पहन ली। किंतु इसी बीच महाराणा वहां आ गए। माला में सफेद बाल देखकर पुजारी से पूछा- क्या भगवान बूढ़े होने लगे है? पुजारी ने घबराते हुए हाँ कर दी। महाराणा ने जांच का आदेश दे दिया। दूसरे दिन भगवान के केशों में से एक केश सफेद दिखाई दिया। ऊपर से चिपकाया गया केश मानकर जब उसे उखाड़ा गया तो श्री विग्रहजी से रक्त की बूंद निकली। इस तरह भक्त की लाज भगवान ने रख ली। उसी रात महाराणा को स्वप्न हुआ कि भविष्य में कोई महाराणा वहां दर्शनार्थ नहीं पहुंचे। तब से इस परम्परा का निर्वाह हो रहा है। हाँ, महाराणा बनने से पूर्व युवराज की हैसियत से अवश्य इस स्थल पर अवश्य दर्शन कर सकते हैं।

पराक्रम का कारक है

मंगल

नवग्रहों में मंगल का विशेष स्थान है। यह पराक्रम का कारक है। यही कारण है कि मंगल की श्रेष्ठ स्थिति के बिना अपने बल पर जीवन में श्रेष्ठ सफलता हासिल नहीं होती।

हरिप्रकाश राठी
जोधपुर

खगोल विज्ञान में लालग्रह के नाम से विख्यात मंगल सूर्य से चौथा एवं क्षेत्रफल में सबसे छोटे ग्रह बुध से बड़ा होने के कारण सोलर सिस्टम में दूसरा सबसे छोटा ग्रह है। यह पृथ्वी का लगभग आधा है एवं क्षेत्रफल में यूरेनस एवं नेपच्यून भी मंगल से बड़े हैं। मंगल के धरातल पर बिखरे आयरन आक्साइड की वजह से इसका रंग पृथ्वी से लाल दृष्टिगत होता है। आसमान में आप इसे नंगी आंखों से देख सकते हैं। इसका मार्स नाम रोम के युद्ध देवता 'मारसिस' से लिया गया है।

फलित में अत्यंत महत्वपूर्ण

फलित ज्योतिष में मंगल का अहम् स्थान है। मंगल एक राशि में करीब 40 से 50 रोज रहते हैं जैसा कि अभी मंगल 15 जून को मिथुन में आये हैं एवं करीब 44 रोज यहां रहकर 29 जुलाई को कर्क में प्रवेश करेंगे। कर्क में नीच के मंगल जातक, राष्ट्र एवं इसकी भौगोलिक-राजनैतिक परिस्थितियों में आश्चर्यजनक परिवर्तन करते हैं। किसी का राजयोग बनाते हैं, तो किसी को भ्रष्ट करते हैं। मंगल का पृथ्वी से पुत्रवत् नाता है। किम्वदंति है कि मंगल पृथ्वी से टूटकर बना एक ग्रह है एवं इसीलिये इसे भूमिसुत, भौम आदि नामों से भी जाना जाता है। इसे अंगारक, कुज, लोहितांग, क्षितिनंदन नाम भी दिये गये हैं।

सफलता का कारक

ज्योतिष में मंगल स्टेमिना, पुरूषार्थ, भ्रातृप्रेमी एवं राजयोगकारक है। अनुकूल मंगल वाले जातक राजा एवं राज्य अधिकारियों के प्रिय होते हैं। मंगल की कृपा ही व्यक्ति को राजनेता, प्रशासनिक अधिकारी एवं जनप्रिय बनाती है। हमारे देश की कुण्डली में वृषभ लग्न है एवं मंगल दूसरे कुटुंब स्थान में वृहस्पति से दृष्ट होकर बैठा है। यही कारण है कि देश में अनेक बार आतंकवाद, आगजनी, साम्प्रदायिक दुर्भाव आदि की घटनायें होने पर भी देश अपने शांति, सौहार्द, भाईचारे के मूलस्त्रोत द्वारा सदैव सुरक्षित रहा है। अनुकूल मंगल, जहां जातक को राजा बनाता है, प्रतिकूल मंगल अनेक बार गृहस्थ एवं पारिवारिक सुख तक को छिन्नभिन्न कर देता है। इसलिए मंगल मिलान आम बात हो गई है। हालांकि इसके मिलान एवं इसके पैरामीटर्स पर ज्योतिषियों में भारी मत-मतांतर है।

विभिन्न भावों में भिन्न-भिन्न फल

जातक के प्रथम घर में मंगल उसे पुरुषार्थी बनाता है, दूसरे में कोटूंबिक क्लेश देता है, तीसरे-छठे-ग्यारवे जातक के अक्षुण्ण पराक्रम का दाता बनकर उसके रोग, ऋण, रिपुओं का नाश करता है। चौथे भूमिसुख, पांचवे क्रोधी बनाता है। पांचवे मंगल गर्भपात का भी अहम् कारण है। सातवे जीवनसाथी से मत-मतांतर, आठवे आकस्मिक दुर्घटनायें, नवे भाग्यप्रदाता, दशवे राज्यकृपाकारक एवं बारहवें पत्नी से बिछोह, मतभेद करवाता है। कालपुरूष की कुण्डली में मंगल पुट्ठों, हड्डियों का कारक है।

रानी लक्ष्मीबाई की कुण्डली
जन्म 19 नवम्बर 1828

युति सम्बन्ध बनाता है विशिष्ट योग

मंगल की अन्य ग्रहों के साथ युति भी दिलचस्प है। चन्द्र के साथ होकर यह अद्भुत धनप्रदायक चन्द्रमंगल योग बनाता है। सूर्य के साथ हृदयरोग, बुध-गुरु के साथ मतिभ्रम की स्थितियां बनाता है। शुक्र के साथ होकर मंगल मनुष्य को व्यभिचारी, अतिचारी, बलात्कारी तक बना देता है। शनि-मंगल युति शनि के दोषों का हरण करती है। हनुमान् द्वारा लंका में उसे छोड़ देने पर मिले वरदान से यह युति फलदायक बन गई है। मंगल अगर केन्द्र में स्वगृही अथवा उच्चस्थ हो तो अद्भुत 'रूचक योग' बनाता है। ऐसा जातक शौर्य एवं साहस का प्रतिरूप होता है। जिनके प्रतिकूल मंगल हो उन्हें ऑर्थोपेडिक वार्ड में दुर्घटना पीड़ित रोगियों तथा जेल में केदियों के लिये समाजसेवा करनी चाहिए।

दशम का मंगल बनाता है कुलदीपक

दशम मंगल जातक को कुलदीप बना देता है। ऐसा जातक शौर्य एवं राष्ट्रभक्ति का अभिनव इतिहास रचता है। राष्ट्रप्रेम के आगे ऐसा जातक जान की परवाह भी नहीं करता, इसलिए उनकी कीर्ति मृत्यु के पश्चात् भी अक्षुण्ण रहती है। 1857 के गदर की वीरांगना, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की कुण्डली में ऐसा ही योग होने से अल्पायु होते हुये भी उसका यश आज भी स्थिर है। 19 नवम्बर 1828 में जन्मीं रानी अंग्रेजों से लोहा लेते हुए 18 जून 1858 में ग्वालियर शहर के बाहर फूलबाग में शहीद हुई। रानी पर अंग्रेज सिपाही मधुमक्खियों की तरह टूट पड़े, उस महान वीरागंना ने फिर भी पीठ नहीं दिखाई। अन्त में जब उनके घोड़े को भी घायल कर गिरा दिया गया तो रानी नीचे गिर पड़ी एवं यहीं उन्होंने वीरगति प्राप्त की।

आँखों का दुश्मन
मोतिया बिंद

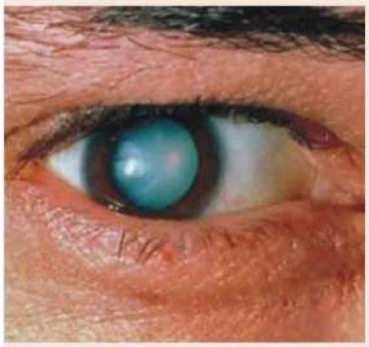

आँखें शरीर का अगर सबसे संवेदनशील अंग है, तो सबसे महत्वपूर्ण भी। मोतिया बिंद एक ऐसी बीमारी है, जो इन्हें नुकसान पहुँचाकर बना सकती है, जीवन को अंधकार मय। आईये देखें कैसे करें इससे आंखों का बचाव।

कैलाशचन्द्र लढ़ा

मोतियाबिंद एक आम समस्या बनता जा रहा है, अब तो युवा भी इस रोग के शिकार होने लगे हैं। अगर इस रोग का समय रहते इलाज न किया जाए तो रोगी अंधेपन का शिकार हो जाता है। मोतियाबिंद रोग कई कारणों से होता है। आंखों में लंबे समय तक सूजन बने रहना, जन्मजात सूजन होना, आंख की संरचना में कोई कमी होना, आंख में चोट लग जाना, चोट लगने पर लंबे समय तक घाव बना रहना, कार्निया में जख्म बन जाना, दूर की चीजें धूमिल नजर आना या सब्जमोतिया रोग होना, आंख के परदे का किसी कारणवश अलग हो जाना, कोई गम्भीर दृष्टि दोष होना, लंबे समय तक तेज रोशनी या तेज गर्मी में कार्य करना, डायबिटीज होना, गठिया होना, धमनी रोग होना, गुर्दे में जलन का होना, अत्याधिक कुनैन का सेवन, खूनी बवासीर का रक्त स्राव अचानक बंद हो जाना आदि समस्याएँ मोतियाबिंद को जन्म दे सकती है।

व्यायाम जो देते हैं आँखों को शक्ति

रोज सुबह नियमित रूप से सूर्योदय से दो घंटे पहले नित्य क्रियाओं से निपटकर शीर्षासन और आंख का व्यायाम अवश्य करें। आंख के व्यायाम के लिए पालथी मारकर पद्मासन में बैठें। सबसे पहले आंखों की पुतलियों को एक साथ दाएँ-बाएँ घुमा-घुमाकर देखें फिर ऊपर-नीचे देखें। इस प्रकार यह अभ्यास कम-से-कम 10-15 बार अवश्य करें। इसके बाद सिर को स्थिर रखते हुए दोनों आंखों की पुतलियों को एक गोलाई में पहले सीधे फिर उल्टे (पहले घड़ी की गति की दिशा में फिर विपरीत दिशा में) चारों ओर घुमाएँ। इस प्रकार कम-से-कम 10-15 बार करें। इसके बाद शीर्षासन करें।

इनका रखें ख्याल

मोतियाबिंद के रोगी को गेहूँ की ताजी रोटी खानी चाहिए। गाय का दूध बगैर चीनी का ही पीएँ। गाय के दूध से निकाला हुआ घी भी सेवन करें। आंवले के मौसम में आंवले के ताजा फलों का भी सेवन अवश्य करें। फलों में अंजीर व गूलर अवश्य खाएं। सुबह-शाम आंखों में ताजे पानी के छींटे अवश्य मारें। मोतियाबिंद के रोगी को कम या बहुत तेज रोशनी में नहीं पढ़ना चाहिए और रोशनी में इस प्रकार न बैठें कि रोशनी सीधी आंखों पर पड़े। पढ़ते-लिखते समय रोशनी बायीं ओर से आने दें। वनस्पति घी, बाजार में मिलने वाले घटिया-मिलावटी तेल, मांस, मछली, अंडा आदि का सेवन न करें। मिर्च-मसाला व खटाई का प्रयोग न करें। कब्ज न रहने दें। अधिक ठंडे व अधिक गर्म मौसम में बाहर न निकलें।

कुछ आसान व कारगर नुस्खें

त्रिफला को जौ से समान (यवकुट) कूट लो और दो तोला त्रिफला को रात्रि के समय किसी मिट्टी, शीशे वा चीनी के पात्र में आधा सेर व एक सेर शुद्ध जल में भिगो दें। प्रातःकाल पानी को ऊपर से नितारकर छान ले। उस जल से नेत्रों को खूब छींटे लगाकर धोएँ। सारे जल का उपयोग एक बार के धोने में ही करें। इससे निरन्तर धोने से आंखों की उष्णता, रोहे, खुजली, लाली, जाला, मोतियाबिन्द आदि सभी रोगों का नाश होता है।

▸▸ त्रिफला को जल के साथ पीसकर टिकिया बनायें और आंखों पर रखकर पट्टी बांध दें। इससे तीनों दोषों से दुखती हुई आंखें ठीक हो जाती हैं।

▸▸ हरड़ की गिरी (बीज) को जल के साथ निरन्तर आठ दिन तक खरल करें। इसको नेत्रों में डालते रहने से मोतियाबिन्द रुक जाता है। यह रोग के आरम्भ में अच्छा लाभ करता है।

▸▸ मोतियाबिंद की शुरुआती अवस्था में भीमसेनी कपूर स्त्री के दूध में घिसकर नित्य लगाने पर यह ठीक हो जाता है।

▸▸ सौफ़ नेत्रों के लिये हितकर है। मोतियाबिंद रोकने के लिये इसका पावडर बनालें। एक बडा चम्मच भर सुबह-शाम पानी के साथ लेते रहें। नजर की कमजोरी वाले भी यह उपाय करें।

▸▸ अनुसंधान में साबित हुआ है कि कद्दू के फूल का रस दिन में दो बार आंखों में लगाने से मोतियाबिंद में लाभ होता है। कम-से-कम दस मिनिट आंख में लगा रहने दें।

▸▸ घरेलू चिकित्सा के जानकार विद्वानों का कहना है कि शहद आंखों में दो बार लगाने से मोतियाबिंद नियंत्रित होता है। लहसुन की 2-3 कली रोज चबाकर खाना आंखों के लिये हितकर है। यह हमारे नेत्रों के लेंस को स्वच्छ करती है।

▸▸ पालक का नियमित उपयोग करना मोतियाबिंद में लाभकारी पाया गया है। इसमें एंटीआक्सीडेंट तत्व होते हैं। पालक में पाया जाने वाला बेटा केरोटीन नेत्रों के लिये परम हितकारी सिद्ध होता है। ब्रिटीश मेडीकल रिसर्च में पालक का मोतियाबिंद नाशक गुण प्रमाणित हो चुका है।

> "अच्छा दिल और अच्छा स्वभाव दोनों आवश्यक हैं
> अच्छे दिल से कई रिश्ते बनेंगे
> और अच्छे स्वभाव से वे जीवनभर टिकेंगे।"

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

रट्टू तोता

खम्मा घणी सा हुक्म आपने बताऊँ कि तोता और इंसान में कांई फर्क है तोता वो ही बोले जिको विने रटायो जावे।और इंसान बोलण में बुद्धि रो प्रयोग करे। पेली जमाने में हुक्म विश्वविद्यालय हुआ करता था। आपने ध्यान हुवैला एक गरीब ब्राह्मणी माँ रो मेधावी पुत्र विष्णु गुप्त जो बाद में चाणक्य नाम सुं प्रसिद्ध हुने मगध राज्य रा प्रधानमन्त्री बणिया। तक्षशिला रो यों विद्यार्थी सब कुछ सिखियों - अर्थशास्त्र, शिक्षा शास्त्र ,राजनीति शास्त्र, समाज शास्त्र, . कानूनी ज्ञान। चाणक्य ने राजा चन्द्रगुप्त गुप्तचर विभाग रो अध्यक्ष बणायों और एक युद्धक्षेत्र में तो चाणक्य राजा चन्द्रगुप्त ने राजधानी सुं बाहर भी नहीं निकल न दियो खुद युद्धक्षेत्र में खुद सेना रो संचालन कर जीत हासिल कर ली। आप आज रे समय में या कल्पना कर सको की कोई विश्वविद्यालय सुं एड़ा विद्यार्थी निकल सके। असम्भव ! पर हुक्म आपा सोचा क्यों नहीं निकळ सके? क्योंकि आजकल रा शिक्षक और माँ - बाप बचपन सुं ही रट्टू तोता बणावण में लाग्योड़ा है। इंफोसिस रा संस्थापक नारायण मूर्ति या बात सोलह आना सच कही है कि आजकल'आईआईटी' जेड़ा ब्रांड री प्रतिष्ठा धूल में मिल रही है क्योंकि वठै सिर्फ रट्टू तोता ही ज्यादा आ रिया है। पैसे वाला बाप बच्चों ने कोचिंग संस्थाओ में डालदेवे उण संस्थाओ में हजार प्रश्न रटा देवे और उन्ही रे दम पर पास हूँ जावे यानि बच्चे रो भेजो रट-रट ने सिमट जावे। और वो आपरी बुद्धि रो इस्तेमाल करणो ही भूलजावे।

आपा हुक्म ध्यान सुं देखा तो याही 'तोते' प्रशासन बड़ा बड़ा संस्थान चला रिया है।

इन्हीं बात पर एक बात याद आगी कि म्हारे मोहल्ले में बिट्टू समोसा री दूकान पर समोसा खरीदण वाळो री भीड़ रेवती।एड़ा समोसा रो स्वाद और कठैई नहीं। बिट्टू आपरे बेटे ने ज्यों- त्यों एमबीए री पढाई करवाई। बेटो भी रट रट ने पढाई पूरी कर ली। एकलोतो बेटो हुवण सुं पापा री दूकान पर बैठनो पड़ियो। एक दिन वो अखबार में पढ़ियों की मन्दी आवण वाली है तो वो पिताजी ने सलाह दी कि समोसा कि समोसा कम बनाणा शुरू कर देवा ताकि नुकसान नहीं हुवे।

धीरे धीरे ज्यादा कमाई रे चक्कर में बेटे ने समोसे री साइज़ छोटी कर दी। वह बासी आलू ने दोबारा इस्तेमालकरण लॉग गयो। कुछ दिन बाद समोसे री क्वालिटी गिरण सुं लोगो ने समोसा ख़रीदणा कम कर दिया।

'एमबीए' बेटों पिताजी ने कयो- देखो बापू मैं कयो थो न मंदी आवण वाळी है। पिताजी दो जूता बेटे ने मार ने बोलिया- गधा! या मंदी थारी बेवकूफी री वजह सुं आई है। और उन्हें झूठी प्लेट साफ़ करण री नौकरी पर लगा दियो।

तो हुक्म आपा तो या हीं केवा की अपने बच्चों को रट्टू तोता नहीं बणाओ सचमुच बुद्धिमान बनण देवो। एक अच्छे जीवन में व्यवहारिक ज्ञान किताबी ज्ञान सुं ज्यादा जरूरी है।

व्यंग्य का हुड़दंग

हेमन्त श्रीमाल
98268-13368

बेदम शहजादा

"दादा !
मजाक करना तो
कोई राहुल गाँधी से सीखे
कैसे-कैसे जोक्स मारता है
बोलने से पहले
तनिक भी नहीं विचारता है
वास्तव में
आज के राजनीतिक परिदृश्य में
यह किसी जोकर से कम नहीं
कह रहा है
कि मोदी डरता है, मोदी में दम नहीं"

"बेटा छोटू !
जिसने अपने दम-खम से
समूची कांग्रेस का दम निकालके रख दिया
चारों खाने चित्त कर दिया
उसे
यह अभूतपूर्व शहजादा
पिट-पिटकर भी समझा नहीं
और
कह रहा है कि मोदी में दम नहीं

यह तो वही मिसाल हुई
कि कोई व्यक्ति
दसवाँ घूँसा खाने के बाद
कपड़े झाड़कर उठे
और कहे--
ठीक कर दूँगा, फिर से मार के देख !"

अमोघ फलदायी है

पारद शिवलिंग

शिव तो वैसे ही सभी कष्टों को हरने वाले हैं। लेकिन जब पारद शिवलिंग की पूजा की जाती है, तो वह सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करती है। बस इसके लिये अपनी कामनानुसार विधि से पूजा व उपासना जरूरी होती है।

▸▸ घनश्याम चितलांग्या, उज्जैन

रसेन्द्र पुराण में वर्णित है "बद्वः साक्षातसदाशिवः" अर्थात् दोष हीन बद्रपारा साक्षात शिव स्वरूप है। इस पारद शिव लिंग को घर में विधिवत षोडषोपचार पूजन कर स्थापित करने पर भूमि दोष, पितृदोष, नवग्रह पीड़ा कुलदेवी-देवता की पीड़ा, प्रेत बाधा, वास्तुदोष, ग्रह दोष, आदि कई पीड़ाओं से मुक्ति मिलती है। पारद में एक अरब गुण होते हैं। इसे रस लिंग भी कहते हैं। पारद शिव लिंग में गणेश, शिव, शक्ति, लक्ष्मी कुबेर, सहित तैंतीस करोड़ देवों का वास होता हैं। इस पारद शिवलिंग की श्रद्वा भक्ति से पूजा करने पर तीनों लोकों में जितने शिव लिंग या स्वयं भू लिंग है, उन सब की पूजा के फल से करोड़ गुना अधिक फल मिलता है। "केदारादीनी लिंगानि पृथ्वियाँ यानी कानिचित। तानि दृष्टवा य यत्पुण्यं रस दर्षनात।" इस पृथ्वी पर केदारादि जितने भी शिव लिंग है उनके दर्शन से जो पुण्य प्राप्त होता है ,वह केवल इस पारद शिवलिंग के दर्शन मात्र से मिल जाता है। स्वयं शिव जी ने कहा है कि हे पार्वती! जो कोई भी हृदय कमल में स्थित पारद लिंग का ध्यान व स्मरण करता है वह कई जन्मों के संचित पापों से छूट जाते हैं।

"सर्वसिद्विप्रदं देवि सर्वकामफलप्रदम् ।
स्मरणं रस रातस्य सर्वोपद्रव नाशनम्।।"

हे देवि ! रसराज पारद के स्मरण मात्र से सर्वप्रकार की सिद्धि, सभी तरह की सफलता तथा सर्व उपद्रवों का नाश हो जाता है । जो पुण्य एक सौ अश्व मेध यज्ञों से, करोड़ों गौ दान से, एक हजार तोला स्वर्ण दान से या सब तीर्थों में अभिषेक करने से प्राप्त होता हैं, वही सुपुण्य पारद लिंग के दर्शन-पूजन से सहज ही मिल जाता है। गरूड़ पुराण में इसे असीम ज्ञान दायक, ऐश्वर्यदायक और मनोकामना पूरी करने वाला बताया गया है।

कैसे करें पूजा

शिव पूजन ईशानकोण में पूर्ण सात्विकता से करें। शुद्ध जल, गंगाजल, गौदुग्ध, गौदधि, गौघृत, मधु, खांड, पंचामृत, फलों का रस, दुग्धधारा, वस्त्र, जनेऊ चंदन, बिल्वपत्र, शमीपत्र, तुलसी मंजरी, दूर्वा, श्वेत मन्दार के फूल व सुगन्धित इत्र अवश्य लगाएं। पूजा की सफलता के लिये दक्षिणा व पान का बीड़ा भी चढाएं। सतत् शिवनाम का जाप करें । विशेष कामना की पूर्ति हेतु 108 बिल्व पत्रों की माला या 108 श्वेतार्थ की माला पहनाएं अथवा रूद्रसूक्त के मंत्रों से विद्वान विप्र द्वारा रूद्राभिषेक करावें। रुद्राक्ष की माला से ॐ पारदेश्वराय नमः" मंत्र की आवृत्ति 1008 बार करें।

मनोकामना पूर्ति हेतु विशेष उपाय

▸▸ गृह कलेश निवारण हेतु - शिव पूजन के बाद सुबह-शाम डमरु बजाने से वास्तु दोष दूर होगा।

▸▸ समृद्धि हेतु - सोमवार को मुख्य द्वार पर बीचों-बीच सफेद चंदन से त्रिशूलबनाएं।

▸▸ विवाह बाधा निवारण हेतु - 108 बेलपत्र पर चंदन से "ॐ नम शिवाय" लिखकर पारद शिवलिंग पर चढ़ाएं। चंदन का इत्र लगा चुरमे का भोग लगाएं।

▸▸ रोग नाश हेतु- 108 बिल्वपत्र पर चंदन से राम-राम लिखकर "ॐ हौं जूं सः" का 108 जाप कर इत्र लगाएं।

▸▸ दरिद्रता दूर करने के लिए - विधिवत् पूजन कर गुलाब की माला शिवजी को पहनाकर "दारिद्रयदहन शिव स्त्रोतम्" का त्रिसंध्या पाठ करें।

▸▸ सौभाग्य पाने हेतु - धतूरे के फूल, बिल्वपत्र व आंकडे के फूलअंजली भर कर शिवार्पणम् करें।

▸▸ दाम्पत्य सुख हेतु - सोमवार को गौरी शंकर रूद्राक्ष पूजन कर पति-पत्नी धारण करें।

▸▸ सुख-शांति हेतु-सोमवार को अशोक वृक्ष के नौ पत्रों का एक गुच्छा (इसे नौ पत्तो के) इस प्रकार 21 गुच्छों का बंदनवार बना कर मुख्य दरवाजें पर लटकाये। अगले सोमवार पुराना बंदनवार उतारकर नया बंदनवार लगा देवें ऐसा 9 हफ्तों तक करें। आर्थिक समस्या निवारण हो व दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा ।

▸▸ नवग्रहो की अनुकूलता हेतु - श्रावण मास में पांच बार या हर सोमवार को रूद्री पाठ द्वारा रूद्राभिषेक पंचामृत से विद्वान ब्राह्मण द्वारा कराएं।

▸▸ शुभ फलहेतु - श्रावण सोमवार के दिन पीतलकी थाली में कुमकुम से त्रिशूलबना चांदी का बिल्वपत्र रखकर अष्टगंध से पूजन कर 108 मंत्र जाप करें "ॐमम् महादेवाय मनोवांछितम् सिद्धम् कुरुः"। उस चांदी के बिल्वपत्र को श्रीमद्भागवत गीता या शिवपुराण में सदैव के लिए रख देवें। घर में सुख सौभाग्य प्राप्त होता है।

▸▸ सर्वकामना सिद्धि हेतु- "ॐतत्पुरुषाय विदमहे, महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्र प्रचोदयात"। मंत्र का जाप किसी भी सोमवार से प्रारंभ कर सोमवार का व्रत करें तो श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त होंगे। शिवजी के सामने घी का दीपक लगाएं। जब भी यह मंत्र जाप करे एकाग्रचित्त होकर करें, पितृदोष एवं कालसर्प दोष वाले व्यक्ति को यह मंत्र प्रतिदिन जाप करना चाहिए।

▸▸ चन्द्रमा यदि अनुकूल नही है- तो सवा लीटर दूध, आधा लीटर जल, 100 ग्राम काले तिल से किसी भी शिव मंदिर में शिवलिंग का अभिषेक सवा घंटे तक करें। मंत्र जपे-"ॐनमः शिवाय ॐ सों सौमाय नमः"।

▸▸ संपदा हेतु-सोमवार को शिवजी का दूध व शहद से तथा गन्ने के रस से अभिषेक करें। शक्कर का भोग लगाएं।

सोलह श्राद्ध वर्ष में मात्र एक बार आने वाला एक ऐसा सुअवसर है, जिसमें हम अपने दिवंगत पितृों के भी आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। पितृों के इस महापर्व में पितृ अपने लोक से अपने संबंधितों के यहाँ आते हैं और श्राद्ध से प्राप्त कव्य से तृप्त होकर उनकी मंगल कामना करते हैं।

▸▸ SMT टीम

पितृों से आशीर्वाद का महापर्व

सोलह श्राद्ध

श्राद्ध शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है, श्रद्धा+अर्घ्य, अर्थात् श्रद्धा के साथ पितरों को जो अर्पण किया जाता है, वही श्राद्ध है। पितृ इससे प्रसन्न होकर आशीर्वाद प्रदान करते हैं और इससे परिवार में सभी सुखों की वृद्धि होती है, ऐसा पुराणों में उल्लेख किया गया है। भाद्रपद पूर्णिमा से लेकर आश्विन मास कृष्ण पक्ष में अमावस्या तक का 16 दिवसीय पक्ष श्राद्ध कहा जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस पक्ष में एक प्रकार से पितरों का मेला लगता है। ये पृथ्वी लोक में निवास कर रहे अपने सगे संबंधियों के यहाँ जाते हैं और उनके द्वारा प्रदान किए गए कव्य से तृप्त होकर वर्ष भर आशीर्वाद प्रदान करते हैं। अतृप्ति की स्थिति में रुष्ट होकर ये शाप देते हैं, जिससे परिवार कई प्रकार के दुःखों का भाजक बनता है।

श्राद्ध जगाता है भाग्य

ज्योतिष में लग्न कुंडली के नवम भाव को भाग्य भाव कहा जाता है। यह भाव गुरु, माता-पिता की सेवा व उनके आशीर्वाद से ही पुष्ट होता है। यदि माता, पिता, गुरु व अन्य परिजन जीवित हैं, तब तो उनकी सेवाकर आशीर्वाद प्राप्त किए जा सकते हैं और यदि वे दिवंगत हैं, तो फिर उनसे आशीर्वाद प्राप्ति का श्राद्ध के सिवा और कोई रास्ता नहीं होता। अतः ज्योतिष के अनुसार भी भाग्य भाव को पुष्ट करने में श्राद्ध महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

किनका करें श्राद्ध

वैसे तो हर व्यक्ति अपने पिता पक्ष की 7 पीढ़ी और माता पक्ष की चार पीढ़ी का ऋणी होता है, अतः इनका श्राद्ध आवश्यक है। फिर भी यथाशक्ति अपने पूर्वजों का श्राद्ध किया जा सकता है। इसके साथ ही अपनी दिवंगत पत्नी, मित्र, जमाता, शिष्य, पुत्र व अन्य प्रियजनों का श्राद्ध करने का भी विधान है। संक्षेप में कहा जाए तो ऐसे सभी अपने दिवंगतजनों का श्राद्ध अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए जिनसे हमें स्नेह व प्रेम की प्राप्ति हुई हो, क्योंकि उनकी आत्मा इसकी अपेक्षा करती है।

इनका रखें ख्याल

श्राद्ध के पूर्ण लाभ के लिए सही विधि भी अपनाना आवश्यक है। सर्वप्रथम अपने पूर्वज को आमंत्रित करें। इसके पश्चात श्राद्ध स्थल पर काले तिल बिखेर कर दक्षिण दिशा में उन पूर्वज का स्मरण करते हुए धूप दें। तत्पश्चात् ब्राह्मण भोजन करवाएँ। पितृ श्राद्ध के लिए आमंत्रित किए जाने वाले ब्राह्मणों की संख्या विषम होनी चाहिए। ब्राह्मण यथासंभव शुद्ध सात्विक प्रकृति के व वेदपाठी हों, यह प्रयास करें। दिवंगत पितृ से दुर्भावना रखने वाले ब्राह्मणों को आमंत्रित न किया जाए। भोजन करवाते समय आमंत्रित ब्राह्मणों को दक्षिण दिशा में उत्तराभिमुख बैठाकर भोजन करवाएँ। इसके पश्चात यथा शक्ति वस्त्र, अलंकरण आदि दक्षिणा प्रदान करें। यह सभी पितृ के निमित्त ही होगा। धूप देने के तत्काल बाद गौ, कुत्ते व कौवे को ग्रास देना आवश्यक है। शास्त्रों में स्पष्ट कहा गया है कि जो लोग कुत्ता पालते हैं, पितरगण उनका श्रृद्धा तर्पण आदि ग्रहण नहीं करते। इस बात का ख्याल रखें।

एकादशी व्रत वाले दिन श्राद्ध न करें

पद्मपुराण पुष्कर खंड में लिखा है कि एकादशी व्रत के दिन श्राद्ध उपस्थित होने पर उस दिन को छोड़कर अगले दिन श्राद्ध करना चाहिए। माता-पिता अथवा पूर्वज का मृत्यु-दिवस पर एकादशी होने पर द्वादशी में श्राद्ध करना चाहिए। व्रत वाले दिन कभी भी श्राद्ध न करें क्योकि पितर एवं देवता (एकादशी के अपमान के कारण) इस निंदित या दूषित अन्न को ग्रहण नहीं करते। स्कंद पुराण में कहा गया है कि एकादशी व्रत नित्य है और श्राद्ध एक नैमित्तिक कार्य है। अतः जो नित्य है, उस एकादशी तिथि के दिन उपवासी रहकर द्वादशी को श्राद्ध का अनुष्ठान करना चाहिए। ब्रह्मवैवर्त पुराण में लिखा है - हे राजन! एकादशी के दिन श्राद्ध करने से दाता, भोक्ता एवं पितर प्रेत योनी को या तीनों नरक को प्राप्त होते हैं।

स्त्रियों व अकालमृत्यु वालों के लिए विशेष प्रावधान

सुहागिन स्त्री का श्राद्ध पति के रहने तक नवमी को किये जाना का प्रावधान है, चाहे उसकी मृत्यु किसी भी तिथि को हुई हो। पति के स्वर्गवास पश्चात् श्राद्ध मृत्यु तिथि को ही किया जाना चाहिए। हांती मृत्यु तिथि को ही निकाली जायेगी। अप्राकृतिक मृत्यु वाले प्राणी (दुर्घटना, आत्महत्या, युद्ध) का श्राद्ध चौदस को ही होगा चाहे उसकी मृत्यु किसी भी तिथि को हुई है। हांती मृत्यु तिथि को ही निकाली जायेगी।

Bank Surpasses ₹ 2400 Crore Business

Sri Ramesh Kumar Bung, Receiving the "SAHAKARA VIBHUSHAN AWARD" from Sri. S. Madhusudhana Chary, Hon'ble Speaker, Telangana Legislative Assembly.

Mahesh Bank bagged the 2nd prize in the category of "PUBLICITY" for its stall in 75th All India Industrial Exhibition - 2015.
Sri Ramesh Kumar Bung, Receiving the "AWARD" from Sri Mahamood Ali, Hon'ble Dy. Chief Minister of Telangana.
Office Bearers of the Society present on the occasion.

BOARD OF DIRECTORS

RAMESH KUMAR BUNG
Sr. Vice-Chairman

PURSHOTAMDAS MANDHANA
Chairman

RAMPAL ATTAL
Vice-Chairman

DIRECTORS

BRIJGOPAL ASAWA

CHAINSUKH KABRA

KAMALNARAYAN RATHI

KRISHNA CHANDRA BUNG

LAXMINARAYAN RATHI

NANDKISHORE HEDA

OMPRAKASH JAKHOTIYA

Smt. PUSHPA BOOB

RAMPRAKASH BHANDARI

SRIGOPAL BUNG

SRIKANTH INANI

SRINIVAS ASAWA

CA KISHAN GOPAL MANIYAR
PROFESSIONAL DIRECTORS

CS SUMAN HEDA

UMESH CHAND ASAWA
M. D. & CEO

SALIENT FEATURES

- IMPS – Merchant Payment Service – for online payment of Electricity, Telephone bills and booking flight, bus and hotel bookings.
- Direct RTGS & NEFT facilities.
- RuPay Debit Card facility – Access to more than one and half lakh ATMs of NFS Member Bank's and merchant establishments in the country.
- Point of Sale Services (POS).
- Inward remittance facility from abroad through Western Union Money Transfer.
- e-Tax payment - Income Tax, Service Tax, Excise, VAT etc., and e-Seva facility at select branches.
- Bancassurance for Life Insurance solutions.
- Mutual Fund Business in tie-up with Reliance Capital Asset Management Co. Ltd.
- Acceptance of NR(E) Deposits.
- Foreign Exchange transactions under AD Category-II.
- Basic Savings Bank Deposit Accounts (under "Financial Inclusion").
- Tax Savings Deposit under Section 80C of Income Tax Act.
- Loans & Advances to Traders, Businessmen, SSIs, Personal Loans, Consumer Loans, Professional Loans, Educational Loans, Gold Loans & Loans against NSCs, KVPs etc.
- Housing Loans upto Rs. 70.00 lakhs.
- Educational Loans upto Rs.20.00 lakh for higher studies in Abroad and Rs.10.00 lakh in India.

* Conditions apply

AVAIL 24x7 INTERNET BANKING FACILITY TOO

महेश बैंक MAHESH BANK మహేశ్ బ్యాంక్

ESTD. 1978

A.P. MAHESH CO-OP. URBAN BANK LTD.

(Multi-State Scheduled Bank)

H.O. : 5-3-989, 3rd Floor, Sherza Estate, N.S. Road, Osmangunj, Hyderabad - 500 095 (T.S.) INDIA
Tel.: +91 40 2461 5296, 2461 5299, 2343 7100 - 103 / 2343 7105, Fax : +91 40 2461 6427

39 BRANCH Network | NET Banking | RTGS Funds Transfer | Point of Sale Services | Mutual Fund Services | Easy Credits for Trade & Industry | FOREIGN EXCHANGE FACILITY | Life Insurance Services | 100% CBS BRANCHES Anywhere Banking

E-mail: info@apmaheshbank.com Website: www.apmaheshbank.com

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष- यह माह आपके लिये मान-सम्मान पराक्रम, प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी देने वाला होगा। शुभ समाचार प्राप्त होगा, धन की प्राप्ति होगी, धार्मिक कार्यों में रुचि बनी रहेगी। विपरीत योनी की ओर रुझान बढ़ेगा। संतान के कार्यों से परेशानी बनी रहेगी। परिवार से मधुर संबंध रहेंगे। वाहन से सावधानी बरतें, भूमि-भवन से लाभ मिलेगा। जीवन साथी मिलेगा एवं मधुर संबंध बनेंगे। नये मित्र बनेंगे, यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में अपने लक्ष्य की प्राप्ति करेंगे।

वृषभ- इस माह आपको पारिवारिक सुख-शांति, मानसिक शांति मिलेगी। घर- परिवार के कार्य होंगे। लंबी यात्रा होगी, धार्मिक कार्य करेंगे। विद्यार्थी वर्ग को सफलता प्राप्त होगी। राजकीय एवं न्यायालयीन कार्य पूरे होंगे। बच्चों के विवाह संबंध होंगे, खर्च की अधिकता रहेगी, सामाजिक पद-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। यश मिलेगा, रुके कार्य पूर्ण होंगे। नये लोगों की जान पहचान से लाभ होगा। खर्च की अधिकता बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। शत्रु से सावधानी रखें।

मिथनु - यह माह आपको मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि दिलायेगा। नवीन वस्तुऐं खरीदेंगे, मेहमानों का आगमन बना रहेगा। प्रेम प्रसंग की ओर रुचि रहेगी। बच्चों के कार्यों से लाभ मिलेगा, जीवन साथी से मतभेद एवं वैचारिक मतान्तर बने रहेंगे। ज्ञानवर्द्धक साहित्य की ओर रुझान बना रहेगा। नौकरी में बॉस से पूरा सहयोग मिलेगा। बच्चों के साथ घूमने-फिरने का प्रोग्राम रहेगा। प्रतिस्पर्धियों को पराजय करेंगे। अपने काम की पहचान मिलेगी, वाहन से सावधानी बरते। व्यापार में विज्ञापन के द्वारा आगे बढ़ेंगे।

कर्क - इस माह में आपको सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी। नये कार्य करेंगे। प्रेम-प्रसंगों में सफलता व शत्रु परास्त होंगे। मान-सम्मान मिलेगा, लंबी दूरी की यात्रा के योग रहेंगे। पारिवारिक सुख-शांति प्राप्त होगी। कॅरियर संबंधी रुकावट दूर होगी। मित्र से सहयोग प्राप्त होगा, मनोरंजन मौज-मस्ती, साज-सज्जा पर खर्च करेंगे। शुभ समाचार प्राप्त होगा, अपनो से विश्वासघात मिलेगा। सावधानी बरतें। राजकीय कार्य में सफलता मिलेगी।

सिंह - यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायक रहेगा। विरोधी परास्त होंगे, उच्चाधिकारी प्रसन्न होंगे। नौकरी में प्रमोशन के योग, बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा। शुभ समाचार प्राप्त होगा। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता, युवा वर्ग कॅरियर के प्रति सजग रहेंगे। मित्र सहायक रहेंगे, राजकीय सम्मान मिलने के योग, संतान के कार्य की चिंता बनी रहेगी। पीठ दर्द, गर्दन की समस्या बनी रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान देवे, परिवार में नये सदस्य के आगमन के योग बनेंगे।

कन्या - इस माह आप में आत्म-विश्वास की वृद्धि होगी। विद्यार्थी वर्ग को इंटरव्यू में सफलता मिलेगी। जीवन साथी से वैचारिक मतान्तर बने रहेंगे। संतान के विवाह सम्बंध होंगे और संतान के कार्यों से खुशियाँ मिलेंगी। मांगलिक कार्यों की रूपरेखा बनेगी, वरिष्ठ व्यक्ति की सलाह ले, व्यापार एवं रोजगार के नये अवसर मिलेंगे। कला के क्षेत्र में सफलता मिलेगी, स्वास्थ्य नरम-गरम चलता रहेगा। अपने काम के प्रति ईमानदारी रखें।

तुला - यह माह आपके लिये मध्यम फलदायक रहेगा। राजकीय कार्य में सफलता अविवाहितों को विवाह प्रस्ताव आयेंगे। उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे, विरोधी परास्त होंगे। रुका हुआ धन प्राप्त होगा, मित्रों का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें, परिवारजनों को समय देंगे। नवीन वस्तु खरीदने के योग, शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नये लोगों से परिचय होगा, स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देवे। धार्मिक उत्सव के आयोजन में व्यस्तता बनी रहेगी।

वृश्चिक - यह माह आपके लिये ज्ञानवर्द्धक रहेगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे, जमीन के कार्यों में भी सफलता मिलेगी। विद्यार्थी वर्ग को पढ़ाई से परेशानी बनी रहेगी। प्रेम-प्रसंगों में सफलता मिलेगी, शिक्षा प्रतियोगी परीक्षा में सफलता, परिवारजनों से स्नेहभाव बनेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें, समाज में प्रतिष्ठित लोगों से सम्पर्क बढ़ेगा। खर्च अधिक होगा, यात्रा के अवसर मिलेंगे, पूंजी निवेश सोच समझकर करें।

धनु - यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा, व्यवसाय या नौकारी में परिवर्तन होगा। जीवन साथी से मधुर संबंध रहेंगे। योग, ध्यान आदि पर ध्यान देंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति, जमीन-जायदाद की खरीदी करेंगे। राजनीति में रुचि बढ़ेगी, आत्म-विश्वास व मनोबल के सहारे अपने लक्ष्य की प्राप्ति करेंगे। आय में वृद्धि मानसिक शांति का अनुभव करेंगे। आपके कार्य की तारीफ होगी। विरोधी से सावधानी बरतें सिर दर्द से परेशानी बनी रहेगी। ज्ञानवर्द्धक किताबें पढ़ने का शौक रहेगा।

मकर - यह माह आपको साझेदारी में लाभ दिलवायेगा। राजकीय कार्य पूर्ण होंगे। जीवन साथी से मधुर संबंध बनेंगे। सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे, प्रेम प्रसंग की ओर रुझान बढ़ेगा। परिवार में सुख, समृद्धि बढ़ेगी। वाणी एवं क्रोध पर नियंत्रण रखें, सम्पत्ति योग श्रेष्ठ रहेगा। बाग-बगीचे में रुचि रहेगी। कला सिनेमा प्रौद्योगिकी संचार में रुझान बढ़ेगा, संतान की ओर से सफलता मिलेगी।

कुंभ - इस माह आपकी आय में वृद्धि होगी व ईश्वर में आस्था बढ़ेगी। सामाजिक क्षेत्र में व्यस्तता रहेगी, ज्ञानवर्द्धक साहित्य पढ़ने में रुचि, अधिकारियों से सहयोग, राजकीय पुरस्कार उपहार सम्मान मिलेगा। जीवन साथी से स्नेह मिलेगा, विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में नहीं रहेगा। रोमांस के कारण कॅरियर पर ध्यान नहीं देंगे, लापरवाही आपके लिये हानिकारक रहेगी। संतान संबंधी चिंता दूर होगी, परिश्रम से आय के स्त्रोतों में वृद्धि होगी।

मीन - यह माह आपके लिये लाभदायक रहेगा, धन की प्राप्ति, विद्यार्थियों को इंटरव्यू में सफलता मिलेगी। ऐश-आराम की लाइफ पसंद करेंगे, अविवाहितों के विवाह प्रस्ताव आयेंगे। घर पर नये मेहमानों का आगमन होगा। पिता से वैचारिक मतान्तर रहेंगे। नया कार्य शुरू करने से लाभ मिलेगा। स्वभाव में नरमी रखें, क्रोध न करें, शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

श्रीमती मानवती पेड़ीवाल

अमृतसर। श्रीमती मानवती पेड़ीवाल धर्मपत्नी स्व. हरिचंद्र पेड़ीवाल का गत 18 जून को 87 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। आप अपने पीछे दो पुत्र सुरेंद्र व प्रदीप पेड़ीवाल तथा पौत्र-पौत्री आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्रीमती रुक्मादेवी सोनी

वरंगल। समाज के वरिष्ठ सत्यनारायण सोनी की धर्मपत्नी श्रीमती रुक्मादेवी सोनी का स्वर्गवास गत 11 अगस्त को हो गया। वे अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं। माहेश्वरी समाज वरंगल ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रीमती नर्मदादेवी झंवर

भंडारा। समाज की वरिष्ठ सदस्य श्रीमती नर्मदादेवी श्री सत्यनारायण झंवर का 86 वर्ष की अवस्था में गत दिनों देहावसान हो गया। आप अपने पीछे पुत्र महक वार्ड निवासी गोपाल, राधाकिशन व दीपक झंवर सहित पौत्र, पौत्री आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्रीमती मालतीबाई काबरा

ऐरंडोल (जलगांव)। समाज के वरिष्ठ सदस्य केदारनाथ काबरा की धर्म पत्नी श्रीमती मालतीबाई का गत दिनों स्वर्गवास हो गया। आप अमरावती शहर के डॉ. विजय बंग की बहिन तथा प्रो. बसंत तथा एडवोकेट महेश की बुआजी थी। आप अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़कर गई हैं।

श्री गोपाल मानधन्या

इन्दौर। समाज के वरिष्ठ श्री गोपाल कृष्ण मानधन्या एडवोकेट (कमलापुर वाले) का गत 20 अगस्त को देहावसान हो गया। आप चन्द्रनारायण व स्व. प्रेमनारायण, स्व. डॉ. सत्यनारायण के अनुज एवं स्व. दिनेशचंद्र मानधन्या के ज्येष्ठ भ्राता तथा प्रणव मानधन्या एडवोकेट के पिता थे।

गीता देवी सोनी का निधन

अमरावती। व्यवसायी गोपाल-रतनलाल सोनी की धर्मपत्नी एवं दिनेश तथा निखिल की माता श्रीमती डॉ. गीतादेवी सोनी का गत दिनों स्वर्गवास हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

Net Protector
NP AV
Total Security
PC, Laptop, Tablet, Mobile
Total सुरक्षा
Call :
9272707050 / 9822882566
india antivirus.com

Computerised Horoscope
Most Advanced Mathematical Software in India
Windows based Software
- Accurate Calculations
- Accurate Charts
- Full Screen VIEW Facility
- Use any printer - Dot Matrix or Inkjet or Laser.

Choice of 6 Languages
English
Marathi
Hindi
Gujarati
Kannada
Telugu

Call: 9225664817
020-65601926
Kundali 2012
www.kundalisoftware.com

हैदराबाद (आंध्रप्रदेश) में
'श्री माहेश्वरी टाईम्स'
में समाचार, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए संपर्क करें -
लक्ष्मीनारायण काकाणी
क्षेत्रीय प्रतिनिधि (हैदराबाद)
मो- 093900-73380

ब्यावर (राज.) में
'श्री माहेश्वरी टाईम्स'
में समाचार, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए संपर्क करें -
राजेन्द्र काबरा
क्षेत्रीय प्रतिनिधि (ब्यावर)
मो- 094143-14700

'श्री माहेश्वरी टाईम्स' के पाठकों के लिए विशेष छूट पर उपलब्ध

स्वर्ण श्रीयंत्र

श्रीयंत्र अर्थात् **श्री (लक्ष्मी) का यंत्र**। **श्रीयंत्र** में साक्षात् माँ लक्ष्मी निवास करती है। पौराणिक शास्त्रों के अनुसार- आर्थिक उन्नति, व्यापार वृद्धि तथा भौतिक सुख-संपदा के लिए **श्रीयंत्र** से बढ़कर कोई यंत्र संसार में नहीं है। **श्रीयंत्र** व्यापार-पेशे मे निरंतर वृद्धि करता है। साथ ही सकारात्मकता, शाँति एवं आरोग्य प्रदान करता है। वास्तु दोषों को भी **श्रीयंत्र** की स्थापना मात्र से दूर किया जा सकता है। **जहाँ भी यह यंत्र रहता है, वहाँ अनायास ही लक्ष्मी की कृपा होने लगती है एवं अनुकूल परिणाम मिलने लगते है।**

विभिन्न पौराणिक शास्त्रों के अध्ययन एवं अनेक श्रीविद्या गुरूओं से परामर्श के बाद **स्वर्ण श्रीयंत्र** को कुल पाँच धातुओं (24 कैरेट सोने की परत, चाँदी, ताँबा, जस्ता एवं निकल) से बनाया गया है। • सटीक संरचना • उपयुक्त वज़न • सकारात्मक धातु और रंग • अंतर्राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता • बेहतरीन फिनिश की लकड़ी का आधार • पौराणिक शास्त्रों के साक्ष्य के आधार पर– इसे पूर्ण प्रमाणिक एवं आदर्श **श्रीयंत्र** बनाते हैं। **इसकी डिज़ाइन पेंटेंट ऑफिस द्वारा पंजीकृत है।**

स्वर्ण श्रीयंत्र निम्न तीन आकार में उपलब्ध है।

उंचाई	उपयोग की न्यूनतम अनुशंसा-
छोटा (S)-81mm	पूजा गृह, स्टडी एवं आफिस टेबल तथा कारों, बसों एवं ट्रकों में स्थापित करने हेतु।
बड़ा (L)-108mm	3000 वर्गफुट से कम के घर, दुकान, ऑफिस, उद्योग आदि एवं वहाँ के लोगों को उर्जावान करने हेतु एवं आफिस के मुखिया की टेबल व कारों, बसों एवं ट्रकों पर स्थापित करने हेतु।
सबसे बड़ा (EL)-243mm	3000 वर्ग फुट से बड़े घर, दुकान, ऑफिस, उद्योग, मॉल, अस्पताल आदि एवं वहाँ के लोगों को उर्जावान करने हेतु।

ORIGINAL

GOVERNMENT OF INDIA
THE PATENT OFFICE
CERTIFICATE OF REGISTRATION OF DESIGN

INTELLECTUAL PROPERTY INDIA

•**श्रीयंत्र** के दर्शनमात्र से सौ यज्ञ, 16 महादान, और 1.5 करोड़ तीर्थों में स्नान करने के पुण्यों की प्राप्ति होती है। **(रूद्रयामलम् ग्रंथ)**

•**श्री दामोदर दास जी मूदडा, राजनांदगांव स्वर्ण श्रीयंत्र कि अनुशंसा करते है। उन्होने इसे स्थापित कर फायदा पाया है।**

आर्डर हेतु संपर्क करे- **रेडियस कार्पोरेशन लिमि.**

57-58, वर्धमान नगर, जी.ई. रोड, राजनांदगांव छत्तीसगढ़-491441 (भारत), Phone-07744-402345

Email-anurag@radiusindia.net/mangal@radiusindia.net, Web-www.shreeyantraindia.com

डीलर की आवश्यकता है

अध्यात्म में विश्वास रखने वाले, उद्यमी, उत्साही, जो पेटेंटेड उत्पाद की बिक्री के प्रति समर्पित हो। जिनके संपन्न सामाजिक लोगों से व्यापक संपर्क हो, जो पूँजी निवेश एवं नीति से कार्य करने में रूचि रखते हों, जिनका मौजूदा व्यवसाय ऐसे ही अन्य क्षेत्र में हो, जिनका गुरूओं/ज्योतिष/वास्तु विशेषज्ञ/पंडित/आदि से व्यापक संपर्क हो।

डीलर बनने हेत संपर्क करें- श्याम मो.- 094252 40789. Email-ali@radiusindia.net / radius@ksoni.com

Brijmohanlal Narayandas Vidur Rathi Charitable Trust

We Provide Scholarship to the
Needy Deserving Meticulous College Students
ONLY **'GIRLS'** For Commerce Stream

E-mail : svgslchn@gmail.com

Shri Veerganapathi Steels (P) Ltd.

Iron & Steel Material

"The Legend"
No. 177/2, Poonamallee High Road (Opp. Ega Theatre),
Kilpauk, Chennai - 600 010 (INDIA)
Telefax : 044-28361757, 2836 4360, 2836 3169, 4285 8006
E-mail : svgslchn@gmail.com

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2015
Despatch Date - 02 September, 2015

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah),
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
E-mail : smt4news@gmail.com

FREE REGISTRATION AT www.srimaheshwarimelapak.com